हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 जनवरी, 1975

खण्ड 1, अंक 9

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भाुक्रवार, 10 जनवरी, 1975

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(9)1
वर्श 1975–76 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)28

हरियाणा विधान सभा

भाुक्रवार, 10 जनवरी, 1975

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा, विधान भवन, सैक्टर–1, चंडीगढ़ मे प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी सरूप सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Mr. Speaker: Question Hour.

B.K. Hospital

***1103. Sh. K.N. Gulati:** Will the Minister for Industries be pleased to state:-

(a) the year in which the building of B.K. Hospital, Faridabad was constructed; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new building for B.K. Hospital, Faridabad?

गृह एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्रीमति भाारदा रानी):

(क) 1951

(ख) हां, परन्तु इस प्रस्ताव को निकट भविश्य में पूर्ण होने की सम्भावना नहीं है।

श्री के.एन. गुलाटीः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदया ने अपने जवाब मे फरमाया है कि यह बिल्डिंग 1951 मे बनी थी। आप इस बिल्डिंग को बने हुए 25 साल हो गये है। 25 साल के बाद तो बिल्डिंग वर्थ यूज नही रहती है। तो क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगी कि यदि वहां नयी बिल्डिंग नही बना सकते तो जो मौजूदा बिल्डिंग है उसकी रिपेयर करा देंगी?

श्रीमती भाारदा रानीः माननीय अध्यक्ष महोदय वह बिल्डिंग बहुत अच्छी है। 25 साल पहले बनी बिल्डिंग बहुत पुरानी नही हो जाती। उससे भी पुरानी पुरानी बिल्डिंग्ज पड़ी है। वह न कहीं से टपकती है और न ही टूडी फूटी है। कहीं कोई बात अगर होती है, तो उसकी रिपेयर की जाती रही है।

***1182. Shri Amar Singh:** Will the Minister for Development be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct Bus Adda at Bawani Khera; Tehsil Head quarter, if so, when it is likely to be implemented?

ि ाक्षा एवं परिवहन राज्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी): बवानी खेड़ा मे बस अड्डा बनाने का इस समय कोई प्रस्ताव विचाराधीन नही है।

श्री अमर सिंहः क्या यह हकीकत है ति जनरल मैंनेजरने बवानी खेड़ा बस अड्डे के लिये जमीन एक्वायर करने के लिये लिख कर भेजा है ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः ऐसी कोई बात नही है।

चौधरी फूल सिंह कटरियाः क्या मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेंगे कि कोसली मे, जो कि बहुत बड़ी मंडी है, कोई बस अड्डा बनाने का इरादा है ?

विकास मंत्री (कर्नल महा सिंह): अध्यक्ष महोदय, मैं पहले भी अर्ज कर चुका हूं कि हमारा इरादा तो बहुत कुछ है लेकिन प्रायरिटी उन जगहों पर देते है जहां सब डिविजनल हैड क्वार्टर हो और यातायात के साधन अधिक हो।

चौधरी बृज लालः क्या मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेंगे कि रानियां और एलनाबाद मे कोई भौड्ज बनाने की योजना है ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः यह जवाब कर्नल साहब पहले ही दे चुके है। जैसे जैसे जरूरत है उस के मुताबिक प्रायरिटी देंगे। जहां पर जमीन फ्री देंगे वहां के लिये पहले टाप प्रायरिटी देंगे। उसमे एलनाबाद भी आयेगा तो उसको भी सोच लेंगे।

श्री अमर सिंहः मिनिस्टर साहब ने अभी फरमाया है कि सब डिविजनल हैड क्वार्टर पर और तहसील हैड क्वार्टर पर अड्डे

बना रहे है। मैं मिनिस्टर महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या बवानी खेड़ा मे, जो कि तहसील हैड क्वार्टर है, जब तक परमानैंट बस अड्डा न बने, उस वक्त तक कोई टैम्परेरी अड्डा बनाने पर विचार करेंगे ?

कर्नल महा सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं वही जवाब फिर दोहराता हूं। पहले सब डिविजनल हैड क्वार्टर पर जहां पर जमीन एक्वायर कर चुके है, फिर तहसील हैड क्वार्टर पर जहां जमीन मिल चुकी है बस स्टैंड्ज बनाए जायेंगे। जहां जमीन मिल चुकी है बस स्टैंडज बनाये जायेंगे। जहां पर जमीन फ्री मिल जाती है वहां को टाप प्रायरिटी देते है।

चौधरी राम प्र ाादः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि रिवाड़ी के अन्दर खीरी, भाडास, टाकड़ी, प्राणपुर और खडीड़ा मे परमानैंट बस स्टैंड्स बनाने पर विचार करेंगे ?

कर्नल महा सिंहः अध्यक्ष महोदय, विचार तो बहुत कछ है कि लेकिन बजट इजाजत नही देता । जब बजट इजाजत देगा तो इन जगहो पर भी भौड्ज करेंगे ?

श्री अमर सिंहः क्या मंत्री महोदय यह बताने का कृपा करेंगे कि जहां नयी तहसील बनी है, एक साल से या छः महीने से जहां पर बरसात, धूप और सर्दी से बचने के लिये सवारियों के खड़े होने के लिये कोई भौड्ज बगैरह नही है, वहां पर टैम्परेरी तौर पर भौड्ज बनाने की योजना है ?

कर्नल महा सिंहः अध्यक्ष महोदय, बवानी खेड़ा तो अभी नयी तहसील बनी है। लेकिन हमारे पास अभी भी ऐसी जगह है जहां पर सब डिविजनल हैड क्वार्टर है, पुरानी तहसील है, आबादी भी ज्यादा है, यातायात के साधन भी है लेकिन वहां पर बस अड्डे नही हैं इसलिये पहले इनको प्रायरिटी देंगे। बवानी खेड़ा को भी जरूर प्रायरिटी देंगे उसके नम्बर के हिसाब से ।

Names of A,B and C class Municipal Committees

***1191 Chaudhri Ram Lal Wadhwa:** Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to state the number and names of A,B and C Class Municipal Committees in the State which are at present under the direct control of the Administrators appointed by the State Government, separately together with the details of whole time and part time Administrators working in these municipalities?

State Minister for Cooperation and Local Government (Chaudhri Goverdhan Dass Chaudhan): There are at present 9 Class I and 19 Class II Municipal Committees in the State. The rest are known as Notified Area Committees which are 44 in number. There is no classification of municipal committees like A, B and C. All these committees are at present under the direct control of the Administrators/Presidents appointed by the State Government. The names of the Committees and the details of whole time and part time Administrators/Presidents appointed

thereto are given in the statement which is laid on the table of the House.

STATEMENT

Sr. No.	Name of the Committee	Officer appointed as Administrator/ President	Whether whole time or part time	Remarks
	Class 1			
1	Hisar	Sh. S.P. Lamba, HCS	Whole time	
2	Bhiwani	Sh. R.N. Singal, HCS	,,	
3	Gurgaon	Sh. Prem Chand, HCS	,,	He proceeded on 45 days earned leave and the S.D.O. (C), Gurgaon has taken over as Part time Administrator on 27.12.74
4	Rohtak	Smt. Kamla Chaudhry, HCS	,,	

5	Ambala City	Sh. R.S. Chaudhry, HCS	,,	
6	Yamuna Nagar	Sh. V.P. Batra, HCS	Whole time	
7	Karnal	Sub Divisional Officer (C) Karnal	Part time	
8	Panipat	Sub Divisional Officer (C) Panipat	,,	
9	Sirsa	Executive Magistrate, Sirsa	,,	
	Class-II			
1	Kaithal	Sub Divisional Officer (C) Kaithal	Part time	
2	Kalka	Tehsildar Kalka	,,	
3	Charkhi Dadri	Sub Divisional Officer (C) Charkhi Dadri	,,	
4	Jagadhri	Sub Divisional Officer (C) Jagadhri	,,	

5	Shahbad	Sh. Hukum Singh Chehal, B.D.P.O.	Whole time	
6	Palwal	Sh. Bir Singh, B.D.P.O. Palwal	,,	
7	Fatehabad	Sub Divisional Officer (C) Fatehabad	Part time	
8	Jind	Sub Divisional Officer (C) Jind	,,	
9	Narwana	Sub Divisional Officer (C) Narwana	,,	
10	Gohana	G.A. to Deputy Commissioner Sonepat	,,	
11	Pehowa	Tehsildar, Guhla	,,	
12	Jhajjar	Sub Divisional Officer (C) Jhajjar	,,	
13	Sonepat	Extra Assistant Commissioner (U.T.) Sonepat	,,	

14	Bahadurgarh	Tehsildar, Bahadurgarh	,,	
15	Thanesar	Tehsildar, Thanesar	,,	
16	Mandi Dabwali	Sub Divisional Officer (C) Siirs	,,	The orders for the appointment of Sh. B.C. Puri, B.D.P.O. as whole time Administrator has been issued but he has not joined so far. It has now been decided to appoint Sh. Chuni Lal Malhotra, Assistant, Haryana Civil Secretariat as whole time Administrator.
17	Hansi	Sh. Bihari Lal	Whole time	

		Gauba, Assistant, Haryana Civil Secretariat		
18	Narnaul	Sub Divisional Officer (C) Narnaul	Part time	
19	Rewari	Sub Divisional Officer (C) Rewari	,,	
	Notification Area Committees			
1	Ferozepur Zhirka	Sub Divisional Officer (C) Ferozepur Zhirka	Part time	
2	Safidon	Naib Tehsildar Safido	,,	
3	Beri	Tehsildar Jhajjar	,,	
4	Hodal	Tehsildar Palwal	,,	
5	Tohana	Tehsildar Hansi	,,	
6	Jhakhal	Tehsildar	,,	

		Fatehabad		
7	Uklana Mandi	Tehsildar Hansi	,,	
8	Kalanwali	Naib Tehsildar Dabwali	,,	
9	Loharu	Tehsildar Loharu	,,	
10	Gharaunda	Tehsildar Karnal	,,	
11	Chhachhrauli	Sub Divisional Officer (C) Jagadhri	,,	
12	Buria	Sub Divisional Officer (C) Naraingarh	,,	
13	Sadhaura	-do-	,,	
14	Sohna	Sub Divisional Officer (C) Gurgaon	,,	
15	Farrukhnagar	Tehsildar, Gurgaon	,,	
16	Hailey Mandi	G.A to Deputy Commissioner, Gurgaon	,,	

17	pataudi	-do-	,,	
18	Nuh	Sub Divisional Officer (C) Ferozepur Zhirka	,,	
19	Uchana	Tehsildar, Narwana	,,	
20	Meham	Naib tehsildar, Meham	,,	
21	Mahendergarh	Sub Divisional Officer (C) Mahendergarh	,,	
22	Ateli	Tehsildar, Narnaul	Part time	
23	Kanina	Sub Divisional Officer (C) Mahendergarh	,,	
24	Radaur	B.D.P.O., Ladwa	,,	
25	Pundri	Tehsildar, Kaithal	,,	It has been decided to appoint B.D.P.O. Pundri as President of

				this Notified area Committee in addition to his own duties. Orders will issure on receipt of approval from the Development Department.
26	Julana	Naib Tehsildar, Jind	,,	
27	Bawal	Tehsildar, Rewari	,,	
28	Ladwa	B.D.P.O., Kaithal	,,	Although orders of Sh. Tuhi Ram for appointment of whole time President Ladwa has been issued, he has not yet joined,

29	Nilokheri	Sub Divisional Officer (C) Karnal	,,	
30	naraingarh	Sub Divisional Officer (C) Naraingarh	,,	
31	Ralway Workshop Jagadhri	Sub Divisional Officer (C) Jagadhri	,,	
32	Ganaur	Sh. Sahu Ram	Whole time	
33	Tosham	Sh. Mange Ram	,,	
34	Siwani	Sh. Kanwar Bhan	,,	
35	Kalanaur	Sub Divisional Officer (C) Rohtak	Part time	
36	Maheshnagar	Tehsildar, Ambala	,,	
37	Pinjore	Town Administrator, H.M.T. Pinjore	,,	
38	Ellenabad	Sh. Mahabir Pershad	Whole time	
39	Hassanpur	Sh. Din Dayal	,,	

40	Bawani Khera	Sh. Ram Karan Dass	,,	
41	Narnaud	B.D.O. Narnaul	Part time	
42	Barara	Naib Tehsildar, Ambala	,,	
43	Sampla	B.D.P.O. Sampla		
44	Rania	Tehsildar, Sirsa		

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने 44 कमेटीज की स्टेटमैंट दी जिन मे से 15 कमेटिज पर होल टाईम एडमिनिस्ट्रेटर है और बाकी जगहों पर पार्ट टाईम ऐडिमिनिस्ट्रेटर लगाये हुए है, जिन मे करनाल भी भाामिल है। क्या कारण है कि ए क्लास म्यूनिसिपल कमेटीज मे भी होल टाईम ऐडमिनिस्ट्रेटर नही लगये गये है ?

सिंचाई एवं विद्युत मंत्री (श्री बनारसी दास गुपत): अध्यक्ष महोदय, कई जगहों पर पार्ट टाईम ऐडिमिनिस्ट्रेटर है। ये बड़ी अच्छी प्रकार से काम कर रहे है। डिप्टी कमी नर्ज ने भी कहा है कि हमारा काम मौजूदा पार्ट टाईम ऐडमिनिस्ट्रेटर ठीक कर रहे है लेकिन इसके बावजूद हम ने भी गवर्नमैंट को लिखा है कि कम से कम जहां ए क्लास म्यूनिसिपल कमेटीज है वहां पर होल टाईम ऐडिमिनिस्ट्रेटर लगाने के लिये आफिसर दिये जाये।

ज्यों ही हमें आफिसर्ज मिल जायेंगे हम होल टाईम ऐडिमिनिस्ट्रेटर लगा देंगे।

चौधरी वृज लालः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि रानिया जो नोटिफाइड ऐरिया डिकलेयर हो चुका है, वहां पर कोई काम नही चालू किया गया, इसका कया कारण है ?

श्री बनारसी दास गुप्तः वहां भीघ्र ही प्रबंध करेंगे।

चौधरी फूल चंद कटारियाः क्या मंत्री झज्जर के अन्दर भी होल टाईम ऐडिमिनिसट्रेअर लगायेंगे, क्योंकि वहां पर पार्ट टाईम ऐडमिनिस्ट्रेटर काफी दिनों से लगा है ?

श्री बनारसी दास गुप्तः जेसा कि अभी मै।ने अर्ज किया, ज्यो ही अफसर मिलेंगे हम होल टाईम ऐडमिनिस्ट्रेटर लगायेंगे। झज्जर के लिये भी प्रबंध कर रहे है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः नीलोखेड़ी काफी दिनों से नोटिफाइड एरिया कमेटी चली आ रही है, क्या वहां पर म्यूनिसिपल कमेटी बनाने का विचार है ?

श्री बनारसी दास गुप्तः नोटिफाइड एरिया कमेटी से म्यूनिसिपल कमेटी बनाने के लिये एक क्राइटेरिया मुकर्रर किया हुआ है। जहां नोटिफाइड एरिया कमेटी की इंकम पांच लाख हो और आबादी 20 हजार या उससे अधिक हो तो उसे अपग्रेड किया जा सकता है।

चौधरी पीर चंदः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि जिन कमेटीज मे ऐडमिनिस्ट्रेटर लगे हुए है, क्या उन कमेटीज का इलैक ान कराने का कोई विचार है ?

श्री बनारसी दास गुप्तः ज्यों ही प्रबंध हो जायेगा, इलैक ान कराये जायेंगे।

राव अभय सिंहः क्या मंत्री महोदय के नोटिस मे यह बात है कि रिवाड़ी म्यूनिसिपल कमेटी मे पहले होल टाईम ऐडमिनिस्ट्रेटर था लेकिन अब वहां पर पार्ट टाईम ऐडमिनिस्ट्रेटर लगा दिया गया है। इसका क्या कारण है? क्या वहां होल टाईम ऐडमिनिस्ट्रेटर लगाने का कोई प्रोपोजल है ?

श्री बनारसी दास गुप्तः अध्यक्ष महोदय, मैंने निवेदन किया है कि हम होल टाईम ऐडमिनिस्ट्रेटर लगाना चाहते है लेकिन आफिसर्ज की कमी है इसलिये हम नही लगा पाये है।

श्री अमर सिंहः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जैसे म्यूनिसिपल कमेटी मे एडमिनिस्ट्रेटर लगे हुए है, उसी तरह नोटिफाइड एरिया कमेटीज मे भी एडमिनिस्ट्रेटर लगाने की कोई तजवीज है ?

श्री बनारसी दास गुप्तः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि पार्ट टाईम लगे हुए है, किसी जगह प्रैजीडैनट लगे हुए है और किसी जगह पर होल टाईम एडमिनिस्ट्रेटर लगे हुए है।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जो म्यूनिसिपल कमेटीज मे एडमिनिस्ट्रेटर लगया रखे है, वे तीन साल तक काम करते रहेगे या उससे पहले वहां पर कोई चुनाव कराने की सम्भावना है ?

श्री बनारसी दास गुप्तः अध्यक्ष महोदय, मैंने अभी अभी इस बात का उत्तर दिया है कि चुनाव कराने की जो आव यक कार्यवाही है, वह हम करवा रहे है। जब वह पूरी हो जायेगी, हम इलैक ान करा देंगे।

तारांकित प्र न संख्या 1141

यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य सदन मे उपस्थित नही थे।

High School of Village Patirka

***1197. Rao Dalip Singh:** Will the Minister for Education be pleased to state—

1. whether there is any proposal under consideration of the Government take over high School of Village Patikra, Tehsil Narnaul; and

2. if so, the time by which the said proposal is likely to be implemented?

ि ाक्षा एवं परिवहन राज्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी):

(ए) हां।

(बी) इस बारे मे कोई निि चत अवधि बताना संभव नही है।

Tubewell Connections

***1204. Ch. Shiv Ram Verma:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the number of applications for electric connections to tubewells pending as on the 10the November, 1974, in Karnal and Kurukshetra Districts, separately;

(b) the number of tubewells which were given electric connections during the period from 1st July, 1974 to 10th November, 1974, in Karnal and Kurukshetra Districts separately; and

(c) the steps being taken to dispose of the remaining applications and the time by which electric connections are likely to be given to the applicants as referred to in part (a) above ?

State Minister for Irrigation and Power (Sardar Harmohinder Singh):

(a) The total number of pending applications for tubewell connections in district Karnal and kurukshetra as on 31-10-74 are as under:-

1. Karnal	3473	Karnal district is served by karnal City, Karnal Suburban, Panipat City, Panipat Suburban and a part of Kurukshetra Division of Haryana State Electricity board.
2. Kurukshetra	3143	Kurukshetra district is served by Kaithal, Pehowa, major part of Kurukshetra and a part of Shahbad and Jagadhri Division of Haryana State Electricity Board.

(b) The total number of tubewell connections given during the period from 1st July to 31st October, 1974 are as under:--

1. Karnal 680

2. Kurukshetra 681

(c) The time taken to give the connections depends upon the submission of the test report by the consumer and availability of material.

चौधरी ि ाव राम वर्मा: मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जब अढ़ाई हजार के करीब करनाल मे एप्लीके ान्ज पैडिंग पड़ी है और लगभग इतनी ही एप्लीकेशन्ज

कुरूक्षेत्र मे बाकी पड़ी है तो आप ओर नई दरखास्तें लेने लग रहे है, ऐसा क्यों है ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः स्पीकर साहब, दरख्वास्त लेने की बात तो उस वक्त चलती है, जब वह टैस्ट रिपोर्ट सबमिट करेता है।

चौधरी राम लाल वधवाः मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि 10 नवम्बर, 1974 से लेकर 31.12.1974 तक और कितनी एपलीके ान्ज आयी और कितनी डिस्पोज आफ की गयी ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः स्पीकर साहब, इस पीरियड मे कितनी नई एप्लीके ांज आयी है, वह तो मैं कह नही सकता, बहरलाल जितनी हमारे पास टैस्ट रिपोट्र्स आती है उनके बेसिज पर मैटीरियल की बवेलेबिलटी को देखते हुए हम जल्दी से जल्दी कुनैक ान देने की कोि ा ा करते है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अपने जवाब मे टोटल नम्बर आफ पैडिंग एप्लीकेशन्ज करनाल मे 3473 और कुरूक्षेत्र मे 3143 बतायी है जिनमे से करनाल मे 680 और कुरूक्षेत्र मे 681 कुनैक ानज दिये जा चुके है। क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या बाकी की टैस्ट रिपोर्ट नही आयी ? अगर नही आयी तो कितनो की नही आयी है ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः स्पीकर साहब, मैं अक्तूबर 1974 की फिगर्ज दे रहा हूं जो श्री मन्थस ओल्ड टैस्ट

रिपोटर्स आयी हुई है, करनाल डिस्ट्रिक्ट मे सिर्फ 785 है और कुरूक्षेत्र मे 767 है। सिक्स मन्थस ओल्ड टैस्ट रिपोर्टस 488 है और अब ये सिक्स मन्थस ओल्ड 288 है।

चौधरी वृज लालः स्पीकर साहब, कल भी यह बात हाउस के सामने आई थी कि जिन्होंने अढ़ाई हजार रूपये जमा करवा दिये है और टैस्ट रिपोर्ट दे दी हुई है, उनको भी अभी तक कुनैक ान नही मिला। क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि ऐसे लोगों को भी कुनैक ान न मिलने का कारण क्या है ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः स्पीकर साहब, मैंने यह अर्ज किया था कि जिन्होंने अढ़ाई हजार रूपया जमा करवाये है, उनको भी आपस मे प्रायरिटी बनती है। जिसकी पहले टैस्ट रिपोर्ट मिलती है, उसको पहले कुनैक ान मिलता है और जिसकल बाद मे मिलती है उसको बाद मे कुनैक ान मिलता है।

चौधरी वृज लालः स्पीकर साहब, ऐसे कई केसिज एक एक साल से पैडिंग पड़े है।.....(व्यवधान).....

चौधरी फूल सिंह कटारियाः स्पीकर साहब, मेरा हल्का बैकवर्ड एरिया करार दे रखा है और वहां पर अब भी दो दो साल के टयूबवैल कनैक ानज पैंडिग पड़े है। क्या उनको कोई प्रयारिटी देने का विचार है ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः स्पीकर साहब, यह तो सिर्फ कुरूक्षेत्र और करनाल डिस्ट्रिक्ट का सवाल है।

श्री अमर सिंहः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि भिवानी डिस्ट्रिक्ट मे ऐस कितने केसिज है जिन मे छः महीने से और एक साल से ज्यादा टैस्ट रिपोर्टस आयी हुई है और कुनैक ान्ज के लिये पैंडिग है।

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः यह सवाल सिर्फ करनाल और कुरूक्षेत्र डिस्ट्रिक्टस के मुताल्लिक है।

श्री धजा रामः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि टैस्ट रिपोर्ट भी आ चुकी है और फिर भी थाउजैन्डस मे ऐप्लीके ानज पैंडिंग बतायी गयी है, उनको कुनैक ान्ज देने मे डिले क्यो हो रही है, इसका कारण क्या है ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः स्पीकर साहब, मैने तो टैस्ट रिपोर्टस थाउजैंडज मे नही बतायी, मैंने तो सौ मे बतायी है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि टैस्ट रिपोर्ट आने के बाद कितने दिनों के अन्दर कुनैक ान दे दिया जाता है ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः स्पीकर साहब, यह होता है कि जब टैस्ट रिपोर्ट आती है, तो एक लम्बी लिस्ट बनाते जाते है। ज्यो ही किसी का नम्बर आता है, उसको कुनैक ान दे दिया जाता है। सब को बारी आने पर कुनैक ान देते है। वर्मा साहब के मन मे कहीं यह हो कि पिक एण्ड चूज की पोलिसी है, वह बिल्कुल नही है।

राव बंसी सिंहः स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय के नोटिस मे यह बात है कि डेढ़ डेढ़ साल हो गये है टैस्ट रिपोर्ट दिये हुए है, लेकिन उन्हें कुनैक ान नही मिले। उनको कब तक कुनैक ान दे देंगे ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः ये कहां की बात कर रहे है यह तो बता दे। उसके बाद मैं जो पोजी ान होगी, वह बता दूंगा।

सिंचाई एंव विद्युत मंत्री (श्री बनारसी दास गुपत): अध्यक्ष महोदय, सारे हरियाणा मे जो 6 महीने से जयादा पुरानी टैस्ट रिपोर्टस है, उनका टोटल है 1322 जितनी टैस्ट रिपोर्टस तीन महीने से लेकरइ छः महीने तक पुरानी है, वे 2257 और तीन महीने तक की टैस्ट रिपोर्टस है 2502। कुनैक ान ने दिये जाने का मेन कारण यह है कि आजकल सामान अवेलेबल नही है। इसलिये कुनैक ान देने मे देरी हो रही है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः अध्यक्ष महोदय, कोठा बनाने के बाद, मोटर लगाने के बाद और बिजली का कुनैक ान लेने के लिये बिल्कुल तैयार करने के बाद टैस्ट रिपोर्ट दी जाती है लेकिन फिर भी कुनैक ान मिलने मे सालों लग जाते है। उसके लिये किसान कितना ही रूपया खर्चा कर देता है। क्यो न ऐसा कायदा बना दिया जाये कि जब उसकी एप्लीके ान को कुनैक ान मिलने

का नम्बर आये तो उसको यह कह दिया जाये कि मोटर लगाओ, हम कुनैक ान दें ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः स्पीकर साहब, अगर सब की ऐप्लीके ानज के साथ ही टैस्ट रिपोर्ट न ले तो फिर इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड इतने ज्यादा कुनैक ान हनी दे सकेगा। मैं उनको यह बता दूं कि हम उतनी ही टैस्ट रिपोर्टस इ ा करेंगे जितने कुनैक ान्ज हम भी आ जाये और कुनैक ान देने से पहले उन्हें यह लगे कि टैस्ट रिपोर्ट लाओं तो यह अच्छी बात नही होगी, इससे दिक्कत होगी।

श्री अजीत सिंह टिक्काः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जिन आदमियों ने कर्जे लेकर टयूबवैल लगवाने की कोि ा ा की है, अैस्ट रिपोर्ट दे दी है लेकिन उनको कुनैक ान नही मिलता और उनकी किस्त डयू हो जाती है, कोआप्रटिव रिपार्टमैंट से मिलकर ऐसा करेंगे कि उसकी किस्त तब तक डयू न बने जब तक उनको कनैक ान न मिल जाये ?

श्री बनारसी दास गुप्तः ऐसा किया जाना संभव नही है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः स्पीकर साहब, जो सवाल मैंने पहले पूछा था, भाायद वह समझ नही सके। टैस्ट रिपोर्ट तो उस वक्त दी जाती है`जब कोठा बनाकर और मोटर लगाकर कनैक ान लेने के लिये सब कुछ तैयार हो जाता है। इतना कुछ खर्च करने के बाद जमींदार सालों तक कुनैक ान के लिये इंतजार करे, यह

ठीक नही लगता। क्या मंत्री महोदय इस बात पर चिार करेंगे कि टैस्ट रिपोर्ट आप उस वक्त मांगे जब उनको कुनैक ान देने के लिये कही से बिजली उपलब्ध हो सके ?

श्री बनारसी दास गुप्तः जैसे मेंने अभी निवेदन किया है, हजारो एप्लीके ान्ज सालो से हमारे पास पैडिंग है ही नही। मैंने पहले भी यह बताया है कि हमारे पास सारी स्टेट मे 6 महीने से अधिक पुरानी टैस्ट रिपोर्टस केवल 1322 है। सालो तक टैस्ट रिपोर्टस पैंडिंग पड़ी रहती हो, ऐसी कोई बात बात नही है।..... (व्यवधान).....

मुख्य मंत्री (चौधरी बंसी लाल): स्पीकर साहब, इसके अलावा जो टैस्ट रिपोर्ट है, वह डिपार्टमैंट मांगता नही है। जो जमींदार अपने कुएं पर मोटर लगाता है वह तो खुद देकर जाता है।

श्री ओम प्रका ा गर्गः स्पीकर साहब, जैसे कि कल मिनिस्टर साहब ने बताया था, अगर ऐसा कर दे कि कोई भी जमींदार जिसको टैस्ट रिपोर्ट आ चुकी है, अपना मैटीरियल ले जाये और उस को जल्दी से जल्दी कुनैक ान दे दिया जाये तो सारी की सारी एप्लीके ान्ज डिस्पोज आफ हो सकती है ?

श्री बनारसी दास गुप्तः अध्यक्ष महोदय, कल मैंने एक प्र नके उत्तर मे यह निवेदन किया था कि जो भी टयूबवैल का मालिक टैस्ट रिपोर्ट के साथ ही जो जरूरी सामान है वह खरीद

लाये और वह स्टेन्डर्ड का हो और उस सामान का रेट भी वह हो जो फिक्स किया हुआ है तो हम उसको कुनैक ान देने मे प्रायरिटी देंगे।

श्री ओम प्रका ा गर्ग: क्या उसके पैसे बिलों मे ऐडजस्ट करेंगे ?

श्री बनारसी दास गुप्त: जी हां, उसके पैसे बिलों मे ऐडजस्ट करेंगे।

श्री गौरी भांकर: मिनिस्टर साहब, ने अभी यह बताया है कि कोई जमींदार सामान खरीद लायें तो उसको प्रायरीटी देंगे। मैं यह समझता हूं कि सामान खरीदने की बजाये अगरवह आपके महकमे के पास पैसे जमा करवा दे ताकि आपका महकमा ठीक सामाद खरीद सके तो ज्यादा अच्छा रहेगा ?

श्री बनारसी दास गुप्त: अध्यक्ष महोदय, केवल पैसे की दिक्कत नही है। यह ठीक है कि वैसे फन्डज की भी कमी है लेकिन इतनी ज्यादा दिक्कत पैसे की नही जितनी दिक्कत सामान न मिलने की है।

चौधरी राम लाल वधवा: क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगें कि जो कुनैक ान दिये जाते है, उसमे इस बात को भी ध्यान मे रखा जाता है कि बिजली पूरी अवेलेबल है या नही है ? मेरा ख्याल है कि कुनैक ान सिर्फ ऐप्लीके ान की बिना पर नही दिया जाना चाहिए। क्या सरकार बिजली की अवेलेबिलटी

को ध्यान मे रखकर यह निि चत करती हे कि इस साल मे इतनी बिजली अवेलेबल है इसलिये इतने कुनैक ानज दिये जाये ?

श्री बनारसी दास गुप्तः अध्यक्ष महोदय जितनी हमारे पास बिजली है, उसे इक्वली बांटकर दे देंगे। किसी को deprive हम क्यों करें ?

Deputy Commissioners and I.A.S. Officers

***1242. Ch. Chand Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any Deputy Commissioner belonging to the Scheduled castes posted in any district of the State; and

(b) the number of I.A.S. officers in theState, and the number amongs them of them of those belonging to Scheduled Castes?

Chief Minister (Ch. Bansi Lal):

(a) No.

(b) The total number of I.A.S. officers at present borne on the State cadre is 105 and the number of officers belonging to Scheduled castes amongst them is 12. Of these the number of officers in the employ of the State and its Corporations etc. is 86 which includes 11 officers belonging to the Scheduled Castes.

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगें कि कि डिप्टी कमी नर लगाने के लिये सरकार किस ढंग से सोचती है?

चौधरी बंसी लाल : जिस आदमी को ठीक समझा जाता है लगा दिया जाता है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगें कि हरियाणा सरकार ठीक या गल्त सोचती है या केन्द्रीय सरकार सोचती है ?

चौधरी बंसी लाल : आई.ए.एस. कैडर के मैंबर सैंटर अलाट करना हे हमारी कोई 'say' नही है लेकिन डिप्टी कमि नर, डिप्टी सेक्रेटरी या किसी और पोस्ट पर लगाने का काम हरियाणा सरकार का है।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगें कि 1968 से 1974 तक कितने हरिजन डिप्टी कमि नर लगे है ?

चौधरी बंसी लाल : यह फिगर तो मुझे याद नही है लेकिन कई डिप्टी कमि नर लगे है।

चौधरी चांद राम वर्माः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगें कि कि भौड्यूल्ड कास्टस आई.ए.एस. डिप्टी सैक्रेट्री कितने है ?

चौधरी बंसी लालः स्पीकर साहब, चौधरी चांद राम ने तो सिर्फ डिप्टी सैक्रेट्रीज के नाम ही पूछे है मैं सब ही का ब्यौरा बता देता हूं:

1	Sh. Kuttapan	Managing Director, Haryana Agro Industries
2	Sh. K.R. Punia	Registrar, Cooperative Societies.
3	Sh. Mohinder Singh Rathi	Deputy Secretray, Excise & Taxation,.
4	Sh. R.L. Sudhir	Managing Director, Haryana Financial Corporation.
5	Sh. Tarsem Lal	Director Consolidation & Records and Special Collector, Haryana.
6	Sh. T.D. Jogpal	Inquiry Officer Vigilence and also Jt. Excise & Taxation Commissioner, Haryana.

7	Sh. B.D. Dhalia	Registrar, Haryana Agricultural university.
8	Sh. Gian Chand	Joint Registrar, Cooperative Societies, Haryana.
9	Sh. Bhagwati Prashad	Sub Divisional Officer (C) Gohana and also Adminsitrator, Gohana Municipality
10	Sh. Chander Singh	Assistant Commissioner (Under Training) Jind.
11	Sh. Kartar Singh Goraya	Being allocated to Haryana amongst IAS Probationers (under training at the lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie).

स्पीकर साहब, इनमे से बहुत सी पोस्टे ऐसी है, कम से कम आठ पोस्टें है, which are much more important than the Deputy Commissioner's post.

चौधरी चांद रामः क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि अनुसूचित जाति के लोगों को डिप्टी कमि नर या डिप्टी सैक्रेटी या सैक्रेट्री क्यो नी लगया गया ?

चौधरी बंसी लालः मैंने कह कि डिप्टी कमि नर भी काफी लगाते रहे है ओर डिप्टी सैक्रेट्री भी इनमे बहुत है और सैक्रेट्र के रैंक की जब किसी की टर्न आयेगी तो उसको लगाया जायेगा। बगैर टर्न के जूनियर को नही लगाया जाता।

चौधरी पीर चंदः क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि 1975–76 मे किसी भौड्यूल्ड कास्ट की डिप्टी कमि नर लगाने की टर्न आने वाली है ?

चौधरी बंसी लालः डिप्टी कमि नर बाई रोटे ान नही लगाते।

चौधरी चांद रामः क्या मुख्य मंत्री महोदय इस बात को ध्यान मे रखते हुए कि कमजोर वर्ग है यह जरूरी नही समझते कि किसी न किसी जगह भौडयूल्ड कास्ट का डिप्टी कमि नर लगाया जाये ?

Ch. Bansi Lal: It is not necessry. For that all the DeputyCommissioners, which we have posted in the State, take care of the weaker sections.

चौधरी चांद रामः क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि भौड्यूल्ड कास्ट के सारे आफिसर्ज को क्यों लाईन लगाया हुआ है ? डिप्टी कमि नर लगाने.....

चौधरी बंसी लालः मेरी तरफ से तो ये अच्छी से अच्छी जगह लगाये हुये है। जैसे मिस्टर सुधीर मैंनेजिंग डायरैक्टर फाइनैि ायल कार्पोरे ान है। यहां हमे ाा कमि नर रैंक का आदमी रहा है। तीन चार जगह इनमे से ऐसी है, जिन पर हमे ाा कमि नर रैक के आदमी रहे है। मिस्टर सुधीर डी.सी.' भी कई साल रहा है। कुटप्पन भी डी.सी. रहाह ै, पुनिया भी डी.सी. रहा है। डी.सी. भी कई रहे है। ऐसी बात नही है कोई डी.सी. न रहा हो।

श्री अमर सिंहः मुख्य मंत्री महोदय ने 11 या 12 भौडयूल्ड कास्ट के आई.ए.एस आफिसर्ज के नाम बताए है। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कि इनमे वाल्मीकि या धानक कितने है ?

चौधरी बंसी लालः मेरे ख्याल मे एक भी नही है। अलबताा सकी बात को मुझे पता नही है। जहां तक मेरी नोलेज है, एक भी नही है।

चौधरी चांद रामः क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि आई.ए.एस. का रिक्रूटमैंट कम्पीटी ान से थ्रू पब्लिक सर्विस कमी ान होता है ?

चौधरी बंसी लालः यह तो पूछने की जरूरत ही नही है। सभी जानते है कि आई.ए.एस. बाई कम्पीटी ान आते है।

B.K. Hospital Faridabad

***1104. Sh. K.N. Gulati:** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the total number of beds provided in the B.K. Hospital Faridabad at present;

(b) whether the present building of the said Hospital is sufficient to accommodate the present number of beds; and

(c) if not, the time by which this building is likely to be extended accordcing to its bedded strength?

गृह एंव स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्रीमती भारदा रानी):

(क) 200 बिस्तर

(ख) हां।

(ग) प्र न नही उठता।

श्री के.एन. गुलाटीः क्या मंत्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि गुड़गांव के अस्पताल मे कितने बैडज है ?

श्रीमती भाारदा रानीः दो सौ बिस्तर है।

श्री के.एन. गुलाटीः क्या मंत्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि गुड़गांव के अस्पताल मे 200 बैडज के मुकाबले मे बी. के. अस्पताल मे 200 बैडज की बिल्डिंग क्या कम नही है ?

श्रीमती भाारदा रानीः अध्यक्ष महोदय, बी.के. अस्पताल और गुड़गांव का कोइ मुकाबला नही है। फरीदाबाद गुड़गांव का हिस्सा हैं। गुड़गांव पूराजिला है जहां पहले 50 बैडज का अस्पताल था और बहुत ही बुरी कंडी ान मे था, जहां एक चारपाई भी आराम से नही डाली जा सकती थी, अब वहां पर 200 बिस्तरों का अस्पताल बनाया गया है, जिसके लिये नई बिन्डिंग बनाई गई है। वैसे गुलाटी साहब बहुत ि ाकायत करते है कि फरीदाबाद मे कुछ नही है। मैं फरीदाबाद के सारे मे बताती हूं कि यहां क्या क्या है। अध्यक्ष महोदय, बल्लभगढ़ मे एक अस्पताल है जो साठ बिस्तरों का है ओर वह आल इंडिया मैडिकल इंस्टीच्यूट कोलैबोरे ान मे चल रहा है। वह, यद्यपि इनके क्षेत्र मे नही है, परन्तु फरीदाबाद काम्पलैक्स मे है। इसके अतिरिक्त एक एलोपैथिक सैक्टर सात मे हे और एक ऐलोपैथिक डिस्पैंसरी ओल्ड फरीदाबाद मे है। इसके अलावा वहां एक ई.एस.आई. का अस्पताल है, जो 92 बिस्तर का है, लेकिन जहां 100 बिस्तर का स्टाफ दिया हुआ है। वहां परमैडीसन,सर्जरी, गैनलोजी, ऐनीथीसिया, रेडियोलोजी, पेथोलोजी का इंतजाम है। इसके अतिरिक्त 9 ई.एस.आई की डिसपैंसरीज है।

फिर भी गुलाटी साहब परे ाान रहते है कि फरीदाबाद मे कुछ नही है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः अभी मंत्री महोदया ने बताया है कि गुड़गांव के अस्पताल की कंडी ान बहुत खराब थी और चारपाई डालने की जगह भी बहुत कम थी। क्या मंत्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि अब से पहल वहां एक एक चारपाई पर दो दो मरीज रखे जाते थे ? (हंसी)

मुख्य मंत्री (चौधरी बंसी लाल): एक चारपाई पर वर्मा जी और चौधरी रामलाल रखे जाते थे (हंसी)।

श्रीमती भाारदा रानीः वहा 50 बिस्तरों का अस्पताल था और 50 ही मरीज रखे जाते थे।

श्री के.एन. गुलाटीः क्या मंत्री महोदय के इल्म मे हे कि फरीदाबाद की आबादी सबसे ज्यादा है और वह लेबर एरिया है। मुझे मालूम है कि बी.के. अस्पताल मे 200 बैडज रखे गये है लेकिन क्या वह बिल्डिंग दो सौ बैडज के लिये नाकाफी नही है ?

श्रीमती भाारदा रानीः अध्यक्ष महोदय, बिल्डिंग छारेटी होती तो दो सौ बिस्तरें कैसे आ सकते थे। दो सौ बिल्डिंग है, तभी इतने का इंतजाम है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः गुलाटील साहब ि ाकायत करते है कि फरीदाबाद मे मच्छर बहुत ज्यादा है जिसकी वजह से

वे बिमार हो जाते है। अगर उन मच्छरों को मरवा दिया जाये तो बीमारी भी नही फैलेगी और अस्पताल की आव यकता नही रहेगी।

श्रीमती भाारदा रानीः गुलाटी साहब मरने ही नही देते। (हंसी)

चौधरी पीर चंदः क्या मंत्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि हसनगढ़ मे जहां पर बिल्डिंग बनी हुई है डिसपैंसरी खोलने के लिये चिार करेंगी ?

श्रीमती भाारदा रानीः वहां की कंडी ान को देखकर विचार कर लेंगे। वैसे यह प्र न फरीदाबादऔर वह भी बी.के. अस्पताल के बारे मे है।

Earth Work on Roads in Bawani Khera Constituency.

***1183.. Shri Amar Singh:** will the Minister for Revenue be pleased to state whether there is any rpposal under consideration of the Government to state earth work on the following roads to provide employment to the famine stricken people in Bawani Khera constituency in Bhiwani District—

1. Shiarwa to Guranpur;

2. Badon Rangran to Kanwari;

3. Nalwa to Atera;

4. Ratera to Tosham;

5. Rohnat to jmelpur;

6. Jamelpur to Bawani Khera;Bhuriana to Bhwani khera;

7. Baliali to Sui;

8. Paposa to Jamelpir; and

9. Dhamana to Tosham Via Ratera?

Revenue Minister (Pandit Chiranji Lal Sharm): No All of these roads are duplicate links, the constiructionof which is not being taken up at present.

श्री अमर सिंह: अध्यक्ष महोदया, अभी मिनिस्टर साहब ने अपने जवाब मे 'नो' कहा है। कई गांव अकाल ग्रस्त घोशित कर दिये है और वे सब अकाल के मुंह मे है और वहां पर लोगों के लिये कोई रोजगार नही है। क्या मिनिस्टर साहब यह बतलाने की कृपा करेंगे कि इन सब चीजों को देखते हुए ऐसी गजहों पर कोई अर्थ वर्क भाुरू करवाया जायेगा, जिससे लोगो को राहत मिल सके ?

पंडित चिरंजी लाल भार्मा: स्पीकर साहब, भिवानी व बवानी खोड़ा के अन्दर 121 रोडज जो है, वे फैमिन रिलीफ के अन्डर है, जिन मे से 26 रोड़ज पर काम चालू है। मीठाथल एप्रोच रोड़ और सिवाना यह दो रोड़ज जोकि चौधरी अमर सिंह जी के इलाके की है, वहां पर काम चालू है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि यह जो छोटी छोटी लिंक्स है, जिन से बहुत सारे लोगों को रोजगार मिल सकता है, क्या वहां पर थोड़ा बहुत काम भाुरू करवाने की सरकार की कोई तजवीज है ?

पंडित चिरंजी लाल भार्माः अध्यक्ष महोदय, सोलिंग हुआ पड़ा हो, कल्वर्टस हो, कम्पलीट मैटीरियल हो और स्टोन मैटीरियल पड़ा हुआ हो, फिर पार्ट मैटीरियल पड़ा हुआ हो, मिसिंग लिंक्स हो, इस तरह की प्रायरिटीज है, जिनके हिसाब से हम काम करते है।

चौधरी फूल सिंह कटारियाः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि रोहतक डिस्ट्रिक्ट के अन्दर झज्जर तहसील की सब तहसील नाहड़ मे किन किन सड़कों पर काम चालू है ?

पंडित चिरंजी लाल भार्माः स्पीकर साहब, रोहतक डिस्ट्रिक्ट मे ददनपुर से किरलोद, लाडपुर से ककरोला वाया करनोला, झज्जर गुड़गांव रोड से विलेज कुरानी और झज्जर बादली रोड़ सें फैजाबाद, इन चार सड़कों पर काम चालू है।

राव बंसी सिंहः क्या मंत्री महोदय बताने का कश्ट करेंगे कि महेन्दगढ़ डिस्ट्रिक्ट मे किन किन रोड़ज पर काम हो रहा है ?

पंडित चिरंजी लाल भार्माः स्पीकर साहब, महेन्द्रगढ़ डिस्ट्रिक्ट मे कुल 5 मेजर रोड़ज पर काम हो रहा है और 38

रोड़ज जो है, वे फैमिल रिलीफ के अंडर ली है। अगर आनरेबल मैंबर चाहे तो मैं उनके नाम बता सकता हूं।

राव बंसी सिंहः क्या मंत्री महोदय रोड़ज के नाम वहसील वाइज बताने का कश्ट करेंगे ?

पंडित चिरंजी लाल भार्माः डिस्ट्रिक्ट वाई नाम मेरे पास है। तहसील वाईज मेरे पास नाम नही है। इसके लिये मेंबर साहब अलग से नोटिस दे दे, हम बता देंगे।

चौधरी चांद रामः क्या मंत्री साहब यह बतायेंगे कि अकाल पीड़ित इलाकों मे जो दुर्भिक्ष पीड़ित लोग है, उनके लिये सरकार ने कोर्ठ सहायता का प्रबंध किया हुआ है ?

पंडित चिरंजी लाल भार्माः स्पीकर साहब, सारे महेन्द्रगढ़ डिस्ट्रिक्ट मे, सारे भिवानी डिस्ट्रिक्ट मे और झज्जर और रोहतक तहसील के एक हिस्से आदि मे जहां पर यह ड्राट एरियाज है वहां पूरे इलाके मे फैमिन रिलीफ दिया जाता है।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, अभी इन्होंने कह कि बवानी खेड़ा मे दो सड़कों मीठाथल और कूंगर सिवानापर काम चाजू है। लेकिन मेरी सूचना के मुताबिक इन गावों मे कोई काम नही है और न ही वहां पर कोई अर्थ वर्क है। क्या आनरेबल मिनिस्टर साहब यह फरमायेंगे कि इन इलाकों मे कुछ रिलीफ देने का सरकार का वियार है या कोइ काम भाुरू करवाया जा रहा है ?

पंडित चिरंजी लाल भार्माः मैंने पहले भी अर्ज किया है कि जिन इलाकों मे ऐसी रोड़ज है, उनके अन्दर काम भ्रारू किया जा रहा है।

चौधरी पीर चंदः हिसर मे 40 मील का एरिया कहत का एरिया डिक्लेयर किया हुआ है। क्या सरकार की ओर से वहां पर कोई काम भ्रारू है ? अगर है, तो कौन कौन सी सड़कों के ऊपर काम भ्रारू है और वहां पर कितने लोग काम कर रहे है ?

पंडित चिरंजी लाल भार्माः इस वक्त 16 रोड़ज पर काम चालू है। सोलिंग का काम दो सडकों पर कम्पलीट हो चुका है जोकि हिसार से 7 किलोमीटर पर है और 400 के करीब आदमी वहां पर काम कर रहे है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः अध्यक्ष महोदय, इस वक्त सूखे का असर सारे हरियाणा मे है और कुछ इलाकों मे राहत का काम भी चल रहा है ? क्या नीलो खेड़ी के हल्का मे भी सहायता कार्य आरम्भ करेंगे ताकि लोगो को राहत मिल सके ?

पंडित चिरंजी लाल भार्माः नीलोखेड़ी का एरिया इस कैटेगरी मे फाल नही करता।

चौधरी चांद रामः जो सड़को के नाम चौधरी अमर सिंह के सवाल मे दिये गये है, क्या इन इलाकों मे कोई दुर्भिक्ष से

पीड़ित लोग है या नही ? अगर है, तो उन इलाको मे काम क्यों नही भुरू किया गया ओर नही किया गया, तो कब तक वहां पर काम भुरू करवा दिया जायेगा ?

पंडित चिरंजी लाल भार्मा: जिन ड्राट हिट एरियाज मे आगे सड़के है, वहां दूसरी सड़कें बनाने की गवर्नमैंट की कोई पालिसी नही है, वहां पर नहरों आदि का काम चालू है।

Persons Arrested under Section 107, 151, 148, 149 and 506 I.P.C.

***1214. Ch. Ram Lal Wadhwa:** Will the Minister for Home be pleased to state—

(a) lthe district wise total number of persons arrested under section 107, 151, 148, 149 and 506 I.P.C. inthe State during the period from April, 1968 to date separately; and

(b) the district wise total number of persons convicted, acquitted and let off out of those referred to in part (a) above separately?

गृह एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्रीमती भाारदा रानी): (क) और (ख) विधान सभा प्र न से संबंधित अपेक्षित सूचना का विवरण सदन मे प्रस्तुत है।

विवरण

(क) 1.4.68 से आज तक (30.12.74) की अवधि मे निम्न धाराओं के अधीन गिरफ्तार किये गये व्यक्तियों की कुल संख्याः—

जिला	धारा 107/151 द.वि.सा.	धारा 148/149 भा.द.सा.	धारा 506 भा. द. सा.
करनाल	23738	169	110
रोहतक	19961	1566	173
हिसार	27412	117	1942
गुड़गांव	17459	585	351
जींद	12234	604	53
नारनौल	7243	273	80
भिवानी	9369	116	113
सोनीपत	3573	147	71
अम्बाला	10359	232	252
कुरूक्षेत्र	11949	147	283
जोड़	143297	3956	2978

(ख)

'क' भाग मे दिखाए गए व्यक्तियो मे से सजायाब अथवा पाबन्द किए गए व्यक्तियों की संख्या	'क' भाग मे दिखाए गए व्यक्तियो मे से बरी किए गए व्यक्तियों की संख्या

जिला	धारा 107 / 151 द.वि.स.	धारा 148 / 149 भा.द.सा.	धारा 506 भा. द. सा.	धारा 107 / 151 द.वि.स.	धारा 148 / 149 भा.द.सा.	धारा 506 भा. द. सा.
करनाल	1371	—	12	21338	56	51
रोहतक	3282	397	44	16250	1030	82
हिसार	3007	28	187	21068	76	872
गुड़गांव	1442	47	40	14700	354	140
जींद	2116	51	7	6294	310	19
नारनौल	588	24	7	6655	97	39
भिवानी	722	23	27	7305	70	40

सोनीपत	382	—	1	2038	3	—
अम्बाला	1090	14	10	9240	145	168
कुरूक्षेत्र	716	4	28	9892	78	109
जोड़	13762	588	369	114780	2219	1520

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय मंत्री महोदया ने अपने जवाब मे बताया कि 1.4.68 से 30.12.74 तक 107, 151 के अन्डर 143297 आदमी पकड़े गसे अरधी 148, 149 दफा के अंडर 3956 व 506 दफा के अधीन 2978 आदमी गिरफ्तार किये गये है। क्या मंत्री महोदया यह बताने की कृपा करेंगे कि इन मे पालिटिकल क्षेत्र मे कितने और दूसरे गवर्नमैंट कितने है ?

श्रीमती भारदा रानीः अध्यक्ष महोदय, वह अलग अलग नही निकाले गये है, क्योंकि सभी मुजरिम समझ कर पकड़े गये है।

चौधरी पीर चंदः क्या सरकार के पास कोई ऐसी इन्फर्मे ान है कि मूल चंदराम के एक व्यक्ति को 26 नवम्बर को करनाल मे गिरफ्तार किया गया और 27 नवम्बर को उसकी गिरफ्तारी दिखाई गई है ? इसके क्या कारण है ?

श्रीमती भारदा रानीः अध्यक्ष महोदय, हमारे रिकार्ड मे जिस दिन गिरफ्तारी हुई है, उसी दिन कहा गया है।

चौधरी चांद रामः इस बारे मे मेरे पास कामरेड़ राम प्यारा का पत्र है।

मुख्य मंत्री (चौधरी बंसी लाल): किस अच्छे आदमी का नाम लें दिया ?

चौधरी चांद रामः चौधरी साहब, जहां पर हम बैठे है, वह इस हाउस के सदस्य रहे है।

चौधरी बंसी लालः रहा होगा, पागल हो गया है।

चौधरी चांद रामः जिस आदमी ने आजादी के लिये कुरबानियां की हो, उसे आप पागल कहते हो ?

चौधरी बंसी लालः सारी उमर अच्छा रहा होगा, बुढ़ापे मे पागल हो जाये तो कोई क्या करे ?

चौधरी चांद रामः बुढ़ापा तो आप पर भी आयेगा चौधरी साहब।

Mr. Speaker: Please don't try to indulge in such things.

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय को मालूम है कि 26.11.74 को करनाल मे 78 आदमी गिरफ्तार किये गये और

उनकी गिरफ्तारी की तारीख 27.11.74 दिखाई गई है ? क्या यह फैक्टस है ?

गृह मंत्री (श्री के.एल. पोसवाल): बात तो यह है स्पीकर साहब, आप आनरेबल मैंबर साहब को क्वै चन पढ़वा दीजिए, उसमे लिखा है 'the district wise total number of persons arrested' इससे यह क्वै चन कैसे पैदा होता है ?

चौधरी बंसी लाल: स्पीकर साहब, जब यह सब जडिस है, तो अदालत देखेगी। अगर वह बेबुनियाद, बेगुनाह पकड़े गये है, तो अदालत रिहा कर देगी। स्पीकर साहब, अगर किसी ने कम्पलेंट की हो, और अगर हमारे किसी अफसर की ज्यादती की हुई मिली हो तो उसे हम जरूर सजा देंगे।

चौधरी राम लाल वधवा: मंत्री महोदय ने अभी 107/151, 148/149 और 506 आई.पी.सी. के अंडर अरैस्ट किये हुए आदमियो की जो संख्या बताई है, उसमे बताया है कि 143297 जो 107/151 के तहत अरैस्ट हुए, उनमे से 13762 क्नायिक्ट या बाउंड डाउन हुए और 114780 जो है, वे एक्यूट हुए और इसी तहत 148/149 के तहत 3956 मे से 588 कनविक्ट या आउंड डाउन हुए और 2219 एक्टिव हुए और 506 के तहत 2978 मे से 369 कनविक्ट या आउंड डाउन किये हुये और 1520 एक्विट हुए। तो क्या इससे जहा जाहिर नही होगा कि सरकार अंधा धुंध अन्याय करके लोगो को पकड़ती है ?

Mr. Speaker: It is a question but an expressionof opinion. You please put a direct supplementary question.

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय बतायेंगी कि 1973–94 मे 107/151 के कितने केसिज हाई कोर्ट मे गये और वहां से ये आर्डर क्वै ा हुए ?

श्री के.एल. पोसवालः इसके लिये सैपरेट नोटिस चाहिए।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय बतायेंगी कि 1973–74 और 1974–75 मे 107/151 के तहत कितने कितने आदमी पकड़े गए थे, 19431 बाउंड डाउन और 3861 का केस अभी चल रहा है।

श्रीमती भाारदा रानीः 1973–74 मे 25398 आदमी 107/151 के तहत पकड़े गये थे उनमे से 2106 डिस्चार्ज कर दिये गये थे, 19431 बाउंड डाउन और 3861 के केस अभी चल रहा है।

श्री के.एल. गुलाटीः स्पीकर साहब, इस दफ की हियरिंग जो है, वह एस.डीएम. के पास होती है और एस.डी.एम. के पास एस.डी.ओ. सिविल का भी काम होता है, जिसकी वजह से उसके पास वर्क लोड ज्यादा हो जाता है। तो क्या मिनिस्टर साहब बतायेंगे कि एस.डी.ओ. सिविल और एस.डी.एम. की पोस्ट अलग अलग करने का विचार है ?

श्रीमती भारदा रानीः ऐसी कोई बात अभी विचाराधीन नही है।

चौधरी चांद रामः क्या मंत्री महोदय के अल्म है कि जो 107/151 के तहत गिरफ्तार हेाते है उनकी जमानत के लिये एस. डी.ओ. जरली इनकार कर देता है कि पहले तहसीलदार से वैरीफिके ान कर लाओ, अगर है, तो इसका क्या कारण है ?

श्रीमती भारदा रानीः यह तो जुडि ायरी का मामला है।

चौधरी चांद रामः क्या मंत्री महोदय को पता है कि नरवाना तहसील मे 7 आदमी गिरफ्तार हुए जिनकारपता तक हनी चला। क्या इसका पता किया जायेगा ?

Mr. Speaker: Order please. It is not a supplementary. How can this be a suppl;ementary to the question, you just imagine yourself?

तारांकित प्र न संख्या 1142

यह प्र न पूछ नही गया क्येांकि इस समय माननीय सदस्य सदन मे उपस्थित नही थे।

Bride and bridegroom Detained in Plice Station Kanina

***1173. Rao Dalip Singh:** Will the Minister for Home be pleased to state—

a) whether it is in the notice of the Government that a bride and a bridegroom while returining after marriage from village Rampura, District Mohindergarh by a car were taken to Police Station Kanini on 11-12-1974 in the evening; and

b) whether it is a fact that the car and its driver were detained int he Police Custody, it so, the reasons for their detention?

ि ाक्षा एंव परिवहन राज्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी):

(क) जी नही।

(ख) एक कार को मोटर वहिकल एक्ट तथा इसके तहत बनाये गये रूल्ज के प्रोविज्न्ज की उलंघना के कारण कानूनी तौर पर पुलिस की सुपरदगी मे रखा गया थां चालक को पूलिस हिरासत मे नही लिया गया था।

राव दलीप सिंहः क्या मंत्री महोदया बतायेंगी कि कौन से रूल की वायलेंस की गई थी कि वह गाड़ी पकड़ी गई ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः वह जो गाड़ी थी, वह एक प्राइवेट गाड़ी थी, और उसको टैक्सी के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा था। पुलिस ने उसे रोकने की कोि ा ा की, लेकिन वह नी रूकी। तीन मील तक पुलिस ने उसका पीछा करके उसको पकड़ा।

राव दलीप सिंहः क्या मंत्री महोदया बतायेंगी कि इस गाड़ी के अंदर जो दुल्हा दुल्हन थे, क्या उनको भी जेल मे रखा गया ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः ऐसी कोई बात नही हुई। सवारियां तो कनीना मे ही उतर गई थी, और सिर्फ गाड़ी को ही ले जाया गया था।

Canals water for Agriculture Purposes

***1205. Ch. Shiv Ram Verma:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

a) the quanitity of water available int he canals in the State for agricultural purposes at present;

b) the quanitity of canal water required for agricultural purposes at present together with the quantity of water being supplied for this purpose; and

c) the measures adopted to meet the shortage of water and the time by which full suply of water is expected to be made?

State Minister for Irrigation and Power (Sardar Harmohindr Singh Chatta):

a) The quantity of water available in the canals in the State for agricultural purposes at present (as on 1-1-75) is as under—

(i) Western Jamuna Canal 2253 Cusecs

(ii) Bhakra Canal 2961 Cusecs

(iii) Gurgaon Canal 300 Cusecs

b) The quanitiy of canal water required for agricultural purposes at present (for month of January) togetherwith the quanitity of water being supplied for this purose is—

	Quantity of water required	Quantity of water supplied (1-1-75)
(i) Western Jamuna Canal	4550 Cs.	2253 Cs.
ii) Bhakra Canal	4189 Cs.	2961 Cs.
ii) Gurgaon Canal	420 Cs.	300 Cs.

c) measures adopted to meet the existing shortage are—

(i) Conservation of water though lining of canals.

(ii) Utilisation of ground through augmentation tubewells.

(iii) Participationh in the constructionof Beas Project.

The time by which full supplies of water wuould be available cannot be indicated at present.

चौधरी चांद रामः क्या मंत्री महोदय की नोलेज मे हे कि पानी को बढ़ाने का जो बैस्ट तरीका है, वह सिर्फ सही है कि हमारी छोटी या बड़ी नदियां बहती है, जैसे घग्गर है, मारकंडा है,

या जमुना है, उनके ऊपर बांध बनाए जाये, क्या ऐसी कोइ तजवीज है ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः घग्गर के बारे मे पहली बात तो यह है कि वह इंटर स्टेट नदी है और दूसरे इस पर बांध बनाने के लिये 30–40 करोड़ रूपया चाहिए। जो छोटी छोटी नदियां चलती है, हम उनको कनवर्ट कर रहे है। पिछले दिनों सी. एम. साहब ने भी हुक्म दिया था कि स्टेट की प्लान बनाओ, जो छोटी छोटी नदियां चलती है, उनको कनवर्ट करो, ताकि जो पानी जमुना की तरफ बहता है, उसको ज्यादा से ज्यदा मोड़ा जाये। यह कोि ा ा हम कर रहे है।

मलिक सतराम दास बतराः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि जो 26 स्परिकंलिंगपम्प आपने इम्पोर्ट किये है, नको कौन से बैंक मे लगाएंगे या उन्हे कौन सी कृशि परियोजना मे लगा रहे है ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः स्पीकर साहब, यह सवाल अवेलेबिलिटी आफ वाटर का है। इस सप्लीमैंटरी का इससे ताल्लुक नही है।

चौधरी चांद रामः स्पीकर साहब, मैंने घग्गर के बारे मे पूछा था?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः स्पीकर साहब मैंने अभी बताया कि वह इंटर स्टेट नदी है।

Chef Minister (Ch. Bansi Lal): that is under consideration of the Government of India.

चौधरी बृज लालः क्या मंत्री महोदय की नालेज मे यह बात है कि मतेरे हल्के मे 10–15 गांव ऐसे है जहां पर पीने का पानी है और मौजगत मे एक नहर निकाली जानी थी ? सी.एस. साहब और चीफ इंजीनियर भी वहां गये थे और सी.एस. साहब ने कहा था यह नहर जरूर बनेगी। तो मैं जानना चाहता हूं कि वह कब तक बनेगी ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः अगर सी.एम. साहब कह कर आये थे, तो जरूर बनेगी।

चौधरी ि ाव राम वर्माः मंत्री महोदय ने अभी बताया कि सरकार जितने पाली की लगभग जरूरत समझती है उतना मिल रहा है। मेरा ख्याल है कि उसे आधा या उससे भी कम मिल रहा है। तो यह पानी कब तक पूरा मिलेगा, क्योंकि खेती का नुक्सान हो रहा है ? सरकार इसके बारे मे जल्दी क्यों नही सोच रही है ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः स्पीकर साहब, जितनायह सरकार सोच रही है उतना वह सरकार आठ महीने तक सोई रही है। (हंसी)

श्री प्रेम सुख दासः ओटू लेक मे सिल्टिंग बहुत ज्यादा हो गई है, क्याउसकी डिसिल्टिंग करवाने की कोि ा ा करेंगे ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः जरूर, यह विचार मे है।

Reservasiton in Class I and II Posts

***1243. Ch. Chand Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state—

a) whether the Haryana Government has received any orders from the Government of India regarding reservation inpromotions in Class I and II posts for members of the Scheduled Castes and backward Classes, if so, a copy thereof, be laid on the Table of the House; and

b) the action, if any, taken thereon?

Chief Minister (Ch. Bansi Lal):

a) No.

b) The question does not arise.

चौधरी चांद रामः क्या कभी मुख्य मंत्री जी ने हाउस मे यह आ वासन दिलाया था कि भौडयूल्ड कास्ट के लिये प्रमो ान मे रिजर्वे ान की जायेगी ?

चौधरी बंसी लालः मुझे याद नही, अगर आ वासन दिया गया होगा, तो वह हाउस मे रिकार्ड पर होगा।

चौधरी चांद रामः मुख्य मंत्री जी ने 'नो' मे जवाब दिया है, क्या उनके पास सुप्रीम कोर्ट का डिसीजन आया है या नही ?

श्री अध्यक्षः यह जो उन्होंने 'नो' मे जवाब दिया है, वह सैन्ट्रल गवर्नमैंट की इंस्ट्रक ान्ज के बरे मे है।

चौधरी चांद रामः क्या अगर उनको इंस्ट्रक ान्ज की कापी सप्लाई की जाये, तो विचार करेंगे ?

चौधरी बंसी लालः वह भी जब आएगी, देख लेंगे कि क्या करेंगे। (हंसी)

वर्श 1975–76 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अमर सिंह (बवानी खेड़ा अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, मैं यहां सदन मे परसो अर्ज कर रहा था बजट पर बोलते हुए कि हमारा दे ा देहातों का दे ा है, किसानों का दे ा है, और यह कृशि प्रधान दे ा है और हमारा यह प्रदे ा इस दे ा मे खेती प्रधान है। इसके अन्दर 80 फीसदी लोग देहात मे रहते है और 80 फीसदी का दारोमदार खेती पर है । इस बारे मे मैं आपका ध्यान ग्रो मोर फूड इनक्वायरी कमेटी की रिपोर्ट की तरफ दिलाना चाहता हूं और उस रिपोर्ट की चार पांच लाईने पढ़ कर सुनाना चाहता हूं। वे है:–

"Human probiem facing India as WelfareState—India, as a Welfare State is thus facing one of the world's most difficult human problems. For, the betterment of rural life eighty per cent of the population of Inida lives in villages is essentially a human problem. This is the termendous task of creating among sixty million families living in villages "a burning desire to change their old time outlook and arouse

enthusiasm in them for new knowledge and new ways of life" a will to live better"----------On the economic side, the basic fact is the enormous volume of unemplyment and dispuised unemployment that exists in agriculture owing to the pressure of a steadily increasing populationon the soil. The facts realating to this are well known but will bear restatemnet. Owing to seasonal conditions, work in agriculture in possible only for portion of the year."

तो आप देखे कि हमारे दे ा की मेजर पापुले ानजो देहात मे रहती है, उसके रोजगार की क्या हालत है? देहात मे किसान को साल मे तीन महीने ही काम करने को मिलता है और बाकी 9 महीने वह खुद भी बेकार रहता है और जब वह बेकार होता है तो जिन लोगों का सारा दारोमदार किसान पर है, खेती पर है और खेतो मे मजदूरी करके रोटी कमाने से जिनका गुजाराचलता है, वह तो बेकार खुदबखुद ही हो गये। मेरे कहने का मतलब यह है कि देहात को सुधारने के लिये और किसान को प्रोत्साहन देने के लिये जरूरी है कि किसान को प्रोत्साहन देने के लिये जरूरी है कि किसान को ज्यादा पानी मिले और पानी के साथ साथ दूसरी सुविधाएं जो पैदावार बढ़ाने के लिये जरूरी होती है दी जाये। यह मैं मानता हूं कि किसान की हालत कुछ सुधरनी है और उसे काफी सुविधायें देने का प्रयत्न किया गया है। आज से 20—25 साल पहले मुझे अच्छी तरह याद है कि किसान की यह हालत थी कि किसान की दो सालों की कमाई हर साल गांव के सेठ साहूकार के हवाले हो जाती थी। उस मे अब तबदीली आई

है। तो मैं अर्ज करना चाहता हूं कि हमारा किसान अनथक मेहनत करने वाला है, उसको अगर साधन जुटा दिये जाये तो वह अपने पांव पर खड़ा हो सकता है और पैदावार के लिहाज से दे ा को आगे ले जा सकता है। यह ठीक हे कि हरियाणा मे किसान को पैदावार बढ़ाने के लिये साधन जुटाने की काफी कोि ा ा की गई है। जहां तक पानी इरीगे ान के लिये देने की बात है, उस बारे मे मैं हरियाणा, 1973 की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं। इस मै लिखा है:—

"Water is the prime requisite of farming. The higher priority has, accordinhgly, been given for increasing irrigation though major and minor irrigation warks. The number of tubewells and umping sets which stood at a little over one lakh at the end of 1970-71 is expected to be 1.38 lakh by the end of the current year."

इस हाउस मे काफी आंकड़े दोनों तरफ से पे ा किये गये है और हमारे एक साथी ने उन को कुछ को चैलैंज भी किया है लेकिन मैं कहता हं कि प्रत्यक्ष को प्रमाण क्या, हाथ और प्लान पर 9 लाख 70 हजार रूपया रखा था। इस साल इसको अधिक बढाया है। इसी तरह नैवीगे ान और ड्रैनेज पर भी पैसा बढ़ाया है। बजट वाल्यूम 2 के पेज 25 पर नान ल्पाल स्कीम के तहत जिसमे फलड कंट्रोल, नैवीगे ान और ड्रैनेज आती है, 17 करोड़, 42 लाख, 39 हजार, 330 रूपया और प्लान के तहत 21 करोड़, 73 हजार 300 रूपया खर्च करने का फैसला किया है। मैं समझता

हूं कि यह सराहनीय कदम है क्योंकि पानी के बगैर पैदावार बढ़ नही सकती, इस बात को बहुत सारे भाई कहेंगे। स्पीकर साहब आपके जरिये सरकार से निवेदन करूंगा कि पानी के मसले पर विचार करने की आव यकता है। रीजनल इम्बैलेंसिज को खत्म करने का सरकार ने फैसला किया है लेकिन वह अभी तक कायम है। जिला महेन्द्रगढ़ और भिवानी के टिब्बे आसमान को छूते नजर आते है। मेरे कई भाई करनाल और कुरूक्षेत्र का मुकाबला भिवानी डिस्ट्रिक्ट से करते है। अगर कुरूक्षेत्र मे, करनाल मे बहुत अच्छी बारि ा हो और फसल लहलहा रही हो तो भिवानी म`उस वबत भी अकाल होता है क्योंकिउस इलाके मे कोई साधन नही है जिन के ऊपर वहां के लोग पैदावार करके निर्वाह कर सके। (घंटी) स्पीकर साहब, मैंने तो अभी भारू ही किया है मुि कल से पांच मिनट ही बोला हूं जुई लिफ्ट रीगे ान की लाईन 100 किलोमीटर लम्बी है और 7 गडी ानल पम्पिंग स्टे ान है। 1972–73 मे लगभग 44 हजार एकड़ जमीन को इस नहर ने पानी दिया है और ऐसे खोतो को पानी दिया है जहां अन्न पैदा ही नही होता था, टिब्बे मिलते थे। वह धरती ऐसी थी जिस मे पक्षी प्यासे मरते थे। ऐसे एरिये मे मे जुई लिफ्ट इरीगे ान से पानी मिलता है। इसी तरह इंदिरा गांध कैनाल है। बी.एन. चक्रवर्ती फीडर 135 मील लम्बी है, 8.75 करोड़ रूपये की लागत से बनी है और 1 लाख 93 हजार 800 एकड़ मे पानी देगी। इन नहरों के कम्पलीट होने के बाद भी मैं समझता हूं कि भिवानी और महेन्द्रगढ़ का इलाका कुरूक्षेत्र और करनाल के इलाके से 25 साल पीछे रहेगा क्योंकि

जब तक इनके टिब्बे वहां खत्म नही होंगे तब तक हम यह एक डिस्पैरिटी महसूस करेंगे। यहां के लोग बहुत अकालों का मुकाबला करते आये है। अब उनका हौसला बढ़ गया है, और समझते है कि कम से कम अपने पांवों पर खड़े हो सकेंगे, अपने बच्चों के लिये पैदावार कर सकेंगे। यह आंकड़ों की बात नही है, तारीफ की बात नही है, यह तो साक्षात बात है जो सरकार ने उस इलाके को सम्भालने के लिये पानी का इंतजाम किया है। इसके अलावा एग्रीकल्चर और इरीगे ान का आपस, मे बहुत अधिक संबंध है इसीलिये ये दोने महकमे एक ही मिनिस्टर के पास आयें है। इन दोंनो का तालमेल इतना अच्छा है ताकि किसान को पानी, बीज और दूसरी सुविधाएं एकदम मिले । इस तालमेल से किसान की पैदावार ज्यादा बढ़ सकती है। हरियाणा प्रान्त मे गेहूं की पैदावार 68 परसैंट से किसान की पैदावर ज्यादा बढ़ी है और चावल की पैदावार 86.7 परसैंट बढ़ी है। 1968 मे अब तक के मुकाबले मे। स्पीकर साहब, इलैक्ट्रिसिटी का हेाना आव यक है। एग्रीकल्चर के लिय इलैक्ट्रिसिटी ऐसा साधन है जिस के वगैर आज पैदावार नही बढ़ सकती। आठ साल पहले जब मैं ज्वायंट पंजाब मे एम.एल.ए. था उस वक्त हम तड़पते थे कि बिजली दो लेकिन दस दस हजार की आबादी वाले गांव मे बिजली उपलब्ध नही थी। लेकिन आज हम गौरव से कहते है कि हर गांव मे बिजली है, यह आंकड़ों की बात नही है, यह हकीकत है, हर गांव मे बिजली है। मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि बिजली जहां एग्रीकल्चर प्राडक ान के लिये इस्तेमाल की जा रही है वहां दस्तकारी के

भाोअवे मे भी नुमायां हुई है। 900 के करीब इंडस्ट्रीयल युनिटस लगे है जिन पर 20 करोड़ का कैपिटल इंवैस्ट हुआ है लेकिन फिर भी दस्तकारी की तरक्की की और ज्यादा जरूरत है। महात्मा गांधी जी कहा करते थे कि यह एक महान दे ा है, देहातों कादे ा है, एग्रीकल्चर परनिर्भर करने वाला दे ा है, खेती पर निर्भर करने वाला दे ा है लेकिन इसके साथ साथ जब तक दे ा मे दस्तकारी की तरक्की नही होगी, लोगो को काम नही मिलेगा, यह हकीकत हैं स्पीकर साहब, देहात के लोग जहां एग्रीकल्चर पर डिपैंड करते है वहां बहुत सारी जनता दस्तकारी पर भी डिपैंड करती है। अपना काम खत्म करेन के बाद किसान 9 महीने बड़ी बेताबी से गुजारता है। इस बेकार टाईम मे वह दस्तकारी का काम कर सकता है। ऐसे एरियाज मे, ऐसे देहातों मे जब तक दस्तकारी नही दी जायेगी तब तक हमें रोजगार उपलब्ध नही हो सकता। सब को काम देने के लिये छोटी छोटी दस्तकारियां देहातों मे देनी चाहिए जैसे नवार बनाना, दरियां बनाना वगैरा कई इस किस्म की दसतकारिया है जिन से दे ा की प्रोडक ान बढ़ सकती हैं एग्रीकल्चर इम्पलीमैंटस की फैक्ट्रियां खोलनी चाहिए। इसमे लोगों को काम मिलेगा और काम करने से वे अपने पावों पर खेडे हो सकेगें । स्पीकर साहब, मैं बहुत जल्दी जल्दी चल रहा हूं। इसके अतिरिक्त जहा। राईजिंग आफ प्राइसिज की प्रौब्लम है, अन उम्पलायमैंट की प्रौब्लीम है। जहां इंक्रीज आफ पापुले ान की प्राब्लम हैं, वहां भाडयूल्उ कास्ट की भी एक बड़ी प्रौब्लम है। हिनदुस्तान के सामेने एक हरिजन प्रौब्लम है, इसको हल करने के लिये प्रयत्न करने

चाहिये। जहां तक हरियाणा मे इनकी तरक्की का ताल्लुक है, मैं समझता हूं, बहुत नुमायां कदम उठाये गये है। उनको साधन जुटाने के लिये और आगे लाने के लिये। सुबह ही एक सवाल था जिसके जवाब मे बताया गया कि हरियाणा के अन्दर 12 आई.ए.एस. औफिसर्ज, 11 एच.सी.एस. औफिसर्ज और करीब 7–8 आई.पी.एस. औफिसर्ज है।यह ठीक है कि एक जमाना था जब संत रविदास और संत कबीर के जमाने मे अनटचेबिलिटी इतनी थी कि पतित को, दलित को छड़े बांध कर गांव मे आना पड़ता था। आज जमाना वह नही है लेकिन जहां तकडिसपैरिटी दूर होनी चाहिये, जहां तक इकौनोमिकली हम बराबर आने चाहिए उस स्तर पर हम सोर दे ा मे अभी तक नही आ सके है। यह ठीक है कि हरियाणा सरकार भरसक प्रसत्न कर रही है कि इनको रोजगार दिया जाये। स्पीकर साहब, हाउस म`दौलता साहब और मेरे दूसरे कुछेक भाई तरह तरह के प्वायंट उठाते है और कहते है कि हरिजन जमीन छिनेंगें मैं कहता हूं कि इस तरह की भावना रखने वाले आदमी और वे हरिजन लीडर जमीन भी जो जमीन के नाम लेकर के तरह तरह की बाते करते है, बड़ी गलत विचारधारा लोगो मे फैलाते हैं हरिजन किसी की जमीन नही लेना चाहता। हरिजन वह जमीन लेना चाहते है जो सरकार के पास इवैक्यू लैंड के रूप मे फालतू पड़ी है, जो पैकेज डील मे सैंट्रल गवर्नमैंट और ज्वायंट पंजाब से मिली थी, जो लैंड लार्डज के पास सरप्लस बचती है। इस तरह की बिटरनैंस क्रिएट करके, रौला मचा करके ये लोग गाड़ी के दो पहियों मे गड़बड़ फैलाते है। यह दे ा के हित मे नही है। स्पीकर

साहब, किसान और मजदूर देहात मे रहते है। ये गाड़ी के दो पहियों की तरह है। गाड़ी के दो पहियों मे से यदि किसी एक का फाचरा निकल जाये तो गाड़ी नही चल सकती। इसलिये गांव के इन दो पहियों के ठीक चलने के लिये यह जरूरी है कि इनमे तालमेल हो और यह तालमेल कब होगा, स्पीकर साहब, जब ये बिटरनैस की भावना फैलाने वाले लोग न हो। किसान चाहता है हरिजन की मदद और हरिजन चाहत है कि किसान के खेत मे ज्यादा से ज्यादा पैदावार हो। गड़बड़ किस बात की ? गड़बड़ तो अपना उल्लू सीधा करने वाले लोग फैलाते है। ये इनका तालमेल बिगाड़ कर अपना उल्लू सीधा करते है और इस तरह अपने प्रदे ा और दे ा को नुकसान पहुंचाते है। स्पीकर साहब,हमारी हरियाणा की सरकार बड़ी मजबूत है और इसने कइ मामलों मे सारे हिन्दुस्तान मे पहल की है। मैं इससे आपके द्वारा यह निवेदन करूंगा कि जिस तरह से इसने ट्रांसपोर्ट ने ानेलाइजे ान और टोटल इलैक्ट्रिफिके ान के मामले मे पहल की है उसी तरह से रिजर्वे ान को खत्म करने के मामले मे भी पहले करे। मैं नही चाहता कि रिजर्वे ान हमे ाा के लिये कायम रहे। यह लानत पट्टा हमे ाा के लिये हटना चाहिए ब ार्ते कि सरकार पहले क्रे ा प्रोग्राम बना करके हरिजनों को इकौनोमिकली हालत अच्छी बनादे। स्पीकर साहब, अठारह लाख के करीब हरियाणा मे हरिजन पापुले ान है। ये लगभग 5–6 हजार कुनबे बनते है ाऔर इनमे से बहुत थोड़े कुनबे ऐसे होंगे जिन्हें चौधरी चांद राम जी जमीन पर बसाना चाहते है वरना बाकी के कुनबे काम चाहते है। हम काम

दिलाने के हक मे है। मुझे इस बात को जानकर बड़ी खु ाी हुई कि सरकार एक बीविंग स्पीनिंग मिल हांसी मे दे रही है। उस पर तीन करोड़ रूपये लगाये जा रहे है । यह बड़ा सराहनीय काम है। इसी तरह मुकर्रर कर दी जाये और एक साल के अन्दर अन्दर ये जो 6–7 हजार कुनबे है इनमे से कुछेक को तो जमीन दे दे जो जमीन चाहते है उनको रोजगार चाहते है उनको रोजगार दे दे, जो दस्तकारी चाहते है उनको दस्तकारी मे लगवा दे, चाहे इस पर पांच करोड़ रूपया खर्च करना पड़े, दो करोड़ रूपया खर्च करना पड़े, कर दिया जाये। तो मैं सबसे पहला भाख्स हूंगा हरियाणा मे जो यह रिकोमैंड करेगा कि हरियाणा मे रिजर्वे ान की कोई जरूरत नही है।

Mr. Speaker: Plaese wind up your speech.

श्री अमर सिंहः मैं अभी वाईन्ड अप कर रहा हूं। स्पीकर साहब, अब मैं एक और बाव के बारे मे अर्ज करना चहता हूं वह है इन्टरसी अनटचेबिलिटी की बात है। स्पीकर साहब, इंटरसी अनटचेबिलिटी सिर्फ हरियाणा ही मे नही बल्कि सारे दे ा मे है। इसको कम से कम अपने हरियाणा मे दूर करने के लिये मैं एक सुझाव देना चाहता हूं। हरियाणा मे गांव के अन्दर आम तौर पर वाल्मीकि, धानक, चमार, इन तीन बिरादयिों के लोग बसते है। कुछ खटीक, सांसी और बोरिया बिरादरी के लोग भी रहते है लेकिन इनकी तादाद बहुत थोड़ी होती है। (विघ्न) वेसे तो कोई 63–64 कम्युनिटीज है लेकिन मेजर कम्युनिटीज यही है। खैर,

स्पीकर साहब, मैं यह कहने जा रहा था कि सरकार जो चोपाल के लिये पैसा देती है। वह सिर्फ वहीं दिया जाये जहां गांव के सारे हरिजन ज्वायंटली प्रस्ताव पास करके दे। अभी तक तो यह प्रैक्टिस चली आ रही है कि जब चमार दरख्वास्त देते है तो दस हजार रूपये उनको दे देते है, जब वाल्मीकि चाहते है तो दस हजार रूपये उनको दे देते है और जब खटीक चाहते है तो दस हजार रूपया उनको दे देते है। मैं तो कहता हूं कि यह इंटरसी अनटचेबिलिटी हम क्यों पैदा करे ? अनटचेबिलिटी, स्पीकर साहब, तभी खत्म हो सकती है जब पहले इन्टरसी अनटचेबिलिटी दूर हो। जब इन्टरसी अनटचेबिलिटी खत्म हो जाये तथी हम सही मायने मे दूसरों को मजबूर कर सकते है और कह सकते है कि यह छुआछुत दूर हो। स्पीकर साहब, महात्मा बुद्ध, कबीर,रविदास और पूज्य महात्मा गांधी, ये सारे कुर्बानी देकर चले गये लेकिन अनटचेबिलिटी कायम है। यह ठीक है कि अनटचेबिलिटी जिस तरह मैंने पहले कहा, उस स्तर परनही है जिस पर संत कबीर और रविदास के जमाने मे थी। लेकिन देहात मे जो रहते है वे इस बात को जानते है कि आज भी वहां अनटचेबिलिटी है। आज हालत यह है कि इकौनोमिकली जिसकी हालत अच्छी बन जाती है उससे तो यह दूर हो जाती है लेकिन जो गरीब है उसके यह चिपटी रहती है। इसलिये यह जरूरी है कि देहात मे हम इन लोगों की इकौनोमिक हालत बेहतर बनाने के लिये साधन जुटाये।

स्पीकर साहब, जो फैमिन हिट एरियाज है उनके बारे मे आनरेबल चीफ मिनिस्टर साहब सारे इलाके मे यह कह कर आये थे कि रोड़ज पर काम करने वाले आदमियों को तीन मील से दूर नही जाना पड़ेगा, सबकों तीन मील के अन्दर अन्दर काम मिलेगा। आई.पी.एम. साहब ने भी यही बात दोहराई लेकिन आज एक प्र न के जवाब मे रैवेन्यू मिनिस्टर ने यह बताया कि किसी गांव मे काम भाुरू नही हो सका। सारी तहसील भिवानी खेड़ा मे कोई 70—75 गांव है जिन गांव का टोटली आई.पी.एम. साहब को भी स्वयं पता है । पीने के पानी भी बहुत से गांवा मे नही है। खारा पानी है। नहर का पानी भी बिल्कुल नही है। टेल पर सारी कांस्टिचुएंसी है। अब यह हैड और टेल मे बहुत अंतर है। आप भी स्पीकर साहब, इस बात के ि ाकार होते है क्योंकि आपका हल्का भी टेल पर है। स्पीकर साहब वाटर अलांउस सब जगह एक है। जैसे हिसार मेजर का 4.1, पेटवाड़ डिस्ट्रिक्यूटरी का 2.5, सुन्दर ब्रांच का 2.4, न्यू माईनर का 1.9 और भाखडा का 2.4 है। अब आप देखे कि सुन्दर ब्रांच के हैड पर जो गांव है उनमे तो 70 और 80 परसैंट इरीगे ान है लेकिन जो टेल पर है, मेरा इलाका है, आपका इलाका लगता है, वहां केवल 7 परसैंट पानी लगता है। यह बात बड़ी अखरने वाली है जबकि वाटर रेट एक है और वाटर अलांउस भी बराबर का लेते है। इसका हल तो सरकार को निकालना पड़ेगा। स्पीकर साहब, मुझे इस बात की खु ाी है कि अब आईपी. एम. साहब ने एक बड़ा सराहनीय कदम उठाया है। इन्होंने अब यह किया है कि जिस ओवरसियर के एरिया मे नहर कटेगी, उस

ओवरसियर के विरूद्ध केस बनेगा, उसको मुअत्तिल कर दिया जायेगा, उस पर मकदमा चलाया जायेगा। जबसे यह इस्ट्रक ांज जारी की गई है तब से हमारे इलाके मे नहर नही कटी। तो किसानो के नाके सभी साफ हौंगे जब यह हिदायते जारी कर दी जाये कि जिस सब डिविजन मे, जिस एस.डी.ओ. के सरकल मे मात्रा के मुताबिक पानी पूरा नही पहुंचेगा, वह एस.डी.ओ. सस्पैड होगा। फिर आप देखेंगे कि किस तरह से वे नाके साफ करते है। इस बात पर भी सख्ती कर देनी चाहिए।

जहां तक ट्रांसपोर्ट का सवाल है, स्पीकर साहब, यह बड़ा अच्छा काम कर रही है। जब से ने ानेलाइजे ान ट्रांसपोर्ट का हुआ तब से इसने बहुत ज्यादा तरक्की की है। जब हरियाणा और पंजाब का पार्टी ान हुआ था उस वक्त हरियाणा के हिस्से मे कुल 475 बसें आयी थी। आज हमारे पास 1850 बसें सन् 1975–76 के एंड तक हो जायेगी। यह बड़ा सराहनीय कदम है लेकिन अब तक जिस ढंग से इंतजाम होना चाहिए, अभी नही हो पाया है। हमारे यहां कृश्णा कम्पनी की बसें अब भी हिसार से दिल्ली चलती है। वहां पर हरियाणा रोडवेज की बसों मे और उनमे कम्पीटी ान है। जहां ऐसा कम्पीटी ान हो, मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि हमे वहां पर बड़ी अच्छी बसें रखनी चाहिये ताकि जो हमारा भोयर है, जो प्रौफिट है वह प्राइवेट कम्पनी को न जाये, क्योंकि मैं देखता हूं उनकी बसें हमारी बसों से पांच

मिनट पहले चल पड़ती है और वे वहीं खड़ी रहती है। इसलिये वहां पर इस बात का पूरा ध्यान रखा जाये।

स्पीकर साहब, मैं आपका एक मिनट और लूगां । यह जो हमारे यहां कोआप्रेटिव मूवमैंट है, इसने भी प्रांत की उन्नति मे बहुत हद तक हिस्सा लिया है। हमारे यहां 14 हजार कोआप्रेटिव सोसायटिज है जिनमे 253.47 करोड़ की इनवैस्टमैंट है लेकिन इस कोआप्रेटिव मूवमैंट से जो सहकारिता के आधार पर बनायी गयी थी वह पूरा फायदा नही हो रहा है जो होना चाहिए था। जो कोआप्रेटिव सोसायटीज का मैंनेजमैंट बन जाता है उसको दूर करना बड़ा मु कल हो जाता है। अब तो कुछ सख्ती हो गयी है लेकिन आज से चार साल पहले ऐसा था कि मैंनेजमैंट बैंको से पैसा लेकर बोगस अंगूठे लगा कर, बोगस ऐन्ट्री करके पैसा अपने आप लेकर बैठ जाते थे। आज भी रिकवरी चल रही है। जहां भी सरकार के नोटिस मे इस तरह के बोगस खाते आ जाये उन लोगो को बिल्कुल माफ न किया जाये उनको असलियत देख करके छोड़ा जाये। इस बारे मे मैं एक सुझाव देना चाहता हूं। जहा कोआप्रेटिव मूवमैंट है वहां पर कोआप्रेटिव बैंक आठ आठ और दस दस गांवों के लिये एक खोल दिया जाये। वहां से पास बुक बन जाये। जो एग्रीकल्चरिस्टस हो उनके लिये निर्धारित कर दिया जाये कि पांच किल्ले वाले को इतना लोन मिलेगा, 18 किल्ले वाले को इतना लोन मिलेगा। उसके बाद कोई दिक्कत नही आयेगी। जो बिचौले जीपों मे बैठ कर दौड़ते है, लोगो को तंग करते है वे

खत्म हो जायेंगे । सीधी ट्रांजैक ान बैंकों के साथ होनी चाहिए। स्पीकर साहब, एक और भी अजीब बात है कि इंडस्ट्री भाोअबे मे तो दो परसैंट इंट्रैस्ट वसूल किया जाता है और एग्रीकल्चर भाोअबे मे जिस पर सारादे ा डिपैंड करता है नौ परसैंट और 14 परसैंट और 14 परसै।अ तक वसूल किया जाता है। इस फर्क को दूर किया जाना चाहिए। ये जो रेट आफ इन्ट्रैस्ट मे डिस्क्रिमिने ान है यह दूर होनी चाहिए। इन भाब्दों के साथ मैं फाईनैंस मिनिस्टर को बधाई देता हूं कि उन्होंने बहुत ही बेहतरीन तस्वीर, खु ानुमा तस्वीर सदन के सामने रखी है। मैं इस बजट का समर्थन करता हूं और स्पीकर साहब, आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिये समय दिया।

(इस समय उपाध्यक्षा पदासीन हुई)

श्री गुलाब सिंह जैन (हिसार): डिप्टी स्पीकर साहिबा, कई दिनों से बजट पर चर्चा चल रही है। सब से पहले मैं अपने वित्त मंत्री महोदय को बधाइ देना चाहता हूं कि उन्होंने टैक्स फ्री बजट सदन के सामने रखा है। सन् 1975–76 मे बजट मे 16.99 करोड़ रूपये का घाटा दिखाया गया है। इसमे से 6.63 करोड़ रूपया पहले साल का ब्रौट फारवर्ड है। वित्त मंत्री महोदय ने सदन को वि वास दिलाया है कि इस घाटे को नये टैक्स न लागा कर बल्कि बचत से या सैंटर की इमदाद लेकर पूरा करेंगे। जो उन्होंने सदन को वि वास दिलया है कि उसके लिये भी मैं उनका बहुत आभारी हूं।

इसके बाद डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं ऐक्साइज एंड टैक्से ान डिपार्टमैंट के बारे मे चर्चा करना चाहता हूं। सैल्ज टैक्स ऐसा भाोअबा है जिसका संबंध सीधा ट्रेडिंग क्लास है। ट्रेडिंग क्लास ने हमारे मुख्य मंत्री जी को यकीन दिलाया था कि अगर सरकार सख्ती से काम न ले और इन छापों को बन्द कर दिया जाये तो हम लोग बहुत ईमानदारी के साथ गवर्नमैंट को कोआप्रे ान देंगे और सैल्ज टैक्स मे कमी भी नही आने देंगे। उन्होंने आंकड़ों से साबित कर दिया है, जो उन्होंने वि वास दिलाया था वह सही है और दुरूस्त रहा। वे अपने वायदे पर पूरे उतर रहे है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, सेल्ज टैक्स की जो इंकम हुई है वह इस साल मे सन् 1974–75 मे 32 करोंड़ की हुई है। उसके बाद रिवाईज्ड ऐस्टीमेटस 34 करोड़ के हे और जो ऐस्टीमेटिड दिये है वे 37 करोड़ के है। इस बात के बावजूज पिछले साल बदतरीन किस्म का ड्राउट था और इंडस्ट्री घाटे मे थी और वह इतनी ज्यादा थी कि अगर मैं यह कहूं कि हाल्टिंग स्टेज पर आ गई थी तो कोई गलत बात नही होगी इस सब बातों के बावजूद आज हमारी सेल्ज टैक्स की वसूली निरन्तर इन्क्रीज हो रही है यह बात साबित करती है कि ट्रेडिंग क्लास गवर्नमैंट को पूरी कोआप्रे ान दे रही है। इसके साथ गवर्नमैंट ने ट्रेडिंग क्लास पर जो वि वास रखा है और जो सहूलियतें दी है उनके लिये मैं गवर्नमैंअ का म कूर हूं और ऐक्साइज एंड टैक्से ान मिनिस्ट साहब का भी म कूर हूं।

एक बात की तरफ मै एक्साईज एंड टैक्से ान मिनिस्टर साहब की अटैन ान दिलाना चाहता हूं। इंडस्ट्री पनप नही सकती जब तक सैल्जटैक्स के रेटस जो हमारी बराबर की स्टेटस है जैसे देहली, यू.पी., पंजाब, हिमाचल और राजस्थान उनके बराबर न लाये जाये। कुछ चीजे ऐसी है जिनकी तरफ मैं अपने ऐक्साइज एंड टैक्से ान मिनिस्टर साहब का ध्यान दिलाना चाहता हूं क्योंकि उनके सेल्ज टैक्स मे बहुत डिसपैरिटी है जिस की वजह से इंडस्ट्री को बहुत नुक्सान पहुंचा है। मुझे मंत्री जी ने वि वास दिलाया है कि नार्दन जोन की कांफ्रेंस मे वे इस बात पर जोर डाल रहे है कि तमाम के तमाम रेटस रे ोनेलाइज किये जाये, एक लैवल पर लाये । उन्होंने यह भी वि वास दिलाया है कि मार्च तक अगर वे कामयाब नही हुए तो मैटर को कन्सीडर करेंगे। तो मेरी गुजारि ा यह है कि जो हमने कहा है उसकी तरफ ध्यान रखे और जल्दी से जल्दी कदम उठाये। अगर रे ानेलाईजे ान आफ रेटस हो जाये तो बहुत ही अच्छा होगा।

इसके बाद मैं इंडस्ट्री की चर्चा करना चाहूंगा। सदन मे गवर्नर के अभिभाशण पर और एग्रीकल्चर पर जब चर्चा चल रही थी, कुछ बाते सामने आयी। मैं इस बात से सहमत हूं जो दौलता साहब ने कही है कि जमींदारों की जमीन की तरफ ध्यार नही रखना चाहिए। उनका मतलब ठीक है। मैं उनकी इस बात से तो सहमत हूं लेकिन मैं यह मानता हूं कि आबादी जा रही है। आबादी की बढ़ौतरी फैमिली प्लानिंग सिस्टम से रूकने वाली नही है।

जमीन बढ़ नही रही है। आबादी घट नही सकती तो इस fragmentation of hildings कानून को छोड़िये, यह तो बढ़ती ही रहेगी। इसके अलावा उन्होंने यह कहा है कि सैंटर पर जोर देकर, यह जो लेडिज क्लास को, हमारी बहिन बेटियों को हक दिया है, उसमे तबदीली लाई जाये। उसके लिये मैं दौलता साहब से अर्ज करूंगा कि कोई ऐसी मो ान हाउस मे लायी जाये जिसके जरिए fragmentation of hildings बंद हो। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं पहले उन जमींदारो का जिक्र करना चाहता हूं जो परमानैंटली जमीन पर निर्भर रहने के लिये आंखे लगाये रहते है।

अध्यक्षाः जिस तरह से दौलता ने हाउस मे अपने व्यूज दिये है कि लड़कियों और बहिनों को हक नही मिलना चाहिये, इस बारे मे आप भी अपने व्यूज दीजिये।

श्री गुलाब सिंह जैनः मेरे व्यूज तो कलियर है। मैं तो दौलता साहब से हंडर्ड परसैंट सहमत हूं। वजह क्या है ? यह सब्जैक्ट इतना लम्बाहै, इस पर कभी रेजोल्यू ान आयेगा तो मैं डिटेल्ड बात कंरूगा। हिन्दु ला मे जो हक नही होता था उसका बड़ा बहुत बड़ा कारण था। हमने वैस्ट से कापी करके इस चीज को किया है हालांकि मुझे मालूम है आपके सैक ान से चालीस पचास परसैंअ वोट ले कर हम एम.एल.ए. बन कर आते है लेकिन हकीकत को ब्यान करने मे मुझे कोई तकलीफ नही।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं इंडस्ट्री के बारे मे अर्ज करना चाहता हूं । ऐग्रीकल्चर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि उसको जो प्रायरिटी दी है, वह ठीक है लेकिन जिस बुरे तरीके से इंडस्ट्री को इग्नोर किया गया है उस तरफ मैं सरकार का ध्यान मादबाना तरीके से दिलाना चाहता हूं सारी प्लान के अन्दर जो 563 करोड़ रूपये का प्लान है, इंडस्ट्री का भोयर सिर्फ 14 करोड़ रूपये रखा गया है जो 2.5 परसैंट आता है। आज हमारे सामने अन ऐम्पलायमैंट का भूत बुरी तरह से नाच रहा है। एन ऐम्पलायमैंट को दूर करने का एक ही तरीका है और वह यह है कि हम इंडस्ट्री बढ़ सकती है इसलिये मैं सरकार से यह गुजारि ा करूंगा कि इंडस्ट्री को बढ़ावा दे। हमारी जो पर कैपिटा इंकम है, जब तक ऐग्रीकल्चर के साथ साथ इंडस्ट्रियल प्रोडक ान नही बढ़ेगी वह तब तक नही बढ़ेगी और यहां पौस्पैरिटी नही आयेगी। हरियाणा इस मामले मे खु ा किस्मत है कि यह दिल्ली के सिरे पर बैठा हुआ है। दिल्ली एक बहुत बड़ा बढ़ता हुआ ाहर है। अगर मै गलती नही करता और मेरा ठीक साथ दे रही है तो सारे इंडिया के मुकाबले मे दिल्ली सूबे की पर कैपिटा इंकम सबसे ज्यादा हे और उस आमदनी को बहरहाल वे खर्च भी करते है । हरियाणा के अन्दर इस बात के बजाये कि हम बड़ी बड़ी इंडस्ट्रीज की तरफ भागें, हमें छोटी छोटी कंजयूमर इंडस्ट्रीज की तरफ ध्यान देना चाहिए ताकि उनकी प्रोडक ान की हम दिल्ली मे कंजम्प ान कर सके। जब हम कंजयूमर इंडस्ट्री की तरफ ध्यान देंगे तो हमारा ध्यान स्माल स्केल इंडस्ट्री की तरफ आयेगा। बहरहाल स्माल स्केल

इंडस्ट्री के अंदर वह तबका ज्यादा काम करेगा जिसतबके कोहम मिडल क्लास या वीकर सैक ानकहते है। मैं अपनी सरकार से बड़ी मोअदबाना गुजारि ा करूंगा कि वह स्माल स्केल इंडस्ट्री की तरफ ध्यान दे। इंडस्ट्री के लिये बिजली पर कट लगे। अीा कल ही हमे यहां पर यह खु ाखबरी दी गयी कि फरीदाबाद के 60 मैगावाट के प्लांट ने प्रोडक ान भाुरू कर दी है उसमे से 40 मैगावाट बिजली हमें मिलेगी। एग्रीकल्चर के लिये बिजली देना बिल्कुल सही है लेकिन मैं गुप्ता साहब से यह अर्ज करूंगा कि ऐग्रीकल्चर का ध्यान दखते हुए उस छोटे अभागे इंडस्ट्रीयलिस्ट का भी ध्यान रखा जाना चाहिए जिसने पु तों से अपने खून पसीने की कमाई ही नही बल्कि लोगों से कर्जा लेकर और बैंकों से कर्जा लेकर पैसा लगाया है। आज मनी मार्किट बड़ी टाईट है। 17–18–19 परसैंट, रेट आफ इंट्रेस्ट हो गया है। उसकी वर्किन्ग कैपिटल नश्ट हो जा रही है। इसलिये जैसे कि आपने कहा है कि 40 मैगावाट बिजली हमको मिलने लग जायेगी उसका कुछ हिस्सा स्माल स्केल इंडस्ट्रीज को जरूर मिलना चाहिए ताकि कम से कम वे अपने कल कारखाने इस लैवल पर तो चला सके कि मजदूर को मजदूरी दे सके, अपने दफतर के बाबुओं को तनख्वाह दे सके और रकम का ब्याज दे सके। कम से कम उन्हे इतनी रिटर्न तो मिल जाये, इतनी चीज हमे जरूर कर देनी चाहिए। जैसा कि इन्होंने यहां फरमाया है कि जमींदार को हम 6 घंटे बिजली देना चाहते है, तो उस छोटे इंडस्ट्रियलिस्ट को कम से कम इतनी बिजली जरूरदे जिससे कि वह अपनी इंडस्ट्री को रनिंग कंडी ान मे रख सके औरबिल्कुल

ही दिवालिया न हो जाये। यह मेरी बड़ी मोअदवाना अर्ज है। इसके साथह ी इंडस्ट्री के बारे मे एक और अर्ज करना चाहता हूं कि जो लार्ज स्केल इंडस्ट्री है, उनको प्राइवेट सैक्टर मे प्रोत्साहन न दिया जाये। उनकी जो ऐम्पलायमैंट पालिसी होती है, वह एंटी हरियाणा होती है। मुझे इस बात का पर्सनल तजुर्बा है। मुझे एक मिल के बारे मे मालूम है। वह मिल एक बहुत बड़ा युनिट है। उन्होंने एज ऐ मैटर आफ पालिसी यह बना रखा है कि जो लेबर के लिये रिक्रूटमैंट करनी है वह हरियाणा के बाहर से करनी है मेरी उसे एक दफा इस बारे मे बात हुई। मैंने उनसे सवाल किया कि आप हरियाणा की लेबर क्यों नही रखते तो उन्होंने यह कहा कि अगर हम लोकल लेबर रख लेते है तो जब स्ट्राईक करते है तो बड़े आराम से अपने घर चले जाते है। अगर हम बाहर की लेबर रखते है तो वे इतनी दूर जा नही सकते, भूखे मरते है इसलिये स्ट्राईक करने की जुर्रत नही करते। मतलब यह कि बाहर की लेबर कैपिटेलिस्ट के अगूंठे के नीचे रहती है। जब भी कैपिटेलिस्ट उनको दबाना चाहे, दबा सकता है। वे मजबूरन कैपिटेलिस्ट के अंगूठे के नीचे दबे रहते है। मेरा कहने का मतलब यह है कि जो लार्ज स्केल इंडस्ट्रीज है उनकी यह पालिसी रहती है कि वे लेबर हरियाणा से बाहर की लाये। तो उने पास लेबर हरियाणा से बाहर की होती है और उनके हैड आफिस भी हरियाणा से बाहर होते है। हमको उनसे इंकम का भोयर भी नही मिलता और नही ही सेल्ज टैक्स मिलता है। क्योंकि उन्होंने अपने हैड आफिस और सेल्ज आफिस बाहर रखे हुए है। अगर

स्टैटिसटिक्स इकट्ठे किये जाये तो पता चलेगा कि जमीन जो उन्हें सस्ती दी जाती है, वह हमारे जमीदार की है, सारे फाईनैंस हरियाणा सरकार के है, बिजली जिसकी हमको बहुत सख्त जरूरत है, वह हरियाणा सरकार से मिलती है लेकिन मुलाजमत के लिये वह अपने किसी रि तेदार, भाई भतीजों को और दूसरी जगहों से ले आते है। मैं इस चीज के बिल्कुल खिलाफ हूं। इसलिये मेरी अर्ज यह है कि जितनी भी लार्ज स्केल इंडस्ट्रीज को और मीडियम स्केल इंडस्ट्रीज को प्रोत्साहन देना चाहिए। मैं गुप्ता जी से यह कहना चाहूंगा कि जिस वक्त आप बिजली देने की बात सोचे तो आप उन लार्ज स्केल इंडस्ट्रीज को प्रोत्साहन न दे। ऐसी इंडस्ट्रीज को प्रोत्साहन हो। लार्ज स्केल इंडस्ट्रीज एक ऐसा यूनिट है जिसमे कैपिटेलिस्ट स्माल स्केल इंडस्ट्रीज की कास्ट पर पलता है। इसलिये इस चीज की तरफ महकमा बिजली को भी और महकमा इंडस्ट्रीज को भी ध्यान देने की जरूरत है। .....(व्यवधान).... मुझे खु ी है अगर आप ऐसा सोच रहे है। मेरा मुछ्दा तो यही था कि आप मेरी बात समझे और माने। हरिजनों की बाबत मेरे भाई अमर सिंह ने बहुत अच्छा कहा कि हरिजनो को जमीदारों की जमीन नही चाहिए। उन्हें तो रोजगार चाहिए। मैं भी यही चाहता हूं। रिजर्वे ान तो एक लानत है। यह तो हमने एक खास पीरियड के लिये रखी थी ताकि हम हरिजनों को बराबरी के लैवल तक ला सके। लेकिन देखना यह है कि क्या हम उनको अपने बराबर लाने मे कामयाब हुए है? मै इस बात मे ऐग्री करता हूं कि 25 साल से भी ज्यादा की आजादी के बावजूद भी, हमारी सारी ऐफर्टस के

बावजूद भी, उन लोगों को जो हमारो सालों तक बेकवर्ड रहे और इग्नोर्ड रहे, हम बराबर नही ला पाये है। उनको बराबर लाने का एक ही तरीका है कि हम इंडस्ट्री की तरफ ज्यादा से ज्यादा ध्यान दे। मेरी आपके द्वारा आपनी सरकार से बड़ी मोअदबाना गुजारि ा है कि after agriculute they must give the greatest priority, importance and emphasis on industry.

डिप्टी स्पीकर साहिबा, तीसरी बात जो मैं कहना चाहूंगा, वह तालीम के बारे मे कहना चाहूंगा। जहां पर तालीम की काफी चर्चा चली और अन ऐम्पलायमैंट की भी बात चली। मैं यह चाहूंगा कि सरकार स्टेट मे क्वालिटी आफ ऐजुके ान इम्प्रूव करे। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैंने अन ऐम्पलायमैंट की कुछ फिग्र्ज इकट्ठी की है जिन्हे मैं सदन मे रूबरू करना चाहता हूं। यह एक बड़ी रिवीलिंग चीज है। मैंने कल यह आंकड़े पढ़े है। मेरे पास पिछले सालों यान 1969 से अब तक के आंकड़े है। मैं पिछले सालों की बात नही करता मै। 1973–74 की बात करता हूं। जो लाईव रजिस्टर पर ऐम्पलायमैंट के लिये रजिस्टर्ड है उनका नम्बर है 70551 । इसमे से जो मैट्रीकुलेट या इंटरमीजियेट रजिस्टर्ड है उनकी तादाद 55585 है। मेरा कहने का मतलब यह है कि लाइव रजिस्टर पर 79 प्रति ात वह लोग है जो या तो मैट्रीकुलेट है या इंटरमीजियेट है। अगर 1969 से अब तक आंकड़े देखे तो पता चलता हैं कि किसी साल मे यह परसैंटेज 82 है, किसी मे 82.9 है तो किसी मे 79 है। प्रैक्टिकली हर साल जो लोग रजिस्टर्ड है उस मे से 80 से लेकर 86 परसैट तक ऐसे लोग है जिनकी

स्वालीफिके ान या तो मेट्रीकुले ान है या इंटरमीजिऐट है। इस का मतलब यह है कि हमारे यहां जो दूसरे लोग है उनका नम्बर इतना जयादा नही है जितना कि मैट्रिक या इंटरमीजिऐट का है। वह तादाद कोई ज्यादा नही है। अगर हम ऐजुके ान के स्टैंडर्ड को इम्प्रूव कर दे तो बहुत ज्यादा आदमी तो हमारे जो बराबर का दिल्ली सूबा है, उसमे खप सकते है। वहां पर जितने ही स्टैनोग्राफर्ज और अकाउंटैंटस की जरूरत है लेकिन उन्हें मिलतें ही नही है। अगर प्रौपर्ली लोग क्वालीफाईड हो तो वहां पर उन्हें पांच सात आठ सौ रूपये की नौकरी बड़े आराम से मिल सकती है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, हमें चाहिए कि हम हाई स्कूल खोलना छोड़ दे। मैं इस चीज के बिल्कुल खिलाफ हूं। मुझे इस बात का अफसोस है कि चौधरी माडू सिंह जी जो हर वक्त यहां बैठे रहा करते है, इस वक्त बदकिस्मती से यहां मौजूद नही है। मैं सरकार से बड़ी मोअदबाना अर्ज करूंगा कि जल्दी से जल्दी एक हाई पावर्ड कमेटी ऐजुके ान सिस्टम को रिवाईज करने के लिये हरियाणा मे बनायी जाये। आज वह लड़का जो एक देहात के स्कूल से निकलता है और वह लड़का जिसके मां बाप हम यह कह सकते कि परमात्मा उन पर राजी है, सिलवर स्पून लेकर पैदा हुआ है और पब्लिक स्कूल मे पढ़ता है, जब वह मार्किट मे आता है तो देहात वाला लड़का उसका मुकाबला नही कर सकता। मैं पब्लिक एंस्टीच्यू ांज के खिलाफ नही हूं। पब्लिक स्कूल का मतलब है क्वालिटी स्कूल। आज ही टाइम्ज आफ इंडिया मे एक आर्टिकल है सच्र फार आइडैनटिटी। हमाको ऐजुके ान की स्वालिटी मे

इम्प्रूवमैट करना पड़ेगा। आठवीं जमात तक जनरल ऐजुके ान रखनी चाहिए क्योंकि आठवीं तक इंगलि ा रखने की जरूरत नही है। हिन्दी हमारी मातृभाशा है, हिन्दी हमारे दफ्तरों मे चलती है, हिन्दी मे काम हो सकता है। इसलिये ऐलजैबरा और ज्योमैटरी की क्या जरूरत ? जब हमको किसी टैक्नीकल ऐजुके ान मे जाना हो तब इन चीजों की जरूरत पड़ती है। हमने ऐलजैबरा और ज्योमैटरी पढ़ी थी हमारे किस काम आई। आज रोजमर्रा की जिन्दगी मे जिस ऐजुके ान की जरूरत पड़ती है वह आठवीं जमात तक पूरी हो जाती है। आज हम देखें कि हम अपने बजट मे ऐजुके ान पर कितना खच्र करते है। मेरा अंदाजा है। कि ऐजुके ान पर जो हम खर्च कर रहे है वह 32 करोड़ है। लेकिन अगर इसमे से एक रकम निर्धारित इस बात के लिये कर दे जिससे वीकर सैक ान का फायदा हो तो अच्छी बात होगी। मैं तो रैजिडैं ाल सकूल्ज के हक मे हूं। रैजिडैं ाल स्कूल खोलकर हम इम्पूवमैंट इन ऐजुके ान कर सकते है। अगर हम क्वालिटी स्कूल खोलते मे कामयाब नही होते तो रैजिडैं ाल स्कूल खोल दे और तभी यह ऐजुके ान की प्रौब्लम हल हो सकती है। ऐजुके ान पर मैं इतना ही कहना चाहता हूं और सरकार से कहना चाहता हूं कि वह इस तरफ ध्यान दे।

डिप्टी स्पीकर सहिबा, सिविल सप्लाई के बारे मे चंद भाब्द कहना चाहता हूं। मुझे खु ाी है कि जब से यह महकमा हमारे मौजूदा सिविल सप्लाई मिनिस्अर के पास आया है, काफी

स्मगलिंग के केस पकड़े गये है और वह अच्छी बात है। प्रोक्योरमैंट भी अच्छी हुई है। एक चीज बहुत अच्छी हुई है कि ऐग्रीकल्चर मे पैडी की प्राइसिज पंजाब के मुकाबले ज्यादा मिली है और इससे हम काफी फायदा हुआ है। लेकिन एक चीज मैं उनसे इस बारे मे अव य कहना चाहूंगा कि डिस्ट्रीब्यू ान मे कोई ऐसा सिस्टम हरियाणा मे कहना चाहिए कि यह जो डिपोज पर क्यू लगती है उनको दूर किया जाये। इसके ऊपर हमें बैठकर सोचने की जरूरत है । बाकी सब ठीक हैं इससे ज्यादा मै। इस बात के बारे मे कुछ नही कहना चाहता।

एक प्रौब्लम मेरे हल्के की और है। मुख्य मंत्री जी यहां नही बैठे है। वह प्रौब्लम पोलिटीकल सफरर्ज की है। मेरे हल्के मे उन लोगों को जमीने मिली थी कि उन्होंने अपनी जवानियां अंग्रेजों की जेलों मे काटी। उनकी कुछ समस्याए थी, कुछ गल्तफहमियां थी, जिसके लिये अलाटमैंट पर झगंड़े चले। कुछ लोग हाई कोई मे गए और वह वहां से जीत गए। लैटर पेटैंट अपील उन पालिटीकल सफरर्ज के हक मे हो गया। मैं मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगा कि उनके केसिज को सिम्पेथैटिकली ट्रीअ किया जाये। वे मुझसे हिसार मे मिले थे ओर कहते है कि वे सरकार के साथ है। उन्होंने इस दे ा के लिये आजादी दिलाने मे बहुत काम किया है। उनमे से बहुतों को तो फांसी होने बची है। उनकी बहुत बड़ी कुर्बानी रही हैं उनकी कुर्बानी की वजह से ही

हम यहां बैठे है। मेरी प्रार्थना है कि उनके केसिज को हमदर्दाना तरीके से ट्रीट किया जाये।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, ट्रांसपोर्ट के बारे मे चंद बाते कहना चाहता हूं। वैसे तो ट्रांसपोर्ट पर मैं पहले भी कह चुका हूं कि हमारी ट्रांसपोर्ट हिन्दुस्तान के अंदर बेहतरीन समझी जाती है लेकिन फिर भी काफी कुछ इम्प्रूवमैंअ करने की जरूरत है। कल ही मै। इसके प्रोफिट और लौस के आंकड़े देख रहा था, बैलेन्स भीट स्टडी कर रहा था। मैं एक बात देखकर हैरान था कि आज हमने 25 से 50 फीसदी तक ओवरलोडिंग की इजाजत दी है। लेकिन इसके बावजूद जो रिटर्न है वह इन्वैस्टमैंट के कोमैंसुरेट नही है। इस बारे मे ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर को खास ध्यान देना चाहिए। जो सेल्ज आफ टिकट से रिटर्न है और जो मुनाफा है, 25 प्रति ात ओवरलोडिंग भी है लेकिन फिर भी 55 लाख का मुनाफा दिखाया गया वह नाकाफी है। मैं उस मुनाफ को ठीक नही समझता। इसकी तरफ ध्यान देना चाहिए कि कही न कही लकूना है उसको कैसे ठीक किया जाये और जो मेरे से सुझाव दिया जा सकता है वह सुझाव मैं दूंगा। लेकिन मैं उनका ध्यान सफाई की तरफ दिलाना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि बसों मे सफाई है लेकिन मैं इस मामले मे उनके साथ डिफर करता हूं। अपनी बसों की हालत को देखने के लिये हमारी ट्रांसपोट्ट कैसे रन कर ही है, मै हर महीने दो दफा बस मे ट्रैवल करता हूं और मैं अपनी आइडैनटिटी डिसक्लोज नही करता क्योंकि मैं अगर कह दूं कि मैं

एम.एल.ए. हूं, मै टिकट नही लेता तो फिर ठीक नही रहता। इसलिये मै टिकट खरीदता हूं। मेरा कहना यह है कि आप कंडक्टर को यह ट्रेनिंग दे कि वह बिजनैस के तरीके से बसों को चलाये। उनका फर्ज बनता है कि जो सवारियां है वह उनको कस्टमर समझे और उस कस्मर की सर्विस करे, हकूमत न करे। उनका जो हुक्मराना रवैया है वह नही होना चाहिए। अभी परसो ही जो उनकी यूनियन के सैक्रेटरी है उनसे मेरी बात हुई। मैंने उनसे कहा कि चौधरी साहब आप अपने लोगों को समझाओं। उन्होंने कहा कि कुछ कन्डक्टर जो है वे गल्त किस्म के है अगर कोई ऐक ान लिया जाता है तो फिर उनकी सिफारि ो आती है। मैंने उनसे कहा कि जो सब से ज्यादा सिफारि ों है वे एम.एल.ए. साहिबान की आती है। मुझे याद कि कि पार्टी की मीटिंग हुई थी उसमे मुख्य मंत्री भी थे और उन्होंने कहा कि कोई भी एम.एल.ए किसी गल्त कंडक्टर की सिफारि ा न करे। जिनके खिलाफ कोई ि ाकायत है वह ट्रांसपोर्ट मिनिस्अर के नोटिस मे लाओ। किसी को भी सिफारि ा नही करनी चाहिए। मैं एम.एल.ए. साहिबान से अर्ज करूंगा कि वे इसबात का खास ख्याल रखे कि वे किसी सिफारि ा न करे। एक और चीज मै अर्ज करना चाहता हूं कि जैसे रेलवेज के अंदर होता है कि जब मेन स्टे ान आता है और 10—15 मिनट गाड़ी रूकती है तो वहां कम्पार्टमैंट की सफाई होती है। इसी तरह से हमारी बसों मे भी होना चाहिए। जो मेन स्टे ांज है जहां डिपोज बने हुए है वहां जब बस पहुंचे तो वहां सफाई करने वला आना चाहिए। यह नही होना चाहिए कि हिसार

से बस चली दिल्ली के लिये और दिल्ली से गन्दी बस ही वापिस हिसार कि लिये चल दी। इससे जो दूसरी स्टेट के लोग होते है उन पर गल्त इम्प्रै ान पड़ता है। मामूली से खर्चे से, मामूली से ध्यान देने से सफाई हो सकती है। तीसरी बात जो मैं कहना चाहता हूं वह यूरिनल्ज की बाबत है। मैंने देखा है कि स्अे ांज पर लोग दीवार के साथ खड़े हो जाते है और वह बुरा लगता है। परसों भी मेंने हिार के बस अड्डे के बारे मे कहा था। ठीक है उसे माड्रेनाइज न किया जाये क्योंकि हमारे पास धन की कमी है। लेकिन मैं समझता हूं कि जहां कमि नरीका हैडक्वार्टर है, एक बहुत बड़ा डिस्ट्रिक्ट है वहां का बस अड्डा ठीक तो हो। वहां पर पचास हजार रूपया खच्र कर दिया जाये। कुछ युरिनल्ज ही बना दिये जायें तो उसकी दीवारे अच्छी हो सकती है लेकिन सिर्फ इस तरफ ध्यान देने की जरूरत है।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, ट्रांसपोर्ट के बारे मे मैं अपने हल्के की दो तीन बातें जरूर कहना चाहता हूं। हिसार एक बढ़ता हुआ भाहर है। वहां मिनी सैक्रेटेरियट बना है और कचहरी जो है वह नये कम्पलैक्स मे चली गई है। उधर दूसरी तरफ हिसार का इलाका ज्यादा दिल्ली रोड पर बढ़ा है। इसलिये वहां पर जो लोकल बस सर्विस है वह काफी नही है। स्कूटर और रिक्सा वाले लोग दो दो रूपये पास पास जाने के लिये मांग लेते है जो कि एक गरीब आदमी देने मे असमर्थ होता है। इसलिये मेरी गुजारि ा है कि एक तो कचहरी के टाईम पर सुबह और दूसरा कम से कम

भााम के टाईम के लिये एक दो बसें चला दी जाये ताकि जो ऐम्पलाईज वगैरा या दूसरे लोग दूर दूर से आते है उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। हम यहां चण्डीगढ़ मे भी देखते है कि सैक्रेटेरियेट के लिये सुबह भााम दोनों टाइम बसे आती जाती है जिससे लोंगो को बड़ी सहूलियत है। अतः इसी प्रकार वहां भी बसों की प्रोवीजन होनी चाहिए। एक एक घण्टे की बस सर्विस की बजाये 15–15 मिनट के बाद बसें आनी चाहिए। इसके साथ साथ मैं आपकों बताता हूं कि हिसार भाहर अब दो हिस्सों मे बटता जा रहा है एक रेलवे पुल को राइट पर और दूसरा उसकी लेफट पर। माडल टाउन के साथ इंडस्ट्रियल ऐस्टेट भी है। वहां पर भी लेकिन बस सर्विस नाकाफी है। इसलिये मेरी मुजारि ा है कि यदि वहां पर लोकल बस सर्विस 10 और 15–15 मिनट के बाद करदी जाये तो म। सरकार का बड़ा ही म कूर हूंगा। इससे लोगों को बड़ा आराम हो जायेगा और जो गरीब आदमी बहुत रहते है। मीडियम फैमलीज है जोकि स्कूटर वगैरा को अफोर्ड नही कर सकते है। कुछेक फैमिलीज को आप छोड़ दो। उनको छोड़कर या तो इन इलाकों मे ऐम्पलाइज रहते है या फिर दुकानदार रहते है। साथ ही माडल टाउन मे बच्चों के लिये एक स्कूल है। दो दो चार चार मील की दूरी पर जो लोग रहते है उनके बच्चों को आने जाने मे बड़ी तकलीफ होती है। स्कूटर रिक ाा वाले 2–2 चार चार रूपये से कम से कम पैसे नही मांगते। मेरे अपने हल्के मे एक गांव बीड़ है जिसकी आबादी कम से कम 10 हजार के करीब है और वहां पर एक स्कूल है जोकि 4 मील की दूरी पर है। हमारे

उस एरिये के बच्चों लड़के लड़कियों को वहां पर जाना पड़ता है। लोकल बस सर्विस अवेलेबल न होने के कारण बड़ी दिक्कत है। तो मेरी आप के द्वारा सरकार से गुजारि ा है कि लोगों की इन तकलीफों को देखते हुए वहां पर लोकल बस सर्विस भाुरू की जाये और एक बस कम से कम बचें के स्कूल टाईम के लिये सुबह और भााम चालू की जाये ताकि बच्चों को भी इतनी दूर जाने आने मे मुि कल पे ा न आये।

डिप्टी स्पीकर सहिबा, इसके बाद मैं पब्लिक हैल्थरा की तरफ आता हूं। मैं अपने हल्के के बारे मे, (जो मेरा रिवाइजड हल्का है) कहना चाहता हूं । उस मे केवल 3 विलेज रह गये उनमे दो गांव ऐसा है, जिनको पानी देने की समस्या है। एक गांव ऐसे है, जिनको पानी देने की समस्या है। एक गांव ऐसे है, जिनका पानी कमि नर साहब की कोठी को जाना है, वोस्टल जेल को जाना है, गवर्नमैंट कालेज को जाना है, सैक्रेरिटएट को जान है, और वहां पर जो गवर्नमैंट ऐम्पलाइज के क्वार्टर्ज बने है, उनको जाना है। तो मेरी सिर्फ यह रिक्वैस्ट है कि उस वाटर वर्कस से पाइपस वगैरह की ऐक्सटैं ान उस गांव की तरफ भी कर दी जाये तो उस गांव को भी पाने का पानी मिल जायेगा और ऐसा करने से कोई खास खर्चा भी नही होगा। एक और गांव है तलवन्डी नाना। बदकिस्मती से वहां पर कंसौलीडे ान आफ होल्डिंग्ज नही हो सकी क्योंकि इस मामले को कई लोग सुप्रीम कोर्ट तक ले गये। वहां पर पंचायतों के पास जमीन नही है। वे बैनीफि ायरी

भोयर भी नही दे सकते। इसलिये मेरी सरकार से गुजारि ा है कि सरकार वहां पर वाटर वर्कस लगाने के लिये उन से बैनीफि ियरी भोयर न ले और अपने ही खर्चे पर सब कुछ करे। इससे आगे मैं एक बात और बताता हूं। एक जुगलांण गांव है। वहां की पंचायत के ब्लाक से मुझे पता गला है कि एक गांव के कुएं मे एक औरत ने छलांग लगा कर खुदक ाी कर ली और उसका पानी इतना गन्दा है कि लोग उसको पी नही सकते। वह पानी बहुत गहरा भी है । लोगां ने वहां पर उसको साफ करने के बड़े प्रयत्न भी किये है। लोगो ने चरसों के जरिये भी सब कुछ किया है लेकिन उस कुएं का कुछ नही कर सके। पब्लिक हैल्थ वाले भी हमको आज तक टरकाते ही रहे है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैंने पब्लिक हैल्थ के ऐग्जैक्टिव इंजीरियर से भी खुद मिलकर बात की लेकिन फिर भी वहां पर सफाई वगैरह का कोई प्रबंध नही हुआ। उस गांव की पंचायत का यह जवाब था कि हम खुद अपने पल्ले से पांच सौ सात सौ रूपया भी लगाने के लिये तैयार है, लेकिन यह काम सरकार करवा दे, क्योंकि लोगों के पास इस काम को करने के लिये म ानरी नही है। म ाीनरी के बिना आप ही बताइये कि वे बेचारे क्या कर सकते है ? तो मेरी इस सरकार से पुरजोर अपील है कि है कि ज्यादा से ज्यादा इस काम को एक हफ्ते के अंदर अंदर करवा दिया जाये। मैं इस बारे मे किसी अफसर की ि ाकायत नही कर रहा हूं, हमारी तो सिर्फ यही प्रार्थना है कि यह काम जल्दी से जल्दी करवा दिया जाये।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, इससे आगे मैं सड़कों के बारे मे भी कुछ कहना चाहता हूं। गवर्नमैंट की आप पालिसी है कि कोई नई सड़क न बनाई जाये। इस पालिसी से मुझे एतराज नही है, लेकिन कम से कम मुझे अपने हल्के के इंट्रैस्ट को तो देखना होगा। एक गांव भााहपुर नूं है। वह गांव तलवन्डी रान से डेढ़ दो मील के फासले पर है। एक गांव मे स्कूल है और दूसरे मे स्कूल को अप ग्रेड इसलिये नही किया गया कि पास पास स्कूल है, पर वहां पर सड़क भी नही है, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मुझे पंडित जवाहर लाल नेहरू जी के वे भाब्द याद है– "We have entered into cycle age." आजकल स्कूलों मे जाने के लिये आमतौर पर लड़के लड़कियों साईकिलों पर जाते है, पर आप ही बताइये कि अगर सड़कें ही न होंगी, तो फिर लोग साईकिल पर जा नही सकेंगे। इस लिये कि अगर सड़कें ही न होंगी, तो फिर लोग साईकिल पर जा नही सकेंगे। इस लिये मेरी सरकार से गुजारि ा है कि इस बजट मे जो मैंटीनैंस के लिये रकम रखी गई है, उसमे से कुछ रूपया निकाल कर अगर यह सड़क का काम करवा दिया जाये, जिसके ऊपर कोई खास रूपया भी नही लगेगा, तो मैं उनका बहुत ही भाुक्रगुजार होऊंगा। मुख्य मंत्री साहब, अभी यहां पर नही है। उन्होंने इसबारे मे एक बाद वहां जाकर स्पीच भी की थी। मेरे पास टेप नही था। अगर उनकी स्पीकच टेप की होती, तो मैं सुना भी देता। उन्होंने कहा था कि हम यह सड़क बनवा देंगे, लेकिन आज तक यह काम नही हुआ।

इसके बाद मैं कैनाल्ज के बारे मे भी कहूंगा। यहां पर चर्चा चल रही है। कि इसके लिये ऐनुअल प्लैन मे 60 परसैंट अमाउंट रखा है। मैं इसका स्पोर्टर हूं। हिसार के अन्दर कुछ एरिया ऐसा है जहां पर लिफ्ट इरीगे ान की जरूरत है। जुगलाण गांव की भी छोटी सी स्कीम मेरी प्रार्थना है कि इस लिफ्ट इरीगे ान स्कीम के तहत उस इलाके को भी पानी मिलना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह सब बातें भी, जो कि मैं आपके जरिये सरकार के नोटिस मे लाना चाहता था। आ ाा है कि सरकार जरूर मेरी इन बातों पर ध्यान देगी। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री गौरी भांकर (नरवाला): डिप्टी स्पीकर साहिबा, हमारे फाईनैंस मिनिस्टर साहब ने यह जो बजट हमारे सामने रखा है मैं समझता हूं कि यह बहुत अच्छा बजट है। इसमे सरकार ने कोई नया टैक्स नही लगाया है। इसके लिये मैं अपनी सरकार को व फाईनैंस मिनिस्टर साहब को धन्यवाद देता हूं। इसके साथ मै यहां पर कुद बातें अर्ज करना चाहता हूं । आज जो पढ़े लिखे नौजवान है, उनकी तादाद बहुत ज्यादा है और हमारे यहां पर बेरोजगारी भी बहुत ज्यादा है इसके लिये मेरा एक सुझाव है कि हमें जल्दी ही स्माल स्केल इंडस्ट्री को लगाने के लिये कोई पग नही उठायेंगे तब तक यह बेरोजगारी की समस्या हल नही हो सकेगी। हमारे जो नौजवान पढ़े लिखे है, वह ऐग्रीकल्चर मे बहुत कम रूचि लेते है, अव्वल तो वह यह ऐग्रीकल्चर का काम ही नही करना चाहते। (इस

समय सभापतियों की सूची मे से एक सदस्य चौधरी मनफूल सिंह पदासीन हुए) चेयरमैंन साहब, मेरा कहने का मतलब यह है कि हमारे बच्चों का जो ट्रैंड है, सरकार को उनके मुताबिक ही चलना चाहिए, क्योंकि बच्चे ऐग्रीकल्चर मे कोई इतनी खास दिलचस्पी नही लेते। जब तक उनका ट्रैंड इंडस्ट्रीज की तरफ न लाया जायेगा, उस वक्त तक हमारे यहां की यह बेरोजगारी दूर नही हो सकेगी। इसलिये मै आपके द्वारा सरकार को तजवीज पे ा करता हूं कि स्माल स्केल इंडस्ट्रीज के बढ़ावे के लिये हमें एक बोर्ड बनाना चाहिये, जो इस चीज को देखे कि हमारे हरियाणा मे स्माल स्केल इंडस्ट्री कहां कहा चल सकती है। खास करके रूरल ऐरियाज मे इस चीज को देखा जाना चाहिए। अगर हम स्माल स्केल इंडस्ट्री ज्यादस से ज्यादा लगायेंगे तो इसकी प्राडक ान को हम बाहर भेज कर भी फायदा उठा सकते है। इस इंडस्ट्री को लगाने के लिये यह भी जरूरी है कि हम दूसरे मुल्कों मे जाकर देखे कि वहां की इंडस्ट्री किस तरीक से चलती हैं जैसे जापान है, वहां पर इतनी इंडस्ट्री है कि वहां के लोगो को जरूरत से ज्यादा रोजगार मिलता है। तो हमें वहां जाकर भी इसचीज की इनक्वायरी करनी चाहिए, जैसा कि मैंने पहले बताया कि इसके लिये एक बोर्ड या कमेटी बने वह बाहर के मुल्कों मे स्टडी करके आए और फिर जैसा सुझाव वह बोर्ड या कमेटी दे, उसके मुताबिक सारे भारतवर्श मे हमें स्माल स्केल इंडस्ट्री लगानी चाहिए। आज कल जो हमारे बच्चे है, वे नौकरियों के पीछे भाग रहे है। एक एक एम.एल.. के पीछे आजकल दो दो तीन तीन सौ बच्चे लगे रहते है कि हमारी

नौकरी लगवाओं । तो इतने बच्चो को राजगार दिलवाना एक एम. एल.ए. के बस की बात नही है। इसलिये चेयरमैंन साहब मैं आपके द्वारा सरकार से प्रार्थना करूंगा कि आजकल के जो पढ़े लिखे लड़के है, उनको किसी इंस्टीरूचूट मे ट्रेनिंग दिलवा कर उनकी स्माल स्केल इंडस्ट्रीज लगवाई जाये। इस समय अगर कोई ऐसी इंडस्ट्री लगाने की कोि ा ा भी करता है, तो उसको बड़ी डिफिकल्टी आती है, क्योंकि लोन देनै के हमारे जो कायदे कानून है, वे बहुत ही ज्यादा भार्ते रखते है, जिनको कि हर आदमी पूरा नही कर सकता। इसलिये वे भार्ते भी आसान बनाई जानी चाहिए, ताकि वे लोग लोन वगैरह लेकर अपना काम चला सके। इसलिये मैं आपके द्वारा सरकार की सेवा मे अर्ज करना चाहता हूं कि इसकी तरफ ज्यादा से ज्यादा ध्यान दिया जाये। अगली बात मे खेतीबाड़ी के मुताल्लिक कहना चाहता हूं। आज खेतीबाड़ी मे भी काफी सुधार की जरूरत है और हरियाणा सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा हम जो खाद और बीज किसानों को देते है, वह देने से हले इस चीज को देखा जाना चाहिए, कि कौन सा बीज कौन सी जमीन के लिये ठीक रहेगा, क्योंकि हमारे जमीदारों को पता नही होता कि कैसी जमीन पर कैसा बीज डालना चाहिए। इसके लिये एक सर्वे रिपोर्ट तैयार करवाई जाये, जो कि इस चीज को देखे कि कौन से इलाके के लिये कौन सा बीच और कौन सी खाद उपयुक्त है। इस समय हमारी ऐग्रीकल्चर का जो काम है, वह बिल्कुल ठप्प है। पहले हमारे यहां ग्राम सेवक होते थे, जो कि खेतीबाड़ी के मुताल्लिक थोड़ी बहुत सहायता देते

थे, लेकिन अब ग्राम सेवक जो है उनकी पोस्टें खत्म करके पंचायत सैक्रेटरी बना दिये गये है। पंचायत सैक्रेटरी जो है, वे इस काम को नही करते है, इसलिये मै सरकार से प्रार्थना करूंगा कि ग्राम सचिव की पोस्टें फिर बनाई जाये, बल्कि पहले से भी ज्यादा बनाई जाये और जो पंचायत सैक्रेटरी जो है, उनसे यह काम न लिया जाये, वे पंचायत का काम सम्भालें। इन लोगों को एरिया बांट देना चाहिए और उस एरिया मे ये लोग जाकर किसानों को बताएं कि आपको इस इस किस्म की खाद और बीज इसतेमाल करने चाहिए कि जिस वक्त बीज का सीजन आए, उससे कम से कम दो महीने पहले बीज आ जाना चाहिए। अब क्या होता है कि बीज लेट आते है, और किसान उनका इस्तेमाल नही कर पाते इसलिये वह मार्किअ मे चले जाते है और वहां उनका नाजायज फायदा उठाया जाता है। इसलिये सरकार से मेरी फिर प्रार्थना है कि बीज और खाद का सीजन के मुताबिक इंतजाम होना चाहिए। एक चीज और कि जो बीज आते है, वे अच्छी किस्म के नही आते। पिछली दफा मैंने बताया था कि बाजरे का हमारा कितना नुक्सान हुआ। तो उसवक्त कहा गया कि यह नै ानल सीड कार्पोरे ान से आया है। अगर बीज ठीक न आने की वजह से जमींदार का नुक्सान होता है तो उसको उसका मुआवजा मिलना चाहिये और जिस ऐजेंसी ने ऐसा बीज सप्लाई किया है उसके खिलाफ ऐक ान होना चाहिए। लेकिन ऐसी एजेंसियों के खिलाफ चूंकि ऐक ान नही लिया जाता है इसलिये वे खराब बीज ही बनाती रहती है। सरकार से मेरी फिर प्रार्थना है कि खेती बाड़ी के

लिये जो बीज आये, वह अच्छी किस्म का आए ताकि हमारीपैदावार मे बढौतरी हो सके। अगली बात यह कि हमारे जो नौजवान लड़के हे, उनके लिये सरकारको चाहिए कि वह एक सैंअर कायम करे ताकि वे ऐग्रीकल्चर के बारे मे वहां से पूरी तरह से ि ाक्षा प्राप्त कर सके। इस समय जो तालीम का सिस्टम हे, यह सिस्टम ठीक नही है ? सरकार को चाएिह कि आठवीं के बाद लड़कों को ऐसी ि ाक्षा भाुरू करवा देनी चाहिए। आठवी के बाद जो लड़का इंडस्ट्री की तरफ जाना चाहे उधर जाए और अगर ऐग्रीकल्चर की तरफ जाना चाहे, तो उधर चला जाये। अगली बात मैं बिजल के मुताल्लिक कहना चाहता हूं। बिजली की आत कल हमारे हरियाणा मे बहुत भाार्टेज है। यह ठीक है कि बिजली के लिये हमारी सरकार बहुत कोि ा ा कर रही है और मैं इसके लिये सरकार की सराहना भी करता हूं। लेकिन इसके साथ साथ सरकार ने एक बात बहुत गल्त भी की हुई है। वह यह है कि जब हम किसी को बिजली स्पेयर थी, उस वक्त हमने यह एम.सी.जी. क्यो लगाए ? जिसवक्त हमारे पास बिजली स्पेयर थी, उस वक्त हमने यह एम. सी.जी. वसूल करने का हमें कोई हक नही है। इसलिये चेयरमैन साहब, मैं आपके द्वारा सरकार से अर्ज करूंगा कि इसको हटाया जाये। आपको तो लोगो का भाुक्रिया अदा करना चाएि कि वे बिजली कम इस्तेमाल करते है। दूसरे बिजली का जो नीचे का स्टाफ है, जैसे एस.डी.ओ. या लाइन सुप्रिन्टैंडेंट वे लोगो को बहुत हैरान करते है। अगर किसी अदमी को कनैक ान लना होता है तो वे कहते है कि हमारे पास सामान नही है। ठीक है सामान की

भाार्टेज है, लेकिन बोर्ड जो उनको थोड़ा बहुत सामान देता है उसका वह नाजायज फायदा उठाते है। जो आदमी तो उनको दो चार सौ रूपया दे देता है, उसको तो सामान भी मिल जाता है और कनैक ान भी मिल जाता है और जो गरीब आदमी पैसा नही दे सकता, उसको जवाब दे देते है कि हमारे पास सामान नही है। तो सरकार को इस तरफ भी ध्यान देना चाहिए। आज कल जबकि इंडस्ट्री को भी बिजली कम मिलती है, तो उसके ऊपर भी एम.सी. जी. बंद करनी चाहिए। अगली बात यह है कि दे ा मे जो आबादी बढ़ रही है, उसको रोकने के लिये हमारे फैमिली प्लैनिंग का काम भी ठीक नही है। आज कल जो सिस्टम बनाया हुआ है उसमे तमाम अफसरों को डयूटी लगाई हुई कि तुम इतने केस दो और तुम इतने दो। ऐसा करने से जो एस.डी.एम. तहसीलदार या और दूसरे अफसर है, उनके अपने काम मे बाधा पड़ती है। इसलिये मैं समझता हूं कि भारत सरकार को हमें निवेदन करना चाहिए कि वह ऐसा कानून बनाए ताकि कानूनी तौर पर सबको फैमिली प्लानिंग करनी चाहिए । अगर यह न हो सके, तो सरकार कोई और इंतजाम करें ताकि दूसरे अफसरों को अपने काम मे नुक्सान न उठाना पड़े।

दूसरी चीज मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि हमारी जो मार्किट कमेटियां है, उनकी आमदनी का 60 फीसदी हिस्सा तो सरकार के पूल मे चला जाता है, 30 फीसदी बोर्ड ले लेता है और बाकी मार्किट कमेटी के पास सिर्फ 10 फीसदी बचता है जिसे वह

अपने काम मे ला सकती है, लेकिन इस पैसे से कमेटी का सारा लोकल काम नही चल सकता। इसलिये मैं इस बारे मे यह सुझाव देना चाहता हूं कि बोर्ड को जो तीस फोसदी हिस्सा जाता है, उसे घटा कर बीस फीसदी कर दिया जाये और यह दस फीसदी लेकर मार्किट कमेटियों को दे दिया जाये, जिससे उनके पास बीस फीसदी हो जाये ताकि कमेटियां अपने लोकल काम ठीक ढंग से कर सके। इसके साथ मैं सरकार से यह कहना चाहता हूं कि इस वक्त ये जो तीन टैक्स चल रहे है, प्रापर्टी टैक्स, हाउस टैक्स और प्रोफै ानल टैक्स इनके बारे मे भी सोचा जाये, और इनके लगाने के ढंग को रिवाइज किया जाये। इस बारे मे मेरा सुझाव यह है कि जिस आमदनी एक हजार रूपये है उस पर यह नही लगने चाहिएं, क्योंकि आजकल मंहगांई के जमाने मे पांच सात सौ और एक हजार की आमदनी कोई मायने नही रखती इसलिये इस आमदनी वाले आदमी पर यह तीनो टैक्स अगर लगा दिये जाये, तो यह ज्यादती वाली बात होगी, क्योंकि इतनी आमदनी मो तो आजकल गुजारा नही होता। इसके अलावा मेरा इस बारे मे यह सुझाव है कि इन तीनों टैक्सों को एक ही कर दिया जाये। अगर किसी वजह से यह तीन एक नही हो सकते, तो कम से कम यह कर दिया जाये, कि इनके लगाने के लिये एक हजार रूपये की आमदनी की लिमिट रख दी जाये। अब मैं कुद बातें अपने हल्का के बारे मे अर्ज करना चाहता हूं।

मेरी अर्ज यह है कि हमारी नरवाना की कमेटी को माली सहायता दी जाये क्योंकि वह बहुत माली तंगी मे है। दूसरी बात यह है कि बेलरखा माईनर जो हे वह अम्बरेसर गांव तक बना हुआ है और उससे आगे बताना छोड़ दिया गया है। मैं निवेदन करता हूं कि उसे आगे बेलरखा गांव तक ऐक्सटैंड कर दिया जाये। यह फासला तो दो तीन किलोमीटर का ही है, इसलिये इसे अगर आगे बेलरखा तक बढ़ा दिया जाये, तो बहुत सारे गांव को फायदा हो सकता है और उनको पानी मिल सकता है। इसके अलावा बेलरखा गांव मे मवे ि ायों के लिये पानी पीने के लिये कोई जगह नही है, कोई घाट नही है, इसलिये मेरी प्रार्थना है, बरवाला लिंग नहर पर एक मवे ि ायों के लिये घाट बनाया जाये। इस वक्त घनौरी से लेकर नरवाना तक कोई घाट नही बना है। पानी पीने की बात तो अलग है, अगर उसमे कोई मवे ी गिर जाये, तो उसे निकालना मु ि कल हो जाता है। घाट के बना देने से एक तो दो तीन गांव के मवे ि ायों के लिये पानी पीने की सहूलियत मिल जायेगी, दूसरे और कोई मवे ी गिर जाए, तो उसे बाहर निकालने मे आसानी हो जायेगी। मैं यह भी अर्ज करना चाहता हूं कि हरिपुरा माइनरको घनौरी तक बनाया जाये। एक अर्ज और करता हूं कि बरवाला लिंग नहर पर एक माइनर बेलरखा मे या इससे पीछे निकाल दिया जाये, क्योकिहमारे 10–15 गांव को फायदा पहुंच सकता है। सिरसा ब्रांच और बरवाला ब्रांच दोनों के हैड जो बदनपुर गांव मे है, फतेहाबाद डिवीजन मे पड़ते है, और वह हमारे सारा माइनर को पूरा पानी नही देते। इस लिये मेरी अर्ज कि है इनके हैड

फतेहाबाद से नरवाना को तब्दील किये जाये। इस बार मे ऐक्स.ई. ऐन. को केस भेजा हुआ है और मै इरीगे ान मिनिस्टर साहब से अर्ज करूंगा कि वह इसे जल्दी करवाने की कृपा करें। इसके नरवाना डिवीजन एरिया के 18 गांव ऐसे है, जो फतेहाबाद कैनाल डिवीजन मे है। इस नरवाना तहसील के गांवो को बहुत तकलीफ होती है इसलिये मेरी यह अर्ज है कि इन गांवों को नरवाना डिवीजन मे तबदील कर दिया जाये और यह पहले भी नरवाना डिवीजन मे हुआ करते थे। खारा माइनर का हैड बहुत पुराना बना है और उसे रिपेअर करने की बहुत जरूरत है। इसके साथ ही ढाबी पुल जो घमतान माइनर पर है, उसकी एप्रोच को भी रिपेअर किया जाये। इसके साथ ही खरल गांव में लोगों ने मवे ि ायों के हस्पलाल के लिये काफी पैसा लगाकर बिल्डिंग बनाई हुई है, तो मेरी अर्ज है कि उस मे मवे ि ायों के लिये अस्पताल खोलने की कृपा की जाये। अब मैं कुछ रोड़ज के बारे मे सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। नरवाना टोहाना रोड जो है वह कई साल से मंजूर हुई है, और कालां गांव तक बन चुकी है, बीच मे सिर्फ तीन किलोमीटर का गेप रहता है, उसे पूरा किया जाये, ताकि वहां के लोगों को सुविधाा मिल सके, क्योंकि इस वक्त लोगों को टोहाना जाने के लिये 15 मीन का चक्कर लगाकर जाना पड़ता है। एक दाता सिंह वाला कलायत रोड़ है, जो काफी बन चुकी है, लेकिन सिर्फ तीन छोटे छोटे गैप बीच मे बनने बाकी है, उनको बना दिया जाये, ताकि लोगो को आराम मिले। एक गुरथली नरवाना रोड़ है, जिस पर सोलिंग हो चुकी है, मैटीरियल भी उस पर पड़ा है,

इसलिये उसे जल्दी पक्का किया जाये। (इस समय उपाध्यक्षा पदासीन हुई) यह तो हुई रोड़ज की बात । अब मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि हमारे नरवाना मे ऐ विमैन कालेज है, उसके लिये ग्रांट के लिये हमारी मार्किट कमेटी ने एक लाख रूपया रखा है और केस गवर्नमैंट की स्वीकृति के लिये भेजा हुआ है। तो मैं प्रार्थना करता हूं कि वह ग्रांट मंजर करने की कृपा करें ताकि काम ठीक हो। इन भाब्दों के साथ मैं आपका भाुक्रिया अदा करता हुआ अपना स्थान लेता हूं और जो बजट पे । किया गया है, उसकी ताईद करता हूं और फाईनैंस मिनिस्टर साहब का भी धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने बगैर टैक्स लगाए बजट पे । किया है।

(इस समय कई माननीय सदस्य बोलने के लिये खड़े हुए)

उपाध्यक्षाः श्री धजा राम।

श्री धजा राम (सफीदो): डिप्टी स्पीकर साहिबा, इससे पहले कि मैं कुछ कहूं मैं सबसे पहले आपका भाुक्रियां अदा करता हूं कि आपने इतने मैंबर साहिबान खड़े होने के बावजद मुझे बोलने के लिये टाईम दिया।

उपाध्यक्षाः मैं यह ख्याल रखती हूं कि जो पीछे वाले है अक्सर उनको टाईम नही मिलता है, इसलिये मैंने आपको call upon किया है।

श्री धजा रामः मैं कई आइटम्ज पर बोलना चाहता हूं इसलिये मुझे जरा टाईम खुला देने की कृपा करें, मैं चाहता था इस वक्त चौधरी दल सिंह जी यहां पर होते लेकिन बदकिस्मती कि वह यहां नही है और वाक आउट कर गये हुए है (विघ्न) कोई बात नही, अगर यहां होते तो जरा मजा होता। तो सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि मित्तल साहब ने जो यह बजट पे ा किया है, यह बहुत अच्छे ढंग का है और मै तो कहता हूं कि उन्होंने अपनी काबलियत का अच्छा सबूत दिया है, क्योंकि हर डिपार्टमैंट को ठीक ढंग से फंडज प्रोवाइड किये है। सबसे पहले मे फैमिली प्लानिंग के बारे मे अर्ज करना चाहता हूं । आज हमारा दे ा बड़े नाजुक दौर मे से गुजर रहा है। मैं मानता हूं कि क्या खेती और क्या इंडस्ट्री, सब मे पैदावार बढ़ी है।

इसमे कोई भाक नही है, नेकिन जितनी असलियत कोमोडिटीज है, डेली रूटीन की डिमांड है, उसको हम मीट आउट नही कर सकते। वैसे बजट मे फैमिली प्लानिंग के बारे मे ही रिक्वैस्ट हे कि इसके लिये जब तक कोई स्पैसिफिक लैजिस्ले ान नही लाया जाता, तब तक दे ा की बढ़ती हुई जनसंख्या नही घटेगी। इस तरह से अगर आबादी बढ़ती रहेगी, तो एक दिन आएगा कि यह एक बहुत बड़ी प्रोब्लम बन जायेगी। सरकारी आंकड़ों का जहां तक ताल्लुक है, 1901 मे जनसंख्या पौने 24 करोड़ थी। इस तरह 1971 की सैंसिज के मुताबिक पौने 55 करोड़ तक बढ़ी और आज जो साल चल रहा है, 1975 इसमे

लगभग 60 करोड़ के करीब है। इस तरह से अगर आबादी बढ़ती रही, तो सन 2000 तक मेरे ख्याल मे एक अरब से ज्यादा आबादी ऐक्सीड कर जायेगी। मेरे कहने का मतलब यह है कि बढ़ती हुइ आबादी को रोकने के उपाय किये जाये। वैसे सरकार ने इस दि ाा मे काफी कुछ किया है। फैमिली प्लानिंग अच्छी चीज है, लेकिन जब तक एक कानून नही बनाया जाता और जब तक कोई लैजिस्ले ान नही लाया जाएगा तब तक आबादी बढ़ने से नही रूक सकती। फैमिली प्लानिंग मे गरीब आदमियों को पकड़ते है कि नसबंदी करवाओं। वे करवा लेते है, लेकिन यह हर एक आदमी के लिये चाहे वह किसान है, चाहे कारखानेदार है, सब के लिये एक जैसा कानून बनाना चाहिए। अगर कानून नही बन सकता, तो मैं यह स्पश्ट कहनाचाहता हूं कि वे दिन दूर नही जब लोगो को रहने के लिये मकान नही मिलेगा, खने के लि अनाज नही मिलेगा और पहनने के लिये कपड़ा नही मिलेगा। इसलिये मै गुजारि ा करूंगा कि जहां हरियाणा सरकार दूसरे कामों मे पहल कर रही है, ट्रांसपोर्ट क्या, रोड़ज क्या, गांव गांव मे इलैक्ट्रिसिटी क्या, वहां बढ़ती हुई आबादी की तरफ भी कोई कंस्ट्रक्टिव काम करके पहल करे। मैं चीफ मिनिस्टर साहब से गुजारि ा करूंगा कि जहां उन्होंने इन चीजों मे पहल की है, वहां इस तरफ भी ध्यान दे। मेरा ख्याल है कि हरियाणा सरकार की तरफ से सबसे पहले कानून बनेगा। स्टेट गवर्नमैंट इस चीज को कंसीडर करके लैजिस्ले ान लाए। यह दे ा की तरक्की के लिये, राश्ट्र की मजबूती के लिये अच्छा कदम है।

दूसरी बात मैं ऐग्रीकल्चर के बारे मे कहना चाहता हूं । सदन के बहुत से भाईयों ने ऐग्रीकल्चर के बारे मे, किसानों के बारे मे, बिजली के बारे मे बहुत सी बातें की। यह ठीक है, अपने अपने सुझाव होते है। मेरा ख्याल यह है कि मित्तल साहब ने जो बजट पे ा किया है, इससे अच्छा हो नही सकता, मैंने इसको अच्छी तरह पढ़ा है। खेतीबाड़ी और पावर ऐंड इरीगे ान के लिये जो फण्डज इस बजट मे प्रोवाईड किये गये हैं वे बिल्कुल सही है। मेरे ख्याल मे आप किसी भी स्टेट का बजट पढ़े, इससे बढ़िया बजट आप किसी स्टेट का देख नही सकेंगे। जो भाई इसको क्रिटिसाईज करते है, वे आदत से लाचार है। मेरे ख्याल मे हरियाणा सरकार और चौधरी बंसी लाल को, किसान को जितना ख्याल है, उतना किसी स्टेट के चीफ मिनिस्टर को हनी हो सकता। ध्यान होना भी चाहिए, क्योंकि वे खुद किसान है, इनसे ज्यादा किसान के बारे मे कौन सोच सकता है ? इरीगे ान मे जितनी तरक्की हुई है, वह सब जानते है, सरकारी आंकड़े है और लोगों को पता है कि टयूबवैल के कितने कुनैक ान मिले है। सरकारी आंकड़े है, मैं इनको रिपीट नही करना चाहता, अगर रिपीअ करूं, तो समय लगेगा। मेरा ख्याल है कि इरीगे ान और पावर मे स्टेट इलैक्ट्रिीसिटी बोर्ड ने जो काम किया है वह सराहनीय है। इस फैक्ट को कोई डिनाई नही कर सकता। अब मै अपने हलके की तकलीफ आपके सामने रखना चाहता हूं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मेरा हलका कांग्रेस का हलका है, लेकिन हमारी यह बदकिस्मती रही है कि हम गुलामों के गुलाम रहे है। पहले

अंग्रेजों के गुलाम रहे और फिर राजे महाराजाओं के गुलाम रहे। हमें पता है। जिस वक्त महाराज जींद, संगरूर से दौरे पर इस इलाके मे आते थे, तो हमारे हरिजन भाई, किसान भाई, दुकानदार, नाई, धोबी सब के सब फ्री काम करते थे, हमे यह अच्छी तरह से मालूम है। इस इलाकें की तरफ कोई ध्यान नही देता था। पिछले 6 सालों मे, चौधरी बंसी लाल जी पहले चीफ मिनिस्टर है, जिन्होंने सफीदों के हलके की तरफ ध्यान दिया है। डिवैल्पमैंट हुई है, लेकिन फिर भी मेरी उनसे गुजारि ा है कि सफीदों का इलाका, खास तौर से जींद डिस्ट्रिक्ट बहुत पिछड़ा हुआ है। जैसे कि मैंने कहा कि यह इलाका गुलामों का गुलाम रहा है, इसको हरियाणा के दूसरे डिस्ट्रिक्ट के बराबर लाया जाये। महेंद्रगढ़ भिवानी, हिसार और गुड़गांव जिलों मे जो फैमिलिटीज दी जाती हे, वही फैसिलिटीज जींद डिस्ट्रिक्ट को भी दी जानी चाहिए, क्योंकि जींद एक बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट है, पिछड़ा हुआ डिस्ट्रिक्ट है, इसकी जितनी तरक्की होनी चाहिए वह नही हुई। इसलिये डिप्टी स्पीकर साहिबा, मेरी सरकार से गुजारि ा है कि जींद डिस्ट्रिक्ट को अगर प्रायरिटी दे, तो बहुत अच्छी बात है। इसमे कुछ एक माइनर है, जिनके बारे मे खास तौर पर कहना चाहता हूं। पानी किसान के लिये एक अहम चीज है। आप अच्छी तरह से जानते है कि किसान मेहनत करता है, वैसे तो सारे हरियाणा का किसान मेहनती होता है, दौलता साहब, भाायद इस बात को माईंड करेंगे। रोहतक जिले के लोग बहुत बहादुर है, काम करते है, मेहनती भी है, लेकिन उनमे एक कमजोरी है कि

उनकी औरते खेत मे काम करती है और जो गांव के आदमी है, वे ता ा खेलते रहते है। इसी तरह से दूसरे डिस्ट्रिक्टस है, भाायद मित्तल साहब और सी.एम. साहब यह बात महसूस न करे। वहां साधन न होने की वजह से डैजर्टिड ऐरिया है, पानी लगता नही है। इस सिलसिले मे मै ऐ देहाती मिसाल देना चाहता हूं । एक बागड़ी ने ईख बो रखा थां जब ईख पेलने के लिये कोहलू चला तो 60 घरों का इकट्ठा कोहलू चला। उस कोहलू मे बागड़ी की बारी पहले नम्बर पर आ गई। पहले नम्बर पर आने से उसको 100 मन गुड़ आ गया उसके पास एक किल्ला ईख था, वह सारा खत्म हो गया, लेकिन दूसरी बार बारी नही आई। उसने चौधरन से कहा कि मटो खेती ईख की करे, लेकिन बाद मे उसकी बारी नही आई और दूसरे किसानों की बारी आती रही। वह फिर चौधरन से कहता है कि मटी ईख की खेती कुछ नही, इसकी आगड़ी अच्छी है, पाछड़ी कुछ नही है। –(हंसी)– मैं कह रहा था कि जींद डिस्ट्रिक्ट का किसान बहुत मेहनती है, वैसे तो सारे हरियाणा का किसान मेहनती है, लेकिन जींद डिस्ट्रिक्ट के किसान मे यह खास खूबी है कि वह अकेली औरतो को खेत मे नही भेजतां आदमी पहले खेत मे काम करने के लिये जाते है। औरते तो बैलों के लिये चारा वगैरा या खाना लेकर जाती है तो कहने का मतलब यह है कि उनको अगाड़ी और पछाड़ी का पता है। मेरे हलके मे दो माइनर का निकलना जरूरी है। एक गंगोली माइनर के साथ होि ायारपुरा, कलोपी, खर्कगागड़, कालवा, हावड़ा, भागखेड़ा, और गंगोली गांव को पानी लगेगा। इन गांवों का तकरीबन 10 हजार

एकड़ का ऐा रकबा है, जो बिल्कुल ड्राई है। अगर किसी दोस्त को यकीन न हो, तो मेरे हल्के मे आये और अपनी आंखों से देख ले। किसान मेहनत करता है, सुबह से भााम तक मेहनत करता है, अगर उसको पानी न मिले, तो उसका दिल टूट जाता है। यह आपको अच्छी तरह से मालूम है कि किस तरह से किसान काम कर रहा है। लोन लेकर वह अपनी काम चला रहा है। उसको सरकार ने फैसिलिटी दी हे, इसमे कोई भाक नही है। लेकिन उस फैसिलिटीज के बावजूद भी एक किसान अपने खेत मे यदि बीज बो देता है और बाद मे उसको पानी न मिले, तो पैदावार किस तरह बढ़ सकती है? इससे तो वह कर्जे के अंदर दब जाता है। इसलिये किसान को पानी दिया जाना बहुत जरूरी है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, जैसा मैंने पहले कहा मेरे हल्के मे दो माईनर्ज निकाली जाये। एक तो रोहड़ माईनर है, जो कि जींद नं. 1 मे से निम्नाबाद गांव के पास से निकलकर मिलखपुर, थे मिलखपुर से होती हुई रोहड़ तक है। इसे कृपा जल्दी से जल्दी बनाया जाये, क्योंकि इसके बिना काफी रकबा पानी के बिना पड़ा है। अगर यह बन जाये, तो इससे एक तो पैदावार बढ़ेगी, और दूसरे किसान खु ाहाल होगा। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

स्पीकर साहब, पिछले दिनों गुप्ता साहब सफीदों गए थे। इन्होंने कहा था अगर गांव के लोग जमीन दे, तो हमें नहर निकालने मे कोई ऐतराज नही, हम गौर कर सकते है। मैं उन्हे, आपके द्वारा बताना चाहता हूं कि लोग वहां जमीन देने के लिये

तैयार है। इसी तरह से स्पीकर सहब, दूसरी माईनर गंगोली माईनर है। यह जींद नं. 3 मे से आर.डी. 50940 लैफ्ट के पास से निकलेगी और इस सभी गांवों होि ायरपुरा, कालावती, खर्कगागड़ा, हाडवा, भागखेड़ा, कालवा और गंगोली भाामिल होंगे। इससे भी आठ हजार एकड़ के करीब रकबा सैराब होगा, और जिसका परिणाम यह होगा कि पैदावार बढ़ेगी और किसान खु ाहाल होगा, और जिसका परिणाम यह होगा कि पैदावार बढ़ेगी और किसान खु ाहाल होगा। इसके बारे मे भी लोगों ने यह कहा हे कि हम फ्री जमीन देने के लिये तैयार है। जहां से सरकार चाहे, वहां से ामइनर निकाली जा सकती है। यहां तक लोग को आप्रे ान देने के लिये तैयार है। तो स्पीकर साहब, मैं आपकी मारफत सरकार से एक बार फिर निवेदन करूंगा कि इन माइनर्ज की तरफ सरकार जरूर ध्यान दे, क्योंकि आज बढ़ती हुई जनसंख्या, के लिये अनाज की बहुत जरूरत है। इसमे कोई भाक नही कि हमारी हरियाणा सरकार ने पिछले सालो मे अनाज की काफी पैदावार बढ़ाई है। पहले हम जहां सैंट्रल पूल से अनाज लेते थे, वहां आज हम लाखों टन के करीब अनाज सैंट्रल पूल मे देते है। ये सरकारी आंकड़े है और मैं इन्हें रिपीट नही करना चाहता, लेकिन इसमे कोई भाक भाुबह की बात नही कि हरियाणा के किसान ने खेती बाड़ी करने वाले लोगो को और हरियाणा की सरकार ने खेती के मामले मे तरक्की की है। लेकिन फिर भी किसान को अगर पूरा पानी दिया जाये, तो पैदावार और भी ज्यादा हो सकती है। सारे हरियाणा के अन्दर आज किसान सब्र

नही कर सकता। आज वह उतावला है, आज किसान को और भी स्पीडिली जितने भी ज्यादा से ज्यादा साधन दे सके उतने ही मैं कम समझता हूं।

स्पीकर साहब, चूंकि गुप्ता साहब अब हाउस मे आ गए है, इसलिये इनमे मैं एक और बात आपकी मारफत कहना हूं। मेरे इलाके मे करीब 45 टयूबवैल्ज एम.आई.टी.सी. ले लगाए है। स्पीक साहब, यह बात मैंने गुप्ता साहब को जब ये 4 अप्रैल, 1974 को सफीदों गए थे, तब भी कही थी। चट्ठा साहब से भी मैंने गुजारि ा की थी और मेरा ख्याल है सी.एम. साहब के नोटिस मे भी, जब ये भी पिछले दिनो वहां गये थे, लोग इस बात को लाए थे। दिक्कत यह है, स्पीकर साहब, कि वे जो सरकारी टयूबवैल्ज है, उनकी बाराबंदी बड़े गलत तरीके से टाईमिग्ज के हिसाब से बनाई गई है। बिजल आपको पता है रात बारह बजे आती है और 6 घंटे या 8 घंटे ही केवल रहती है। अब आप ही बताएं कि इससे सब आदमियों को कैसे पानी मिल सकता है। जिसकी बारी सुबह आठ बजे से लेकर रात बारह बजे तक पड़ती है, वह तो रोज ही पानी के बगैर रहा जाता है और जिसकी बारी रात बारह बजे से लेकर सुबह 8 बजे तक यानी जब तक बिजली रहती है, पड़ती है, उनको रोज पानी मिल जाता है । इसलिये मेरी गुजारि ा है कि इस वाराबंदी को चेंज करवाया जाये और जिन घंटों मे बिजली मिलती है उन्ही आवर्ज के मुताबिक किसानों को बिजली दी जाये। स्पीकर साहब सरकार तो पालिसी अच्छी बनाती है, किसान को

खु ाहाल बनाने के लिये, किसान के ऊपर उठाने के लिये, लेकिन जो नीचे छोटे मुलाजिम है, वे सरकार को कोआप्रेट हनी करते, वे किसायन की मजबूरी को नही समझते। इसलिये मेरी आपके द्वारा सरकार से यह भी गुजारि ा है कि ये जो छोटे लेवल के मुलाजिम है, इसके वि द्ध सख्ती के कदम उठाने की जरूरत है। अब जमाना तेजी से चल रहा है। सरकार भी तेजी से कदम बढ़ा रही है। इसलिये कर्मचारियों को भी तेजी से कदम बढ़ाने चाहिए।

स्पीकर साहिब, जिस वक्त हरियाणा वजूद मे आया, हमारे साथी स्टेट के भाई यह कहते थे कि हरियाणा छोटी स्टेट है, हरियाणा एक बेकवर्ड स्टेट है, हरियाणा एक पिछड़ी हुई स्टेट है और हरियाणा ऊपर नही उठ सकेगा । आज इस संबंध मे हमें बहुत कहने की जरूरत है कि हरियाणा जो फर्स्ट नवम्बर, 1966 को हिन्दुस्तान के नक ो पर एक रो ानी बन कर आया था, वह आज हिन्दुस्तान मे कई मामलों मे कई इ ूज मे, डिवैल्पमैंट के हिसाब से सबसे पहली स्टेट है। यह सब, स्पीकर साहब, हमारे चीफ मिनिस्टर साहब की मेहरबानी से है। हमें सौभाग्य से एक अच्छे चीफ मिनिस्टर मिले है। वे बहुत काम करने वाले है और दिन रात काम करने वाले है। जैसा दौलता साहबन ने कहा वे तो सोते भी बहुत कम है। रात को दो दो तीन तीन बजे तक कभी चीफ इंजिनियर को बुलाते है, कभी मिश्रा साहब को बुलाते है, ओर कभी किसी को बुलाते है। जिस आदमी को इतनी लग्न हो, जो किसान के लिये, हरिजन के लिये, के लिये, बैकवर्ड क्लासिज

के लिये, छोटे दुकानदार के लिये, इंडस्ट्रीयलिस्टस के लिये यानी तमाम हरियाणा की डिवैलपमैंट के रात दिन सोचता रहता है, उसके बारे मे या हरियाणा स्टेट मे अपोजी ान के भाई किस मुंह से कहते है कि हरियाणा मे कुछ नही हो रहा ? बड़े कमाल की बात है। अच्छा होता वे भाई हाउस मे होते। उनके सामने अगर मैं ये बातें कहता तो बड़ा मजा आता । स्पीकर साहब, मैं बताना चाहता हूं कि वे भाई 22–23 साल तक पावर मे रहे, लेकिन कुछ भी नही कर सके। एक मजेदार बात, स्पीकर साहब, मैं और बताना चाहता है। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा इस हाउस मे नोटिस मे यह लाना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान के सबसे पहले डिफैक्टर चौधरी दल सिंह है, जिन्होंने सन् 1952 मे पैप्सू मे सबसे पहले कांग्रेस छोड़ी और और भाायद दो दिन के बाद रात को जब ये बाबू दया कृश्ण के पास गये तो उन्होंने कहा कि तुमने बहुत गलती की। उसी वक्त रात को ये कर्नल रघुबीर सिंह जी की कोठी पर गये, जो कि उस समय चीफ मिनिस्टर होते थे, उनके इन्होंने माफी मांगी.....

श्री अध्यक्षः तो स्पीकर साहब, यह नाम वाली बात मैं विदड्रा करता हूं। स्पीकर साहब, मेरे कहने का मतलब यह था कि यह कहना कि हरियाणा मे कुछ नही हुआ, यह एक बेबुनियाद बात हे और इस तरह की बाते सिर्फ पीछे गैलरी मे बैठे हुए लोगो को दिखाने के लिये बढ़ा चढ़ा कर कही जाती है। बातें हम भी कर सकते है, लेकिन हम उनकी तरह गलत बाते नही करना चाहते ।

इसके बाद स्पीकर साहब, एक बात मैं और कहना चाहता हूं। यहां नहरों के बारे मे बात आई । एक भाई ने कहा कि मैं जानता हूं नहरें कहा कि मै जानता हूं नहरे कहां निकली, कैसे निकली और किस इलाके मे निकली। स्पीकर साहब, खास कर मेरे अपने हल्के के बार मे है। हम तो चीफ मिनिस्टर साहब के आभानी है। मेरे हल्का सफीदों मे यह पोजी ान थी कि हर साल फ्लडज आते थे। मुझे याद है कि ड्रेन नं. 8 से सारे पंजाब और यू.पी. का पानी वहां आता था और रोहतक तक के सारे इलाके मे लाखों और करोड़ों रूपये की फसल बरबाद हो जाती थी। किसान का आर्थिक ढांचा बिगड़ चुका था, लेकिन पिछले 6 साल से हमें कुछ राहत मिली है। अगर इन हालात मे इंदिरा गांधी कैनाल मेरे हल्का मे अंटा गांव के पास से निकाल कर चौधरी बंसी लाल जी ने मरते हुए लोगों को तबाही से बचाया है और जिन इलाकों को पानी नही मिलता था, उनको पानी दिया हे तो क्या जुल्म किया है? क्या वे हिन्दुस्तान के रहने वाले नही? क्या वे हमारे भाई नही? उनका हक नही है? यह तो इंसानियत के नाते भी ऐसे लोगो की मदद करना हर आदमी की जिम्मेदारी बनती है। स्पीकर साहब, मेरे भाई जी कि एक आनरेबल मैंबर है, जो कि एक पुराने पार्लियामैंटरियन है, वे अगर इस तरह की बाते कहते है, तो बहुत गलत बात है। मैं तो उनके मुकाबले मे बहुत जुनियर हूं, पहली बार हाउस मे आया हूं, लेकिन फिर कहना चाहता हूं कि एक आनरेबल मैंबर को हर बात सोच समझ कर करनी चाहिए। चीफ मिनिस्टर साहब अकेले भिवानी के, महेन्द्रगढ़ के नही है, वे तो

तमाम स्टेट है। चौधरी बंसी लाल का फर्ज है कि चाहे हिसार हो, गुड़गांव हो, रोहतक हो, जींद हो, अम्बाला हो या चाहे करनाल हो, सबकों एक नजर से देखें। वे ऐसा कर रहे है। इसमे कोई भाक की बात नही है। अगर चौधरी दल सिंह जी या अपोजी ान के दूसरे भाई तैयार न हो, देखने को तैयार न हो, तो इसका मेरे पास कोई इलाज नही है।

अब मैं हैल्थ के बारे मे अर्ज करना चाहता हूं। हैल्थ के मामले मे हरियाणा स्टेट ने काफी तरक्की की है। इस बजट मे भी मित्तल साहब ने फण्डज प्रोवाइड किये है, उनमे कोई भाको भ्ाुबहा नही हैं मैं आपकी मार्फत अपने हल्के के बारे मे अर्ज करना चाहता हूं। सफीदों का जो हास्पिटल है, वह 25 बैडस का है। वह हास्पिटल सरकारी कागजात मे तो 25 का है, इसमे कोई भाक वाली बात हनी है, लेकिन उसकी बिल्डिंग तो प्राईमरी हैल्थ सैंटर के बराबर भी नही है। मेरी गुजारि ा है कि जो सफीदों का सिविल हास्पिटल है, उसकी बिल्डिंग को ऐक्सटैंड किया जाये और वहां पर और कमरे बनवाए जायें। वहां बरामदे मे मरीज चारपाई डाले रहते है। मैं भी वहां कभी कभी जाता हूं, तो हमें बहुत महसूस होता है, भार्म आती है कि सर्दी के मौसम मे, पोह के जाड़े मे बीमार बरामदे मे चारपाई डाले रहते है। कितना गलत बात है। इसी तरह से गर्मी के मौसम मे ज्येश्ठ के महीने मे बरामदे मे चारपाई डाले रहते है ? मेरा कहने का मतलब यह है कि इसकी बिल्डिंग के लिये सरकार जल्दी जल्दी फंडज प्रोवाइड

करे। इसी तरह से कालवा प्राइमरी हैल्थ सैंटर है। वह डिस्पैंसरी की बिल्डिंग मे है। वहां पर बिल्डिंग के लिये जमीन दी जा चुकी है तो उसके लिये भी मेरी गुजारि ा है कि जल्द से जल्द फण्डज दिये जायें और वह बिल्डिंग बनवाई जाये। मेरी कांस्टीच्यूएंसी मे तो प्राइमरी हैल्थ सैंटर केवल कालवा ही है वह कागजात मे तो प्राइमरी हैल्थ सैंटर हैं उसके केवल दो कमरे है, डिस्पैंसरी की बिल्डिंग मे है, जल्द इसी साल मे उस पर वर्क स्टार्ट किया गये, तो बड़ी अच्छी बात होगी। स्पीकर साहब, मैं समय थोड़ा ही लेने की कोि ाश करूंगा। एक दो बातें है, उनके बारे मे अर्ज करना चाहता हूं।

हरियाणा मे बहुत सड़के बनी है, कोई भाक भ्राुबह नही। आज हरियाणा मे गांव गांव मे बसें जाती है आज हमें महसूस भी होता है कि यह सरकार लोगो की भलाई के लिये काम कर रही है। यह तारीफ करने की बात है । तारीफ हम करते है, लेकिन अपोजी ान को अच्छी नी लगती। वे कहते है कि सड़कें नही बनी। मैं तो यह कहता हू कि जब हम चण्ड़ीगढ़ से चले, पंजाब की हद पार करने के बाद जब हम हरियाणा मे दाखिल होते है, तो सड़कों दोनो तरफ दरख्त साईड पर ऐसे लगते है, जैसे दुल्हन को सजाया गया हो। अगर फिर भी अपोजी ान के भाई क्रिटिसाइज करते है, तो मैं यही कहूंगा कि यह गलत बात है। स्पीकर साहब, मैं अपने हल्के की तीन सड़कों के बारे मे अर्ज करना चाहता हूं। एक सड़क सफीदों से डडवाड़ा वाया नीमनावाद

जाती है। यह सात मील लम्बी हैं वहां के लोगों की तब से मांग चली आ रही है, जब से हिन्दुस्तान आजाद हुआ है, जब से लोगो ने वोट मोंगने भाुरू किये है। इस सड़क को बनवाया जाना बहुत जरूरी है। उकने पास बड़ी दिक्कत होती है। वहां कुछ मेरे सिख भाई भी है, जो दूध बेचने का काम करते है। वे दूध बेचने के बड़े भाौकीन है, बड़े अच्छे मेहनती किसान है। तो मेरी गुजारि ा है कि उस सड़क को बनवाया जाना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह स्टेट की तरक्की की बात है। सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। दूसरी सड़क सफीदों से मूसलाना वाया ठीडाखेड़ी, बरड़ोद, बसनी और खातला होती हुई जाती है। इस सड़क सफीदो का बनवाया जाना भी बहुत जरूरी है। तीसरी सड़क जामनी से पीलुखेड़ा की है। पीलुखेड़े मे मंडी भी है। सैंट्रल प्लेस है। मैंने यहां हाउस मे पीलुखेड़ा मंडी का बार बार कहा हैं भाायद मेरे बारे मै यह सोचे कि गुलाटी साहब की तरह से उनको बहम हो गया है। मैं बार बार इसीलिये जोर दे रहा हूं कि पीलुखेड़ा मंडी के लिये यह बहुत ही जरूरी सड़क है। वहां पर जो व्यापारी बैठे है, उनको बड़ी दिक्कत है। अगर व्यापानी को एक पैसे का भी नुक्सान होता हो, तो उसको बहुत महसूस होता है। यह बहुत जरूरी टुकड़ा है। मु ि कल से दो मील का टुकड़ा है। सरकार के लिये दो तीन लाख रूपया कोई बड़ी बात नही है। चीफ मिनिस्टर साहब सफीदों गये थे, तो वहां की गांव की पंचायत ने और व्यापारियों ने चीफ मिनिस्टर साहब से कहा था । चीफ मिनिस्टर साहब वहां हां करके आए थे कि इस सड़क को बना दिया जायेगा। तो मेरी गुजारि ा

है और पंडित जी भी हाउस मे बैठे हुए है अगर चीफ मिनिस्टर वहां हां करके आये है, तो इस बात का पता करें कि इस सड़क को क्यों नही बनवाया जा रहा है ? यह वहां के लोगों की भलाई और तरक्की के लिये बहुत ही जरूरी सड़क है।

इंडस्ट्री की भी बात यहां आई। वैसे तो बाबू गुलाब सिंह जी काफी कह गए है। मैं भी एक दो बाते अर्ज करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आप वांइड अप करें। आप अपने प्वायंट्स रख दे।

श्री धजा रामः मैं यहां पर बैंक्स के बारे मे कहना चाहता हूं। स्पीकर साहब, वैसे तो यहां हाउस मे गोबर गैस प्लांट की बात आई है, भैसों के लोन की भी बात आई है, ट्रैक्टर्ज के लोन की भी बात आई है, टयूबवैल्ज लोन की भी बात आई है, लेकिन जो गोबन गैस प्लांटस के लिये बैंक्स कर्जा देते है, उसके बारे मे सरकार के नोटिस मे कुछेक बाते लाना चाहता हूं। ये बैंक्स है, पंजाब नै ानल बैंक, स्टेट बैंक आफ पटियाला, सैंट्रल बैंक, ये बैंक लोगों के साथ कोआप्रेट नही करतें इस बारे मे यह अर्ज करना चाहता हूं कि पता नही बैंक वालो को क्या तकलीफ है ? एक एक किसान के, हरिजन के दस दस चक्कर कटवाते है। तो मेरी गुजारि ा है कि हरियाणा सरकार इन बैंक्स को अपने आप

या गवर्नमैंट आफ इंडिया के जरिये इंस्ट्रक ान दे कि विद इन फोर या 10 डेज उनको कर्जा मिल जाये।

अब मैं पब्लिक हैल्थ के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। गांव–गावं में पानी गया है इसमें कोई भाक–सुबह की बात नहीं हैं, लेकिन स्पीकर साहब, मैं आपकी मार्फत सरकार के नोटिस में एक–दो बातें लाना चाहता हूं। इस सम्बन्ध में मेरा असैम्बली क्वै चन भी था। मेरे हल्के के अन्दर 33 गांव ऐसे हैं जहां खारा पानी है, गहरा पानी है। अच्छे पानी के बगैर लोगों की सेहत खराब हो जाती है। सन् 1952 से आज तक 33 गांवों के अन्दर वाटर सप्लाई स्कीम नहीं बनायी गई है। मैं आपकी जरिए सरकार के नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं कि पीने का पानी देना बहुत जरूरी है। जब पीने का पानी अच्छा नहीं मिलेगा तो इंसान की सेहत भी खराब हो जाएगी व न काम कर सकता है, न मेहनत कर सकता है। कम से कम कालवा, मुआना ये आठ–आठ हजार की आबादी के गांव हैं इनमें तो पानी का प्रबन्ध किया जाना चाहिए। हाट ऐबराकलां भी ऐसा ही है। इन गांवों को टाप–प्रायरिटी दे कर जल्दी से जल्दी पानी का प्रबन्ध करवाया जाए।

अब एक आत हरिजनों के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। हरिजन निगम बनी। बड़ी अच्छी बात है। सरकार पैसा दे रही है भेड़–बकरियां पालने के लिए, सुअर पालने के लिए और जो चमड़े का कमा करते हैं। मैंने बजट को पढ़ा है लेकिन इसमें जो

फण्डज रखे गए हैं, वे कुछ कम रखे गए हैं मैं मितल साहब से गुजारि ा करूंगा कि नैक्सट ईयर आप इस निगम को ज्यादा पैसा दें। यह भी हमारे समाज का हिस्सा है। अगर आप इस समाज को अच्छा बनाना चाहते हैं, मजबूत बनाना चाहते हैं तो इनकी सहायता करनी ही पड़ेगी। जिस प्रकार से भारीर का एक अंग कमजोर हो जाए तो वह पूरा पहलवान नहीं बन सकता, इसी तरह से अगर हम राश्ट्र को मजबूत बनाना चाहते हैं तो हरियाणा सरकार को उनके लिए ज्यादा फण्डज देने पड़ेंगे क्योंकि ये भी बड़े उतावले हैं।

इनको भी थोड़ा ऊपर उठाने की बात होनी चाहिए। इसके लिए अगर ज्यादा फण्डज रखे जाएं तो बहुत अच्छी बात होगी। (घंटी) ..... स्पीकर साहब, वैसे तो मैं एक दो प्वांयट्स पर और बोलना चाहता था लेकिन चूंकि आप चाहते हैं, मैं बैठ जाता हूं। आपने जो मुझे बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

Finance Minister (Sh. Ram Saran Chand Mittal): How much time would you allow me?

श्री अध्यक्षः मितल साहब, देखिए यह डिमाण्ड् ज की डिस्क ान दो दिन और चलेगी और डिमांड्ज में कुछ सिलैक्टिड डिमाुड्ज तो हैं नहीं, सारी डिमांड्ज हैं तो वही जनरल डिस्क ान जो बजट पर है, तकरीबन उसी नेचर की डिस्क ान

डिमांड्ज पर होगी। आप उसके आखिर में जवाब देना पसन्द करेगें या पहले?

Shri Ram Saran Chand Mital: Any time which you think proper.

अगर डिमांडज पर डिस्क ान, जनरल डिस्क ान के मुताबिक ही रखनी है तो मुझे कोई एतराज नहीं है, मैं आखिर में ही जवाब दे दूंगा।

श्री अध्यक्षः मेरे ख्याल में डिमांडज की डिसक ान इसी तरह चलती रहे और उसके आखिर में ही आप जवाब दे दें, तो ठीक है।

श्री राम सरन मित्तलः ठीक है जी।

श्रीमती लेखवती जैन(अम्बाला): जनाब स्पीकर साहब, मैं आपका बहुत–2 भ्ाुक्रिया अदा करती हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए टाईम दिया। यह मैं जानती हूं कि क्वै चन आवर मैं भी ओर दूसरे टाईम पर भी आप ही चेयर पर होते है। जब आप मुझें यहां चेयर पर बिठाते है, तो आपके आराम करने का टाइम होता है। जब मुझे कभी दो–चार मिनटके लिए बोलना होता है तो आपसे कह देती हूं कि आप यहां चेयर पर आ जाएं। मैं इस बात के लिए भी आपका भ्ाुक्रिया अदा करती हूं कि जहां पर आप सारे हाउस का ख्याल रखते है, वहां पर आप मेरा भी यानी डिप्टी स्पीकर का भी खास तौर से ख्याल रखते है। जनाब, आप यह भी

जानते हीि है कि जब आप चेयर पर होते है और यहां पर किसी मसले पर डिस्क ान होती है तो आपका भी दिल बहुत चाहता होगा कि मैं भी हाउस के अन्दर कुछ न कुछ तो बोलू। ज्यादा नहीं तो कम से कम उपने हल्के की बात कर लूं। आप इतने आई–पार्वर्ड है कि अगर आप अपने हल्के के काम किसी को भी लिख दें तो वह बिना कहे ही अपने आप हो जायेगें । दूसरी बात यह है कि मुझे इस बात की इजाजत है कि मैं आपको यहां पर बिठाकर यहां पर बोल सकती हूं परन्तु आप अपने विचार मेरी तरह से हाउस कं सामने नहीं कह सकते। यह बात अलग है कि आप किसी मौके पर कोई बात इसी चेयर से कह दें।

जनाब, आज जो हाउस के सामने बजट के उपर जनरल डिस्क ान है उस पर मैं सबसे पहले तो अपने फाईनैंस मिनिस्टर साहब को बहुत–2 मुबारिकबाद देती हूं कि उन्होने हाउस के अन्दर बहुत अच्छा बजट पे ा किया हैं सबसे बडी बात कहने के लिए यह है कि इस बजट में कोई नया टैक्स नहीं है। हमारा यह बजट बे ाक डैफिसिअ बजअ है, परन्तु मैं समझती हूं कि डैथ्फसिट बजट का होना यह जाहिर करता है कि यह सरकार कितने जयादा काम करती हैं जनता ही से पैसा लेकर जनता ही के लिए खर्च करती है। यही नहीं, जनता से कितना पैसा लिया जायेगा, उससे भी ज्यादा पैसा खर्च करने के लिये यह सरकार तैयार है। यह सरकार जनता के लिए हर तरह से काम करने के लिए तैयार है और वित्त मंत्री जी ने यह कहा है कि हम यह

देखेगें कि किसी तरह से भी जो बजट का डैफिसिट है, उसकों हम पूरा करें। वह घाटा भी महज टैक्सेशन से नही ाायद सैन्टर से रिक्वैस्ट करके हम अपने बजट के डैफिसिट को पूरा कर लें जनाब, जब यहां पर बजट के उपर बहस हो रही थी तो अपोजी ान की तरफ से इसकां काफी कि टिसाइज किया गया। गवर्नमैंट की कई चीजों को इस तरह से जाहिर किया गया जैसै कि गवर्नमैंट कुछ काम ही नही करती। जनाब, मैंने जो आपसे समय लिया है वह महज इसलिये लिया है ताकि मैं अपने हल्के की एक –दो बातें आपके सामने हाउस में कह दूं। मेरे पास बैठने वाले अपोजी ान के साथी जब ऐसी बातें कहते हे जिससे दिल को दुख होता हैं जो दिल के अन्दर जाकर चुभती है तो मेरा दिल यह चाहता है कि मैं भी इन्हे बतांऊ कि आप बातें बिल्कुल गलत कह रहे है। इसके लिए एक तो समय चाहियें और दूसरी चलज जो है वह यह है कि हमारे मिनिस्टर साहिबान और हमारे जो ट्रेजरी बैन्चिज के मैंबरान है, वे उसका अच्छी तरह से मुह तोड़ जवाब दे देते है। जिस वक्त मैं यहां पर थी तो हमारे एक आनरेबल मैंबर ने हमारे इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड को कि टिसाईज किया। मुझे बहुत खु ाी है कि हमारे इरीगे ान ऐंड पावर मिनिस्टर साहब ने उसका बहुत काबलियत से जवाब दिया। उन्होने इस तरह से जवाब दिया कि जैसे स्लेट पर जो उन्होने काटे माटे खीचें थे वे स्लेट से धो दिये हो। यह बात नही है जैसे अपोजी ान वालों ने कहा कि बिजली बोर्ड ने काम नहीं किया है, बिजली बोर्ड ने तो बहूत सेवा की है। जब यहां पर यह कहा गया कि फलां प्रान्त

के अन्दर 10000 गावों को बिजली दी गई और फलां प्रान्त के अन्दर 15000 गांवों को बिजली दी गई तो यह बात मुझे बहुत चुभी। उन्होने यह नहीं कहा कि वहां पर कुल 50000 गांव थे और इसमें से 10000 को बिजली दे दी गई । उन्होने यह नहीं बताया कि कुल कितने गांव थे। उन्हे यह चाहिये था, वे बताते कि इतने प्रान्तो के अन्दर सैंट परसैंट बिजली दे दी गई। उन्होने बोलते हूये यह नहीं सोचा कि यह छोटा सा प्रान्त है और इसे जन्में हुये कुछ ही साल हूये है और हमने सबसे पहले गांवों मैं सैंट परसैंट बिजली दी है।। यह हमारे लिए फख्र की बात हैं इसके अलावा भी बहुत सी ऐसी चीजें है जो यहां पर कही जाती हैं। मगर मैंने पहले ही आपसे यह रिक्वैस्ट की है कि मैं तो दो चार बातें आने हल्के की ही कहना चाहती हूं। आप जानते ही है कि कहने वाले तो कहेंगे ही क्योंकि मारने वाले के तो आप हाथ पकड़ सकते हो लेकिन कहने वाले की जुबान नहीं पकड़ सकते। सदन के अन्दर उन्हें आजादी है कि जो मर्जी कहें। चाहे वह गलत बात कहें चाहे किसी बात को किसी तरह से कहें। एक आनरेबल मैंबर ने तो यह भी कह दिया कि एजुके ान में भी भेदभव है। वे यह तो कह सकते हैं कि एजुके ान ठीक नहीं है इस तरह की एजुके ान होनी चाहिए या इस तरह की ट्रेनिंग होनी चाहिए, मगर यह कहना कि एजुके ान में भी भेदभाव हैं, ठीक नहीं है। मैं यह समझ नहीं सकीं कि क्या अमीरों के लिए कोई अलग कालेज है और गरीबों के लिए कोई अलग कालेज है ? मैं तो इतना जानती हूं कि गरीबों को और हरिजनों को हमारे एजुके ान डिपार्टमैंट या

हमारी सरकार खास रियायतें देती हैं। उनके लिए वजीफे हैं, उनके लिए दूसरी रियायतें हैं। इतना ही मैं जानती हूं। इससे ज्यादा मैं आपके सामने नहीं कह सकती क्योंकि यदि मैं इन बातों को कहने लगी तो फिर भायद मेरे हल्के की बातें रह जाएं। यहां पर एक और चीज कही गई जो मुझे बहुत चुभी है। इसमें कोई भाक की बात नहीं है कि हमारे दे ा की 80 फीसदी आबादी गांवों में रहती है। सिर्फ हरियाणा ही नहीं बल्कि सारा हमारा जो दे ा है, वह का तकारों पर निर्भर है। हम सब अच्छी तरह से जानते हैं कि हमारा दे ा कृशि प्रधान दे ा हैं। हम कृशि के ऊपर डिपैंड करते हैं। इसलिए हमारी सरकार की ज्यादा से ज्यादा अटैन ान इस ओर होनी चाहिए। हम यह नहीं कह सकते कि हमारी गवर्नमैंट ने हमारे देहातों को या हमारे कृशि के का तकारो को , जमीदारों को, बिलकुल इग्नोर कर दिया है ओर उनको कुछ दे ही नही रही है। मैं तो यह समझती हूं कि अंग्रेजों के जमाने में का तकारो की क्या हालत थी और आज के जमाने में क्या हालत हैं यह देख ले। इस बात को भी छोडिये। मैं यह कहूंगी कि हमारे जो चीफ मिनिस्टर है इनके आने से पहले या पंजाब के साथ, हमारी क्या हालत थी ओर आज क्या हालत है इस चीज का मुकाबला करें तो मालूम होगा कि इस सरकार ने का तकारों को कितनी रियायतें दी है। हमारी सरकार जमीदारो को का फी सहायता दे रही है ओर इसने ग्रीन रैवोल्यू ान लाने के लिए हर तरह से एडी से चोटी तक का जोर लगा दिया है। चाहे बीज है, खाद है या कुछ ओर है उनको सब चीजे दे रही

है। जब सब चीजों की मंहगाई है तो बे ाक खाद की मंहगाई अखरती है मगर हम यह नही कह सकते कि उनको सहूलियतें नही दी जा रही है। सहुलियतें उनको बकायदा दी जा रही है। हमारे जा`इरीगे ान ऐंड पावर मिनिस्टर है, उन्होने यह कहा कि मैं इससे जयादा और क्या कर सकता था कि मैने और चीजों के लिए सारी बिजली बन्द करके महज खेती के लिए जमीदारों को बिजली दी और टयूबवैलों से जमीन को पानी दिया? आप ही सोचिये इससे ज्यादा क्या हो सकता था कि बड़े–2 कारखानों को बन्द करके, इंडस्ट्री को बिजली न देकर टयूबवैलों को बिजली दी गई। मैं यह समझती हूं कि यह एक बहुत बडी चीज हे जो हमारी गवर्नमेट ने जमीदारों या का तकारों के लिये की हैं जहां तक इंडस्ट्री को बिजली देने का ताल्लूक है इसके बारे में मेरा कहना यह है आखिरकार इंडस्ट्री को भी हमें बिजली देनी पडती है। इंडस्ट्री से जमींदार का उतना ही सम्बन्ध है जैसे कहा करते है कि चोली दामन का सम्बन्ध। इंडस्ट्री और जमींदार का सम्बंध भी ऐसा ही है। अगर इंडस्ट्री नही है तो जमीदार भी नही चल सकता। उसको अपने हल के लिए चीज चाहिये उसको अपने ट्रैक्टर के लिए चीज चाहिये उसकों ट्रैक्टर चाहिये ओर चीजे चाहिये जोकि इंडस्ट्री से पूरी हो सकती है। हमारे दे ा के अन्दर गरीब है और हमारे दे ा के अन्दर मजदूर है। लेकिन अगर इंडस्ट्री नही है तो हमारा मजदूर कहां से पेट भरेगा? अभी जींद के अन्दर एक बड़ा कारखाना खोला गया है जो प ाुओं के लिए चारा पैदा करेगा। जींद में जो बड़ी फैक्ट्री खोली गई है और

जिसमें गवर्नमैंट ने बहुत रूपया लगाया है वह भी जमीदार की गाय और भैंस के लिए चारा बनाएगा। सरकार जो वाईट रेवोल्यु ान चाहती है उसमें यह काफी मददगार सिद्ध होगा। जो जमीदार खेती से गुजारा नही कर सकते, वे गाय और भैंस से गुजारा कर सकेगें। आज उस चारे का भाव 1.17 रूपये है। क्या कोई आनरेबल मैंबर बता सकता है कि इससे सस्ता चारा और क्या हो सकता हे जो गाय ओर भैंस को दिया जा सकता है? मेरा ख्याल है कि खल का भाव आजकल 1 या डेढ़ रूपये होगा और बिनौला का भाव दौ–पौने दो होगा, सूं का भाव तीन रूपये मेथी का भाव तीन रूपये चने का भाव तीन रूपये या ढाई रूपये होगा और गेंहूं का भाव 1.40 या 1.50 रूपये होगा। इस चारे से आज कौन सी सस्ती चीज मिल सकती है? मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहती हूं कि इस चारे का ज्यादा से ज्यादा प्रचार करना चाहिये। जिनको इस चारे की एंजेसी दी है, जो एजैंट है , उनको साधन दिये जाये ताकि वे अधिक से अधिक प्रचार कर सकें। अभी तक तो लोगों को मालुम भी नही है मुझे भी अभी आठ–दस दिन हुये है मालुम हुआ है और जब मैंने अपनी भैंस को डालना भाुरू किया है तो वाकई दो किलो दूध बढ गया ओर किसी चीज के डालने के जरूरत ही नही हैं। दो–दो किलो उसको डाल दो। स्पीकर साहब मैं यह बातें कहते–कहते कही अपने हल्के की बात न भूल जाऊं। लेकिन क्या करूं हम अपनी आदत से मजबूर होते है , जब बोलने के लिए खडे हो जाये तो दिल चाहता है कि ज्यादा से ज्यादा बात कहें । स्पीकर साहब मैं किसी कंट्रोवर्सी में नहीं पड़ना

चाहती। –(विघन) मैं दबी आवाज से एक बात कहना चाहती हूं कि यहां पर कहा गया कि जमीदार की बात और अनाज पैदा करने वाले की करनी चाहिये। उनके लिये तो मैं ने सब बात कर दी कि इनको सहूलियत दी जाये , यह चीज उनके लिए की जाये। मैं एक जरूरी बात आपसे बताना चाहती हूं कि आज की गवर्नमैंट जातपात में वि वास नहीं करती। आज चाहे बनियाहो, चाहे जमीदार हो और चाहे एक हरिजन हो, गवर्नमैंट सबको एक तरह से समझती है। आज वह जमाना नही जैसा कि अंग्रेज का जमाना था। अंग्रेजों के जमाने में मैं मैंबर थी। मैं उस वक्त की भी बात जानती हू।उस वक्त लैंड ऐलिनिये ान ऐक्ट की तरह के बिल आये जो कि जमीदार के लिए अच्छा था, गरीब के लिए वह चीज बडी अच्छी थी। उस वक्त हमारी एक बहुत बडी पार्टी थी वह थी यूनियनिस्ट पार्टी। उस वक्त अग्रेंजों ने डिवाइड एण्ड रूल की पालिसी अपनाई हुई थी, सैप्रेट इलैक्टोरल रोल्ज थे, सिख–सिख को वोट दे सकता था, हिन्दू–हिन्दू को वोट दे सकता था और मुस्लमान–मुस्लमान को वोट दे सकता था और हिन्दुओं के अन्दर भी यह तमीज कि ऐग्रीकल्चरिस्ट अलग और नान–ऐग्रीकल्चरिस्ट अलग। नान–ऐग्रीकल्चरिस्ट का कोई आदमी जमीन नहीं खरीद सकता था। किसी का बच्चा फोज में भर्ती नहीं हो सकता था लेकिन इस हकुमत ने जाति–पाति की बात खत्म कर दी और अब हरेक आदमी का बच्चा, चाहे वह बनिया का बच्चा हो, हरिजन का बच्चा हो, वह अब फौज में जा सकता है। एक और चीज इस सरकार ने की है कि हरेक आदमी को अब जमीन खरीदने का

अधिकार है । हर आदमी अब जमीदार बन सकता है। अब कोई भी आदमी जाति से जमीदार नहीं बन सकता बल्कि पे ो से जमीदार बन सकता है। चाहे अब कोई भी जाति काहो अगर वह किसान का काम करता है तो वह जमीदार है। इस सरकार ने जो जात पात का भेद था वह बिल्कुल खत्म कर दिया। जनाब, अब मैं अपने हल्के की बात कंरूगी। मेरा हल्का अम्बाला है जो जिले का हैडक्वार्टर है।किसी जमाने में सारे हरियाणा में जो हरियाणा के सात जिले थे, अब ता वे नौ–दस जिले हो गये है, यह जिला उनको डोमिनेट करता था। इस जिले के अन्दर कमि नरी थी और आज भी कमि नरी है। बड़े–2 अफसर थे। स्पीकर साहब, मुझे खु ाी है कि इस सरकार ने, इस बंसी लाल की सरकार ने जिन जिलों कके अन्दर पीने का मीठा पानी नहीं था, उनको मीठा पानी सप्लाई किया, मुझे इस बात का फख्र है और मैं फख्र से सर ऊंचा कर सकती हूं, मुझे कोई गुरेज नहीं। लेकिन मैं बंसी लाल सरकार से यह रिक्वैस्ट कंरूगी कि जिस प्रकार एक मां के दो–तीन बच्चे है और उनमें से दो बच्चे कमजोर है, तो ठीक है उनको ज्यादा दूध दें, जयादा विटामिन दे,उस जयादा खर्च करे लेकिन जनाब साथ ही मेरी यह रिक्वैस्ट भी है कि मां को यह भी ख्याल रखना चाहीये कि जो बच्चा हश्ट–पुश्ट है, उसका भी ख्याल रखें ताकि वह कमजोर न हो जाये। इसलिये मेरी बंसी लाल सरकार से यह रिक्वैस्ट हे कि वह अम्बाला का भी ख्याल रखे। ठीक है, हमें मिल्क प्लांट दिया है ट्रांसफार्मरज की फैक्ट्री दी है और छोटे–मोटे काम तो मैं जो मेरे जिले के आफीसर्ज है मुझे

उनसे कहने की ज्यादा जरूरत ही नहीं पडती, वे आप ही पूरा कर देते है। मैं तो बडी खु ाकिस्मत हूं इस मामले में। मैं तो उनसे कह देती हूं कि भई ठीक है अगर आप विटामिन्ज देते रहोगे तो स्वस्थ रहूंगी, अच्छी रहूंगी और विटामिन है मेरी सडक ठीक करवा दो, ट्युबवैल नहीं है वो लगवा दो। छोटे–मोटै काम आप करते रहोगे तो मेरा स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। जनाब अब मेरी मांग क्या है? सबसे पहला सवाल जनाब मेरा पानी का है। जब मैं बोल रही हूं, तो चीफ मिनिस्टर साहब यंहा नहीं है।.....(विधन)स्पीकर साहब, ये कहते है कि अम्बाला के लिये पानी की बात कह दी। पानी तो पहले से ज्यादा है और टयूबवैलज भी लग गये है। मै तो यह कहूंगी कि कम से कम अम्बाला भाहर के लिये कोई बडी स्कीम चालू की जानी चाहिये जिस तरह से हम जमीदारों को टयूबवैल्ज के लिये बिजली देते है उसी प्रकार से अम्बाला भाहर के अन्दर भी , जहां कि लाखों लोग कहते रहते है, वहां के टयूबवैल्ज को भी ज्यादा बिजली मिलनी चाहिये जिससे कि भाहर के अन्दर पानी के लिये हाहाकार न मचे।

दूसरी चीज यह है कि घग्गर के उपर बांध लगाने से काफी पैसा खर्च आयेगा। इसके लिये तो मैं जोर नहीं देती। एक नरवाना ब्रांच है , जोकि हमारें अम्बाला से गुजर कर जाती है । उससे टिब्बों में पानी लिया गया थां क्या उससे थोडा सा पानी अम्बाला को नही दिया जा सकता? मैं रिक्वैस्ट करूंगी कि इस स्कीम के तहत अम्बाला के अन्दर पानी का प्रबन्ध भीघ्र ही किया

जाना चाहिए। एक और सीवरेज की स्कीम है जोकि अभी तक पूरी नहीं हो पाई हैं, मैंने वहां के ऐडमिनिस्ट्रेटर से भी बात की थी कि उस पर कितना पैसा लगेगा। उसने मुझे जवाब दिया कि कम से कम 70–80 लाख रूपया उस स्कीम पर लगेगा। मैंने कहा कि गवर्नमैंट ने आपको इस काम के लिए कितना दिया है ? उन्होंने कहा कि 23 हजार रूपया ग्रान्ट दी है और 17 हजार रूपया लोन दिया है। आप ही बताइए कि किसी म्यूनिसिपल कमेटी ने अगर इतने बड़े काम को अपने हाथ में लिया हुआ हो तो उसका इतने पैसे के क्या बनेगा ? भाायद हमारे मिनिस्टर साहब यह कहें कि जब तुम्हारे पास पैसा नहीं था तो इतनी बड़ी स्कीम को हाथ में क्यों ले लिया ? मैं आपको बताना चाहती हूं कि अम्बाला का नक ाा ऐस है, अम्बाला को लैवल ऐसा है, सीधा कड़ाहा जैसा, चारों तरफ से पानी आ करके बीच में जमा हो जाता है। अगर हम उस को सीधा करने के लिये गौर नही करेंगे, तो हम उसका लेवल सीधा नही कर सकेंगे। इसका इलाज यह कि नालियां बनाकर पानी को बाहर निकालने की कोि ा ा की जोए। तो यहां इसके लिय सीवरेज स्कीम की ज्यादा जरूरत है। स्पीकर साहब, ज्यादा क्या कहूं, अकलमंद के लिये तो इ ाारा ही काफी है। हमारी तो मिनिस्अर साहब बड़े मेहरबान है। मुझे उनसे पूरी आ ाा है कि वे हमारे अम्बाला भाहर की इन डिफिकल्टीज की तरफ जयादा ध्यान देंगे, जो कि चण्डीगढ़ के बिल्कुल पास है और वहां की म्यूनिसिपल कमेटी को इस स्कीम के लिये ज्यादा से ज्यादा पैसा देंगे। इसके साथ साथ एक और चीज है कि वहां पर जो

नालियों है, वे सारी की सारी गल गई है और उन मे से पानी लीक करता है। अगर उनको बदल दिया जाये, तो कई लाख रूपया लगेगा। इसके लिये भी मिनिस्टर साहब देखे, और कमेटी की ज्यादा मदद करे। यह बड़े दु:ख की बात है कि आज आप जब गांव गांव मे पानी दे रहे हो, टिब्बों मे पानी दे रहे हो, तो यह हमारे हल्के के साथ ऐसी ज्यादती क्यों हो रही है? अगर आप इस गवर्नमैंट के होते हुए यह काम पूरा न हुआ तो मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि हजारों सालो तक यह काम कभी भी पूरा नही हो सकेगा।

स्पीकर साहब, मैंने कुछेक बाते सप्लीमैंट्री मे पूछी थी। आर्डर होता है कि कभी कभी सप्लीमैंट्री कर लिया करें, कभी कभी हो भी जाती है, क्योंकि स्पीकर साहब, आपकी मेहरबानी से टाईम मिल भी जाता है। मैंने हस्पतालों के लिये भी ए सप्लीमैंट्री किया थां क्वै चन आवर मे हमारी हैल्थ मिनिस्टर महोदया ने बताया कि अम्बाला की बिल्डिंग 25 साल पुरानी है। मैं उन्हे बताना चाहती हूं कि अम्बाला की बिल्डिंग तो पता नही सौ साल या 80 साल या कितनी ही पुरानी होगी। एक बाद मैंने भी हैल्थ मिनिस्टर साहिबा से पूछा था, तो इन्होंने कहा था कि तुम्हारे लिये अस्पताल की सोच रहे है। कौन सी जगज हो और कहां अनाया जाये, यह नही बताया, यह कह दिया कि जगह नही है। मैं तो यह कहती हूं कि अम्बाला के बीच मे अगर कोई ऐसा बढ़ा हस्पताल होगा, तो दूर दूर से लोग वहां पर इलाज के लिये आएंगे, और इस तरह से

सरकार की वाह वाह होगी। लेकिन इस बात के ऊपर गौर नही किया गया। मैंने पता किया है, सरकार इस काम के लिये राज हो तो वहां पर 9 एकड़ के करीब जमीन, फ्री आफ कास्ट मैं दिलवाने के लिये तैयार हूं। उसकी लगभग 10 लाख कीमत होगी। इसलिये मेरी गुजारि ा है कि अम्बाला के अन्दर एक बड़ा अस्पताल बनना चाहिए। मैं इसके आगे आती हूं, एक ही बात के ऊपर जोर नही देती, सड़कें तो बन गई है, लेकिन एक सड़क है, जिसके बनाने के आर्डर तक हो गये, वह है जटियाना, वहां पर बजरी वगैरह भी गिरवा दी गई, मिट्टी वगैरह व दूसरा सारा सामान वहां पर पहुंच गया, (हंसी) पर अभी तक उस सड़क का काम मुकम्मल नही हुआ है। अनाब, जिस वक्त इलैक ान था, कुछ लोग मेरे पास आये। मुझे कहने लगे कि बहन जी, मानकपुर की सड़क एक गांव से जोड़ी जा रही है, जबकि जी.टी. रोजड़ हमारे पास ही है। तो इसकी जरूरत क्या हैत्र जो सड़क मानकपुर से नकलने वाली ही है, वह ही जी.टी. रोड़ से मिला दो। तो उसी वक्त मैं वहां गई और ऐक्सीयन साहब को बुलाया और कहा कि इस सड़क के काम को फौरन बंद करो और उसी सड़क को जी.टी. रोड़ से मिलाआ। जनाब, मैंने काम बंद करवा दिया, लेकिन उसका नतीजा क्या हुआ ? आज तक वह सड़क ही नही बनी (हंसी)। अब सोचने की बात यह है कि उस का फिर वह रूपया कहां चला गया? यह गवर्नमैंट यह कह देती है कि हमारी पालिसी यह है कि कोई नई सड़क न बनाई जायें तो मेरी गवर्नमैंअ से प्रार्थना है कि इस ओर ध्यान दिया जाये।

इसके बाद जनाब एक सड़क अम्बाला भाहर है। उसके लिये कमेटी ने पैसा भी जमा करवा दिया है । इसलिये उसको खास तौर से नोट कर ले। मैं चाहती हूं कि गवर्नमैंट की यह पालिसी होनी चाहिये जहां तक बड़ी सड़क की बजाय एक एक फर्लांग की दस सड़कें बनानी हो, तो पहले उन दस सड़कों को प्रैफ्रैंस दिया जाना चाहिए। उससे यह भी होगा कि आप गए गांव की बजाये दस गांवों को खु ा कर सकते है। उसके बाद टयूबवैलों की बात है। टयूबवैल तो मेरे हल्के मे बिल्कुल ही कम मिले है। चट्ठा साहब यहां नही है। मैं उनको बताना चाहती थी कि उनके पहले हल्के के पांच गांव अब मेरे हलके मे है। मैंने उन पांच गांवों का दौरा किया तो उन्होंने मेरे पास टयूबवैलों का रोना रोया। मुझे यह सुनकर बड़ी हैरानी हुई कि चट्ठा साहब के पहले इलाके मे भी टयूबवैलौं की ि ाकायत हो रही है। तो मैंने आकर चट्ठा साहब को कहा कि वह आपका इलाका रहा है और आपको अपने पूराने आदमियों को याद रखना चाहिए इसलिये आप वहां पर जरूर टयूबवैल दो। ये गांव है टुंउला टुंडली वगैरह वगैरह। इसके अलावा और भी गांव है, जैसे खतौली मानकपुर और धूलकोट इनकी सड़कों की मुरम्मत होने वाली है। मानकपुर की जो सड़क है उसकी रोड़ी बाहर निकल आई है ाऐर वह इतनी खराब हो गई हे कि अगर उसकी दो चार महीने तक और मुरम्मत न की गई तो वह सड़क दोबारा बनानी पड़ेगी। इसलिये मिनिस्टर साहब खास तौर पर इस चीज को नोट कर ले कि जिन सड़कों की मुरम्मत होने वाली है उनकी मुरम्मत करवा दी जाये, ताकि

उनको दोबारा न बनाना पड़े। इसी तरह एक धूलकोट की सड़क, वह भी बिल्कुल टूटी पड़ी है। उसकी भी अगर मुरम्मत करवा दी जाये तो वहां लोगों को भी सहूलियत मिल जायेगी और अभी आपका भी पैसा ज्यादा खर्च नही होगा। स्पीकर साहब, आज आपने मुझे बोलने का समय दिया इसलिये आज जब मैं एक लफ्ज बोलती हूं तो दस बाद दिल से भाुक्रिया का लफ्ज निकलता है कि आपने कम से कम मुझे बोलने का मौका तो दिया। इसके बाद मैं बसों की बात पर आती हूं। यहां पर किसी क्वै चन की जब सप्लीमैंट्री होती है तो मेरे अपोजी ान के भाई ट्रेजरी बैंचिज की तरफ इ ाारे करके कहते है कि आपकी बसें खराब है, ठीक नही चलती है लेकिन जब कभी यही हमारे अपोजी ान के भाई प्रांत से बाहर किसी दूसरी स्टेट मे जाते है तो कहते है कि अगर कहीं काम हुआ है तो वह हरियाणा मे हुआ है। सबसे अच्छा जो लीडर आफ दी हाउस मे है तो वह बंसी लाल है। प्रताप सिंह कैरो के बाद अगर कोई चीफ मिनिस्टर आया है, तो वह बंसी लाल है मैं उनको बताना चाहती हूं कि इसमे कोई भाक नही है कि हमारे प्रांत मे वाक्या ही बड़े भारी काम हुए है। हमारा लीडर लौह पुरूश है, लोहे का बना हुआ है। इसी तरह से हमारे कर्नल महा सिंह जी भी बड़े मेहनती और काम करने वाले व्यक्ति है। इस चीज को मैंने भी कहा था कि वाक्या ही हरियाणा की बसों के जो कन्डक्टर है उनको ट्रेनिंग देनी चाहिए कि यात्रियों के साथ केसे विहेव करना चाहिए। कइ बार देखने मे आया है कि वे इतने रूड हो जाते है कि कम्बखत इज्जत नही करते। कहते है, अरे उधर बैठ, खड़ा हो

जो, इस तरह की बाते कहते है। जनाब, मैं इन बातो मे ज्यादा नही जाना चाहती। मैं तो अपना मतलब हल करना चाहती हूं। –(हंसी)– इसके बाद मैं अम्बाला भाहर के बस अड्डे के बारे मे कुछ कहना चाहती हूं कि वह मेन रोड़ पर नही है, बल्कि भाहर के अंदर है। अम्बाला भाहर से कैंट जाने के लिये 20 मिनट लग जाते है। मेन रोड़ पर न होने के कारण वहां बसें कम जाती है। उसके मुकाबले मे अम्बाला कैंट मे बसें आधा आधा घंटा खड़ी रहती है। तो इसकी क्या जरूरत है? अम्बाला भाहर भी तो डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर है और वहां लोगो का आना जाना बड़ा जरूरी है ? अम्बाला भाहर भी तो डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्डर है और वहां लोगो का आना जाना बड़ा जरूरी है। एक व्यापारी या कोई दूसरा आदमी वहां से अगर सुबह चार बजे दिल्ली जाना चाहे तो उसको पहले अम्बाला कैंट तक तीन चार रूपये स्कूटर के खर्चने पड़ते है। तो हर आदमी तो स्कूटर या टैक्सी के पैसे खर्च कर नही सकता। इसीलिये इसका एक ही इलाज है कि जितनी भी बसें चण्डीगढ़ से दिल्ली जाती है कम से कम उनमे आधी अम्बाला भाहर मे से हाकर जानी चाहिए। (घंटी) स्पीकर साहब, आप घंटी दे रहे है, इसलिये मैं सिर्फ एक बात और कहना चाहती हूं कि जो सरपंच का चुनाव है, अगर वह डायरैक्ट कर दिया जाता है, तो क्या हर्ज है? बाते तो कहने के लिये बहुत थी लेकिन समय न होने के कारण मैं आपका भाुक्रिया अदा करती हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया और बाकी जो बाते रह गई है वे मैं कभी फिर कह दूंगी।

श्री राम सरन चंद मित्तलः स्पीकर साहब, मैंने जवाब जरूर देना था, लेकिन अब समय थोड़ा है इसलिये जिस दिन डिमांडज पर डिस्क ान होगी उस दिन जवाब दे दूंगा।

श्री जगजीत सिंह टिक्का (नारायणगढ़): स्पीकर साहब, मैं आपका म कूर हूं, कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया । आज तो समय खत्म होने वाला है लेकिन उस दिन तो मुझे कंटीन्यू करने का मौका मिलेगा ही। मैं मित्तल साहब को मुबारिकबाद देना चाहता हूं कि उन्होंने जो बजट पे ा किया है वह एक ऐसा बजट है जिस पर अगर देखा जाये तो इसमे जो खर्च करना है वह ऐसी चीजों पर करना है जो कि हमारे हरियाणा की उन्नति के लिये है। मिसाल के तौर पर जैसे पावर प्रोजैक्टस है इरीगे ान और पावर है तथा एग्रीकल्चर है। मेन खर्च जो आपका है वह इनमे आता हैं हमारा जो प्लान ऐक्सपैंडीचर है वह 83.74 करोड़ का है और उसमे से जो ऐग्रीकल्चर, पावर प्रोजैक्टस और इरीगे ान है, उन सब पर 57.45 करोड़ रूपया खर्चा होगा। तो इससे यह साबित होता है कि हमारी सरकार जनता का कितना ख्याल रखती है। हमने लोगों को ऊपर उठाना है, हरियाणा को बढ़ाना है। हमारे भाई यहां पर चर्चा करते है कि क्योंकि यह बजट डैफिसिट बजट है, इसलिये यह कोई अच्छा बजट नही है। ठीक है इस बार का जो बजट है वह करीब 17 करोड़ा के डैफिसिट का बजट है लेकिन अगर हम पिछले साल का बजट देखें तो पिछले साल का बजट इससे भी ज्यादा डैफिसिट का था यानी कि उस

बजट मे 17.97 करोड़ का डैफिसिट था लेकिन अब साल के अंत मे उसमे से जो हमारे पास डैफिसिट रह गया है वह है सिर्फ 6.33 करोड। इसलिये हमें घबराना नही चाहिए कि हमारे बजट मे ज्यादा डैफिसिट है क्योंकि इससे पिछले साल भी यही हुआ था और यही बताया गया था कि 17–18 करोड़ का घाटा होना लेकिन अब साल के अखिर मे निकला सिर्फ 6.33 करोड़।

Mr. Speaker: The House stand adjourned till 2.00 p.m. on Monday.

13.00 बजे

(The Sabha then adjourned* till 2.00 p.m. on Monday, the 13 January, 1975).